E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 22 | गुवाहाटी | मंगलवार, 15 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526



मदरसे में गला काटकर हत्या का आरोपी इमाम गिरफ्तार पेज 3

राष्ट्रपति 17 अगस्त को आएंगी कोलकाता, उन्नत योद्धपोत आईएनएस... पेज 4

समस्या के समाधान को प्रतिबद्ध है सरकार : मुख्यमंत्री योगी पेज 5

मुख्यमंत्री ने लोगों से किया देश के लिए जीने का आह्वान पेज 8


### सूचना

एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 15 अगस्त को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 अगस्त के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

– **संपादक**


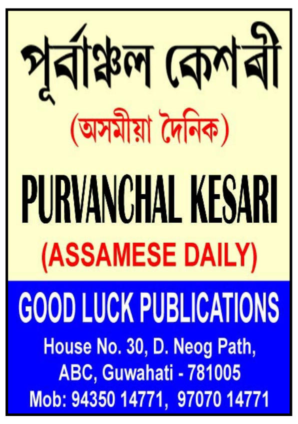

# राष्ट्र सेवा में बढ़-चढ़कर योगदान दे रहीं महिलाएं : राष्ट्रपति

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश के नाम अपने संबोधन की शुरुआत देशवासियो को बधाई देते हुई की। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है। चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है। उन्होंने कहा कि जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है। लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना। राष्ट्रति ने अपने संबोधन में बताया कि हम सभी, समान रूप से, इस महान देश के नागरिक हैं। हम सब को समान अवसर और अधिकार उपलब्ध हैं तथा हमारे कर्तव्य भी समान हैं। गांधीजी तथा अन्य महानायकों ने भारत की आत्मा को फिर से जगाया और हमारी महान सभ्यता के मूल्यों का जन-जन में संचार किया। राष्ट्रपति ने महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए कहा कि सरोजिनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास के साथ, देश तथा समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं। आज -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# हिमाचल प्रदेश में बारिश का हाहाकार, एक दिन में 41 की मौत

**शिमला ( हि.स. )।** हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने हाहाकार मचा दिया है। राज्य के विभिन्न जिलों में भूस्खलन और बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को बताया कि पिछले दो दिन से हो रही भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश के इतिहास में एक दिन में सबसे अधिक 41 लोगों की बहुमूल्य जान गई है, जबकि 13 लोग अभी भी लापता हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू सोमवार शाम को शिमला में बुलाई गई आपात बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति और बचाव व राहत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस भीषण त्रासदी के बाद इस बार स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होंगे। कार्यक्रम में सिर्फ ध्वजारोहण, परेड और मुख्य अतिथि का संबोधन ही होगा। राजधानी शिमला में भूस्खलन और बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सोमवार को शहर के बालूगंज थाना अंतर्गत आने वाले समरहिल और फागली इलाकों में भूस्खलन की घटनाओं में 13 लोगों की मौत हुई है। इस दौरान 15 लोग चोटिल हुए। शिव मंदिर से आठ शव बरामद हुए हैं। इनमें तीन बच्चे, एक महिला और चार पुरुष के शव हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान दोबारा फ्लड आने से बचाव कार्य रोकना पड़ा। शिव बावड़ी मंदिर में फंसे लोगों को निकालने के लिए राहत व बचाव कर्मी डटे हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक भूस्खलन के दौरान मंदिर में मौजूद करीब एक दर्जन लोग अभी लापता हैं। ये हादसा सोमवार सुबह सवा सात बजे के करीब हुआ, जब मंदिर में लोग जलाभिषेक करने पहुंचे थे। मंदिर में हवन यज्ञ और प्रसाद बनाने की भी तैयारी चल रही थी। पल भर में मंदिर का नामो-निशान मिट गया। उधर शिमला के ही फागली में भी भूस्खलन से कई अस्थायी घर क्षतिग्रस्त हुए। यहां मां व बेटी सहित पांच लोगों की मौत हो गई। मृतक मां व बेटी की पहचान कमला ठाकुर (52) पत्नी जनक ठाकुर और पूजा ठाकुर (21) पुत्री जनक ठाकुर के रूप में हुई है। जबकि एक दर्जन लोगों को मलबे से निकाला गया। ये आईजीएमसी में उपचाराधीन हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अभी बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं है। विभाग के निदेशक सुरेंद्र पाल ने बताया कि 20 अगस्त तक राज्य में मौसम खराब रहेगा।

# भारत माता को सुरक्षित करने का संकल्प लें : सीएम

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने अपील की है कि आज विभाजन विभीषिका दिवस पर हम भारत माता को सुरक्षित करने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम लीग द्वारा विभाजन के मौके पर किए गए अमानवीय और बर्बर कृत्यों को याद करते हुए हम सभी यह संकल्प लें कि भारत माता को और अधिक खंडित हम नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने ये बातें आज राजधानी के माछखोवा स्थित प्रागज्योतिष आईटीआई सेंटर में आयोजित विभाजन विभीषिका दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आज विभाजन विभीषिका दिवस का पालन इसलिए नहीं करते कि हम पाकिस्तान से नफरत करें। बल्कि, इस दिवस के जरिए हम याद रखें कि किस प्रकार क्रूर और अमानवीय तरीके से विभाजन के दौरान भारत और पाकिस्तान में हिंदू, क्रिश्चियन और सिख समुदाय के लोगों पर अत्याचार किए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह भुला नहीं जाता कि किस प्रकार हमारी माताओं और बहनों की इज्जत की धज्जियां उड़ाई गई थीं। हम विभाजन की वेदना कभी नहीं भूल सकते। 800 वर्षो की गुलामी के बाद आखिरकार हमें 15 अगस्त को खंडित स्वाधीनता मिली। लेकिन, 14 अगस्त का दिन हमारे लिए अंधकार का दिन था क्योंकि देश का विभाजन हो चुका था और पाकिस्तान में हमारे लोगों के साथ बर्बरता की जा रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और दिल्ली आदि इलाकों में विभाजन के मौके पर हुए हिंसा के शिकार लोगों की सेवा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन कार्यकर्ताओं ने जी-जान लगाकर की थी। हमें उसे याद रखते हुए उन्हीं भावनाओं के साथ सेवा निरंतर करते रहना होगा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने 12वीं सदी में मोहम्मद गोरी द्वारा किए गए आक्रमण के बाद दास वंश, मोहम्मद खिलजी, तुगलक, बाबर वंश और उसके बाद अंग्रेज के शासनकाल का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ सौ वर्षों की लंबी गुलामी के बावजूद हमने कभी भी देश को गुलाम नहीं समझा और हमारी लड़ाई जारी रही। यही वजह थी कि हमें आखिरकार 15 अगस्त 1947 को विदेशी शासकों के चंगुल से आजादी मिली। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी के खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन तथा उनकी राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति की भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों को उद्धृत करते हुए कहा कि महात्मा गांधी की हत्या को हम कभी भूल नहीं सकते हैं और उनके हत्यारे को हम कभी माफ नहीं कर सकते हैं। इससे पहले आज सुबह बड़ी संख्या में पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता के नेतृत्व में शुक्रेश्वर घाट से माछखोवा आईटीए सभागार तक मौन रैली निकाली गई। आज के कार्यक्रम के इस मौके पर माछखोवा सभागार के सामने 1947 के उस काला अध्याय के कुछ दृश्यों को जनता के लिए प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, उपाध्यक्ष जयंत दास, गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरणिया समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

## चांद के बाद अब सूर्य की ओर इसरो

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** चंद्रयान - 3 के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब सूरज मिशन की तैयारी में है। सूरज के अध्ययन करने के मकसद से तैयार किया गया अंतरिक्ष यान आदित्य एल-1 सोमवार को बेंगलुरू से श्रीहरिकोटा लाया गया। इसरो ने ट्वीट करके कहा कि सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला, आदित्य-एल1, प्रक्षेपण के लिए तैयार हो रही है। यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), बेंगलुरु में साकार किया गया उपग्रह एसडीएससी-एसएचएआर श्रीहरिकोटा पहुंच गया है। आदित्य एल-1 सूरज का अध्ययन करने वाला पहला भारतीय मिशन होगा। ये अंतरिक्ष यान लॉन्च के चार महीने बाद सूरज-पृथ्वी के सिस्टम में लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। यहां पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज की स्टडी की जा सकती है। हालांकि इस अंतरिक्ष यान के लॉन्च की कोई तारीख अभी तय नहीं की गई है।

# परिसीमन के बाद प्रशासनिक कार्य होगा शुरू : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि विधानसभा एवं लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के शीघ्र बाद राज्य सरकार प्रशासनिक पुनर्गठन कार्य शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि अंतिम परिसीमन रिपोर्ट के खिलाफ कुछ विरोध हो रहा है लेकिन लोगों को इसे हकीकत के तौर पर लेना ही होगा। चुनाव आयोग ने 11 अगस्त को परिसीमा की अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें असम में विधानसभा क्षेत्रों एवं लोकसभा क्षेत्रों की संख्या क्रमश: 126 एवं 14 बनाए रखी गई है। लेकिन आयोग ने मसौदा अधिसूचना से भिन्न एक संसदीय क्षेत्र एवं 19 विधानसभा क्षेत्रों के नाम बदल दिए हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि 19 विधानसभा क्षेत्र तथा दो लोकसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित किए गए हैं जबकि नौ विधानसभा क्षेत्र एवं एक लोकसभा सीट अनूसूचित जातियों के लिए आरक्षित की गई है। शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम में से इतर संवाददाताओं से कहा कि चुनाव आयोग ने अंतिम रिपोर्ट दे दी है। दो-तीन दिन में भारत की राष्ट्रपति परिसीमन अधिसूचना जारी करेंगी। उन्होंने कहा कि वह मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में परिसीमन के साथ आगे बढ़ने की राज्य सरकार की योजना के एक हिस्से का जिक्र करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को अब परिक्षेत्रों, प्रखंड पुनर्गठन पर निर्णय लेना है, उसे यह तय करना है कि पंचायतें कैसे काम काम करेंगी। प्रशासनिक सुधारों की जरूरत होगी तथा हमें दो महीने तक अहर्निश काम करना होगा। अंतिम रिपोर्ट पर कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे विरोध पर शर्मा ने कहा कि कुछ विरोध हो सकते हैं लेकिन लोगों को यह स्वीकार करना होगा कि परिसीमन अब एक हकीकत बन गया है। विपक्षी राजनीतिक दलों ने अंतिम परिसीमन रिपोर्ट की आलोचना की है तथा इसे अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित रखने की सत्तारूढ़ भाजपा की चाल करार दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों, व्यक्तियों एवं अन्य संगठनों द्वारा उसके सामने रखी गई आपत्तियों का समाधान करने में विफल रहा है। शर्मा ने दावा किया कि अंतिम अधिसूचना में लोगों की मांग के अनुसार राज्य सरकार द्वारा दिए गए सुझावों में कुछ को स्वीकार किया गया है। राज्य के सभी विधानसभा एवं लोकसभा क्षेत्र का पुनर्निधारण/ पुनर्रेखांकन 2001 की जनगणना के आधार पर किया गया है। पिछला परिसीमन 1976 में 1971 की जनगणना के आधार पर किया गया था।

# 15 अगस्त को खास मेहमान होंगे ये चीन से सटे गांव के लोग

**नई दिल्ली।** वैसे तो स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश-विदेश से कई लोग आते हैं, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास तौर पर चीन से सटे गांवों के लोगों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में बुलाया है। ये वो लोग है जो वाइब्रेंट विलेज प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। इनमें से एक पेमा शेरपा हैं, जोकि सिक्किम से आई हैं। पेमा बताती हैं कि डोकलाम के समय में उनके गांव के लोगों ने भारतीय सैनिकों का साथ दिया था। उन्होंने बताया कि वाइब्रेंट विलेज प्रोजेक्ट प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को अपने गांवों में ही हर तरह ही सुविधा मिल रही हैं, जिससे कि लोग अब गांव छोड़कर नहीं जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यक्रम से गांव वालों की घर वापसी हो रही है। उत्तराखंड से आए पीतांबर मोलफा ने कहा कि हम माना गांव से आए हैं। प्रधानमंत्री ने इस गांव को देश का पहला गांव बना दिया है। इस लिहाज से हम देश के प्रथम प्रहरी हैं। पहली बार इस तरह का सम्मान दिया जा रहा है। जिस तरह की सुविधाएं हमें मिल रही हैं उससे हमारे यहां का जीवन स्तर काफी बढ़िया हुआ है। खुरपा जोंबा अरुणाचल से आई हैं। उन्होंने बताया कि चीन किस तरह से अपने इलाके में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ा रहा है। ऐसे में वाइब्रेंट विलेज प्रोजेक्ट एक मील का पत्थर के तौर पर देखा जाना चाहिए। इससे सरकार में लोगों का विश्वास बढ़ा है। लोग अब गांव छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं। जो लोग गांव छोड़कर जा चुके हैं वो गांव की ओर आ रहे हैं। कोंचोक नामग्याल लद्दाख से आए हैं। उन्होंने बताया कि वहां के चुसुल इलाके में सरकार ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत काफी कार्यक्रम चलाया हैं, जिसका फायदा आम लोगों को मिल रहा है। टूरिस्ट के आने से लोगों को काफी फायदा भी आर्थिक रूप से मिल रहा है। हिमाचल से आए प्रदीप ने बताया कि हमारे यहां सड़क की काफी दिक्कत है। ऐसे में जरूरी जानकारी समय से भारत सरकार को दे सकें इसलिए बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत हैं। मेडिकल इंफ्रा तो है लेकिन डॉक्टर नहीं हैं। ऐसे में डॉक्टर का होना जरूरी है। माइग्रेशन रुके इसके लिए अलग से योजना बनाने की जरूरत है। वाइब्रेंट विलेज के माध्यम से हम अपने इलाके को विकसित कर रहे हैं। साथ ही पड़ोसी देश के इंफ्रास्ट्रक्चर से भी तुलना करने का मौका मिलता है। प्रदीप बताते हैं कि कोई भी ऑफिस तभी सुरक्षित है जब उसका गेटकीपर बढ़िया से रहे। मोदीजी ने इस गेटकीपर को समझा है। आईटीबीपी डायरेक्टर जनरल अनीश दयाल ने कहा कि गांव के पास की फोर्स आईटीबीपी ही है। इनके साथ हमारा रिश्ता काफी करीब है। समय समय पर मेडिकल कैंप भी लगाते हैं। इनके मवेशियों का भी हम ध्यान रखते हैं। आईटीबीपी की जरूरतों को ये लोग पूरा करते हैं। इनको मार्केट मुहैया कराने का काम आईटीबीपी कर रहा है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा ने इन सभी ग्रामीणों को लेकर कहा कि इन्होंने मिट्टी की महक को लगातार बरकरार रखा है। भारत के प्रथम गांव में अपनी पहचान को बनाए रखते हुए भारत के नागरिक का गर्व प्रस्तुत किया है। आजादी की 77वीं वर्षगांठ पर आप सभी स्वतंत्रता समारोह में भाग लेने के लिए देश की राजधानी दिल्ली आए हैं। भारत सुरक्षा और सुरक्षित महसूस आपकी वजह से करता है। अभी तक 17 मंत्री बॉर्डर विलेज का रात्रि विश्राम कर चुके हैं। आधारभूत संरचना कैसे विकसित हो इसके लिए हम काम कर रहे हैं।

# केंद्र से मिले फंड को लेकर मनमानी नहीं कर सकेंगे राज्य

**नई दिल्ली।** केंद्रीय योजनाओं के लिए प्राप्त राशि या राज्य के लिए आवंटित विशेष फंड के इस्तेमाल में कुछ राज्य सरकारों के स्तर पर हो रही गड़बड़ी को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। 13 अगस्त, 2023 को वित्त मंत्रालय ने एसएनए-स्पर्श (समयोजित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तांतरण) नाम से लागू इस नई व्यवस्था के तहत राज्यों के फंड प्रवाह पर अब ज्यादा सतर्क नजर केंद्र रख सकेगी। इस नई व्यवस्था मे केंद्र सरकार के विभागों की भूमिका भी ज्यादा प्रभावशाली होगी और उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी निभानी होगी। इस नई व्यवस्था से केंद्र राज्यों के वित्त प्रबंधन पर इस हिसाब से नजर रख सकेगा कि कहीं किसी खास उद्देश्य से भेजे गए फंड का इस्तेमाल चुनावी वादों को पूरा करने के लिए तो नहीं किया जा रहा। हाल ही में वित्त मंत्रालय को फंड इस्तेमाल में राज्यों की तरफ से की जा रही गड़बड़ियों की सूचना दी गई है। एसएनए-स्पर्श व्यवस्था के तहत केंद्र सरकार के मंत्रालय या विभाग को भी आरबीआई में एक विशेष खाता (एसएनए) खोलना होगा जिसके जरिए फंड का वितरण किया जाएगा। राज्य सरकार अपने राज्य के लिए घोषित हर विशेष कार्यक्रम के लिए एक नोडल एजेंसी का गठन करेगी। राज्य सरकार की तरफ से भी आरबीआई में अपने विशेष स्कीम के लिए एसएनए खोलेगी। इसके बाद राज्य सरकार और केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेंगे कि उक्त खाते में दोनो के हिस्से की राशि जमा हो। इसमें जिस आधार पर फंड वितरण का फैसला हुआ हो उसी हिसाब से पैसे जमा किया जाए। बाद में यह देखा जाएगा कि इस फंड का कितना इस्तेमाल हो रहा है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि जो फंड इस्तेमाल ना हुआ हो उसे भारत सरकार के फंड में ट्रांसफर करने की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार के खाते में केंद्र सरकार की तरफ से दी गई राशि का जो हिस्सा इस्तेमाल न हुआ हो उसे भी वापस करने का निर्देश दिया गया है। इस बारे में अलग से भी विस्तृत दिशानिर्देश जारी करने की बात कही गई है। जिन दिन राज्य सरकार अपने हिस्से का फंड संबंधित खाते में डालेगी, केंद्र का हिस्सा भी उसी दिन ही जाएगा। दोनो की तरफ से फंड आने के बाद आरबीआई की तरफ से संबंधित लाभार्थियों को सब्सिडी वगैरह की राशि बांटी जाएगी और इसकी सूचना राज्य के साथ ही केंद्र को भी रीयल टाइमें दी जाएगी। कई राज्य केंद्र की तरफ से आवंटित राशि के अलावा कुछ स्कीमों के लिए उपर से भी राशि देती है। इस बारे में राज्य को कहा गया है कि वह उक्त राशि के आवंटन की भी सारी जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

## पृष्ठ एक का शेष

### राष्ट्र सेवा में बढ़...

महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं। आज हमारी महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करती हूं कि वे महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दें। मैं चाहूंगी कि हमारी बहनें और बेटियां साहस के साथ, हर तरह की चुनौतियों का सामना करें और जीवन में आगे बढ़ें। देश की विकास गाथा का बखान करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत, पूरी दुनिया में, विकास के लक्ष्यों और मानवीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चूंकि त्न20 समूह दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है। देश ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है और प्रभावशाली डीजीपी ग्रोथ भी दर्ज की है। मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है। वंचितों को वरीयता प्रदान करना हमारी नीतियों और कार्यों के केंद्र में रहता है। परिणामस्वरूप पिछले दशक में बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालना संभव हो पाया है। राष्ट्रपति ने देश के आदिवासी समाज अपील की कि आप सब अपनी परंपराओं को समृद्ध करते हुए आधुनिकता को अपनाएं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पहल की गई है तथा व्यापक स्तर पर कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मैं एक शिक्षक रही हूं, इस नाते भी मैंने यह समझा है कि शिक्षा, सामाजिक सशक्तीकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। चंद्रमा का अभियान अन्तरिक्ष के हमारे भावी कार्यक्रमों के लिए केवल एक सीढ़ी है। हमें बहुत आगे जाना है। अनुसंधान, नवाचार तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपए की राशि के साथ सरकार द्वारा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन स्थापित किया जा रहा है। यह फाउंडेशन हमारे कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में रिसर्च एवं डेवेलॉपमेंट को आधार प्रदान करेगा, उन्हें विकसित करेगा तथा आगे ले जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सौर-ऊर्जा अभियान को भारत ने नेतृत्व प्रदान किया है। विश्व समुदाय को हमने लाइफ यानि लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट का मंत्र दिया है। लोभ की संस्कृति दुनिया को प्रकृति से दूर करती है और अब हमें यह एहसास हो रहा है कि हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहिए।

# स्वतंत्रता दिवस समारोह में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल

**नई दिल्ली।** भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी थानेदार ने रविवार को बताया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आमंत्रित किए जाने के बाद अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेगा। एक विशेष साक्षात्कार में अमेरिकी कांग्रेसी ने कहा कि मोदीजी ने हमें विशेष रूप से भारत की आजादी की सालगिरह और उत्सव में शामिल होने के लिए दिल्ली आने के लिए आमंत्रित किया था। इसलिए हम भारत के प्रधान मंत्री के निमंत्रण पर यहां हैं। अपने कार्यक्रम का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल रक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करने के लिए भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों से भी मुलाकात करेगा। उन्होंने कहा कि हम कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक करेंगे और ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी सहित रक्षा, नवाचार और प्रौद्योगिकी में सहयोग के बारे में बात करेंगे, जिससे मेरे गृह राज्य मिशिगन और मेरे गृह जिले डेट्रॉइट शहर को लाभ होगा। उन्होंने दुनिया भर में द्विपक्षीय तनाव का जिक्र करते हुए भारत-अमेरिका दोस्ती को बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते के रूप में चिह्नित किया। उन्होंने आगे कहा कि हमें यूक्रेन पर रूस के हमले से खतरा दिख रहा है। वर्तमान में, दुनिया भर में बहुत अस्थिरता है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भी अस्थिरता है, और भारत के साथ मजबूत संबंध बहुत महत्वपूर्ण है।

# अग्निशमन सेवा, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षाकर्मी सम्मानित

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** स्वतंत्रता दिवस, 2023 के अवसर पर 53 कर्मियों को अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें से वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक से 03 कर्मियों को और वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक से 01 कर्मी को उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। यह जानकारी सोमवार को गृह मंत्रालय ने दी। गृह मंत्रालय के अनुसार, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक 08 कर्मियों को और सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक 41 कर्मियों को उनकी सेवाओं के विशिष्ट और मेधावी रिकॉर्ड के लिए दिया गया है। इसके अलावा, स्वतंत्रता दिवस 2023 के अवसर पर 48 कर्मियों/स्वयंसेवकों को होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक से भी सम्मानित किया गया है।

## म्यांमार : भूस्खलन की चपेट में आए 34 श्रमिक लापता

**यांगून ( म्यांमार ) ( हि.स. )।** उत्तरी म्यांमार में यहां से लगभग 950 किलोमीटर (600 मील) उत्तर काचिन राज्य के सुदूर पहाड़ी शहर हापाकांत की जेड खदान में हुए भूस्खलन में कम से कम 34 श्रमिक लापता हो गए। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे आकर्षक जेड खदानों का केंद्र है। जेड एक खनिज है। इसका उपयोग आभूषणों में किया जाता है।

# चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नाम पर वायरल हुआ फर्जी संदेश

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की तस्वीर के साथ व्हाट्सएप पर सर्कुलेट किए जा रहे एक कथित *मैसेज* को खारिज कर दिया है। इस मैसेज में दावा किया गया कि चीफ जस्टिस ने लोगों को सड़कों पर आने और सरकार के खिलाफ विरोध करने के लिए कहा है। वायरल होते मैसेज पर शीर्ष अदालत के सेक्रेटरी जनरल और भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता इसकी पुष्टी की और बताया कि सर्कुलेट हो रहा मैसेज फर्जी है। दरअसल, सोशल मीडिया पर चीफ जस्टिस की फोटो लगाकर फर्जी अफवाहों को सर्कुलेट किया गया। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि इस मामले में उसकी तरफ से उचित कदम उठाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन की तरफ से इस संबंध एक बयान जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि फर्जी मैसेज सर्कुलेट करने वाले के खइलाफ कदम उठाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट बार संघ (एससीबीए) के सचिव रोहित पांडे ने बताया कि एक फर्जी मैसेज सर्कुलेट किया गया। ये पूरी तरह से प्रोपेगैंडा है। कोई भी सीजीआई कभी भी ऐसा काम नहीं कहेगा। ये सीजीआई डीवाई चंद्रचूड़ को बदनाम करने वाला काम है। उनके नाम पर इतनी गंभीर शरारत के लिए कदम उठाए जाने चाहिए और उठाए जाएंगे। सीजेआई चंद्रचूड़ की तस्वीर के साथ शेयर किए जा रहे कथित संदेश की हेडलाइन है, भारतीय लोकतंत्र, सुप्रीम कोर्ट जिंदाबाद। सीजेआई के कथित संदेश में लिखा है कि हम भारत के संविधान, भारत के लोकतंत्र को बचाने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसके लिए आपका सहयोग भी बहुत महत्वपूर्ण है, सभी लोगों को एकजुट होना चाहिए और सड़कों पर आईए और सरकार से अपना हक मांगिए। इसमें आगे लिखा गया है कि ये तानाशाही सरकार लोगों को डराएगी, धमकाएगी, लेकिन आपको डरना नहीं है, हिम्मत रखो और सरकार से हिसाब मांगो। मैं आपके साथ हूं। संदेश के नीचे लेखक का नाम दिया गया है- डीवाई चंद्रचूड़, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश पद पर आसीन हैं।

## स्वर्वेद भाष्य

**पंचम मंडल** **द्वितीय अध्याय**

**( मन )**

**मन अरु प्रकृति अधार में, होय कर्म सो जान।**
**विविध जन्म बहु भूमि में, भोगत जीव अजान॥ 35॥**

**शब्दार्थ :** (अधार) अवलंब (विविध) अनेक प्रकार (अजान) अज्ञानी।

**भाष्य :** मन और प्रकृति-आधार में जो होता है, वह कर्म है। अज्ञानी जीव अनेक योनियों में विविध जन्मों को प्राप्तकर आवागमनकष्ट को प्राप्त करता है।

**मन अरु प्रकृति असंग में, सत्ता शुद्ध प्रकाश।**
**अनुभव है नि:शब्द का, भक्ति महासुख रास॥ 36॥**

**शब्दार्थ :** (प्रकृति) माया (असंग) संगरहित (सत्ता) अस्तित्व (राश) ढेर, केंद्र।

**भाष्य :** मन और प्रकृति का साथ छूट जाने पर आत्मा अपने शुद्ध प्रकाश में आती है और नि:शब्द का अनुभव कर भक्ति के मान सुख को प्राप्त करती है। प्रभु अनंत सुख की राशि हैं। आनंदस्वरूप परब्रह्म को प्राप्ति से जीवन में आनंद प्राप्त होता है।

## 16 साल की लड़की को बनाया हवस का शिकार

**माजुली ( हिंस )।** माजुली की नाबालिग लड़की को एक अधेड़ व्यक्ति द्वारा हवस का शिकार बनाए जाने की शर्मनाक घटना सामने आयी है। लड़की के परिवार ने दोषी को कड़ी सजा देने की मांग की है। बताया जाता है कि पीड़िता लड़की अब चार महीने की गर्भवती है। माजुली पुलिस थाने के तहत बनगांव पुलिस चौकी में रविवार शाम को उसकी मां द्वारा दर्ज कराए गए एक मामले के आधार पर 55 वर्षीय सुरेन हजारिका को गिरफ्तार किया गया है। माजुली पुलिस ने माजुली थाने में धारा 77/23, 376/रीड के साथ धारा 6/पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करने के बाद आरोपी को आज जिला सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया। माजुली सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

## स्वतंत्रता दिवस : बीएसएफ-बीजीबी ने सीमा पर मिठाइयों का किया आदान-प्रदान

**करीमगंज ( हिंस )।** स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बीएसएफ के मिजोरम-कछार सीमा पर आजादी का अमृत महोत्सव का समापन दिवस मनाया गया। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ बीएसएफ के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान किया गया। इसके अलावा जवानों ने एक-दूसरे को सलामी दी। दोनों देशों के सीमा रक्षकों ने एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण और विनम्र संबंधों का आदान-प्रदान किया। करीमगंज जिला के सुतारकांदी-शिओला बंदरगाह के जीरो पॉइंट 1360 पर नंबर 07वीं बटालियन बीएसएफ के जवानों, लथिटिला-जूरी सीमा पर आयरन ब्रिज जीरो पॉइंट पर नंबर 134वीं बटालियन बीएसएफ के जवानों, नंबर 01वीं बटालियन बीएसएफ के जवानों ने जीरो पॉइंट पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। बेशक, आज की पहल नई नहीं हैं, हर साल दिवाली, डोल उत्सव, राखी या विजयादशमी, ईद, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस के दौरान ये तस्वीरें भारत-बांग्लादेश सीमा पर देखने को मिलती हैं। दोनों देशों के सैनिकों ने आज मुंह मीठा कर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। 77वें स्वतंत्रता दिवस पर एक बार फिर वही नजारा देखने को मिला। खबर है कि दोनों देशों के बीच भाईचारा का रिश्ता एक कदम आगे बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने के लिए भारतीय सैनिकों के बीच ये प्रथा काफी समय से चली आ रही है। बांग्लादेश के साथ भारत के अब भी भाईचारे वाले रिश्ते हैं।

# मदरसे में गला काटकर हत्या का आरोपी इमाम गिरफ्तार

**सिलचर ( हिंस )।** सिलचर के धलाई स्थित मदरसे में छात्र की हत्या का राज का पर्दाफाश हो गया है। छात्र की हत्या इमाम हाफिज मौसिन रहमान ने की थी। आरोपी हत्या की बात कबूल कर चुका है। ज्ञात हो कि रविवार को छात्र का गला काटा हुआ शव मदरसा से बरामद किया गया था। उसके बाद मदरसे के कई छात्रों से पुलिस लगातार पूछताछ करती रही। उसके बाद सनसनीखेज जानकारी सामने आई। पुलिस ने कहा कि बदला लेने के लिए छात्र की हत्या की गई। इससे पहले मदरसे से भागने पर छात्र की पिटाई की गई थी। इस पिटाई के लिए बाद में शिक्षक हाफिज मौसिन रहमान को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। हाफिज ने कबूल किया है कि माफी के जवाब में छात्र की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद अब इलाके में काफी तनाव का माहौल है। बच्चे के परिवार और स्थानीय लोगों ने आरोपी को फांसी देने की मांग की है।

## स्कूली बच्चों के लिए लायंस उमंग की ओर से खेल उत्सव का आयोजन

**गुवाहाटी ( विभास )।** पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को क्रीड़ा कौशल को निखारने के उद्देश्य से खेल उत्सव का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिता में 3 विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। इनमें बोंदा आंचलिक हाई स्कूल, बिरकुची स्थित रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल तथा सरस्वती डांस एकेडमी के बच्चों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों के बीच चेस, केरम, लूडो, योगा, होलाहॉप, चित्रांकन, डांस कंपटीशन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को क्लब की ओर से पुरस्कार देकर नवाजा गया। अध्यक्ष कंचन पोद्दार ने बताया कि जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन तथा संयोजिका संगीत अग्रवाल की देखरेख में बी बरुवा कैंसर अस्पताल में रोगियों तथा उनके परिजनों के लिए सात्विक भोजन कराया गया। इन सभी कार्यों को संपादित करने में अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी सहित सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

## अपराध शाखा के उप निरीक्षक कमलेश्वर पांडे राष्ट्रपति पदक से सम्मानित

**गुवाहाटी ( विभास )।** असम पुलिस (अपराध शाखा) के उप निरीक्षक कमलेश्वर पांडे को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2023 के राष्ट्रपति पदक से नवाजा गया है जिसको लेकर पुलिस विभाग के साथ साथ उनके शुभचिंतकों में भी खुशी की लहर देखी जा रही है, पुलिस अधिकारियों के साथ ही उनके विभागीय साथियों तथा मित्रों ने उन्हे बधाई दी है, विदित है कि इससे पहले भी 2017 तथा 2022 में भी पुलिस महानिदेशक रजत पदक एवं 2022 में एप्रीसिएशन लेटर से भी सम्मानित किया

## रंगिया: एक ही परिवार के दो लोगों के शव संदिग्ध अवस्था में बरामद

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया में राज्य को कंपाने वाली एक भयंकर सनसनी घटना घटित हुई है। एक ही परिवार के मां और बेटी का शव सड़ी-गली अवस्था में एक बिल्डिंग से बरामद किया गया है। रंगिया के वार्ड नं 4 की निवासी पिनु अग्रवाल और कनिका अग्रवाल का शव उनके आवास से बरामद किया गया है। इस घटना की खबर से समूचे अंचल में सनसनी व्याप्त है। घटना के पश्चात समाचार लिखे जाने तक मृतक पिनु अग्रवाल के पति प्रवीण अग्रवाल का कोई अता-पता नहीं चल पाया है। वहीं दोनों शव को देखने के बाद लोगों का संदेह है कि दोनों की मौत 3-4 दिनों पूर्व हुई है। घटना की खबर पाकर रंगिया पुलिस

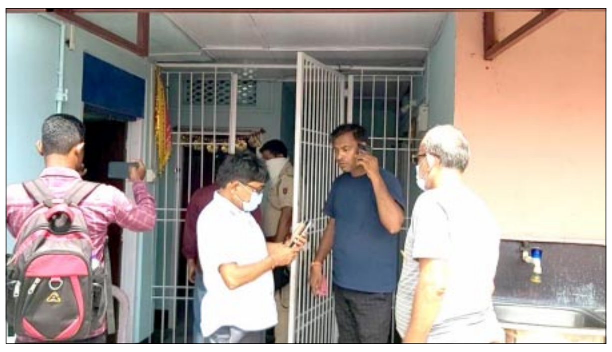

घटनास्थल पर उपस्थित होकर मामले की छानबीन में लग गये। वहीं फोरेंसिक अधिकारी घटनास्थल पर उपस्थित होकर मामले के बारे में अधिक सुराग जुटाने में लग गए है। घटना किस तरह घटित हुई है इसके बारे में अभीतक ठोस सबूत प्राप्त नही हुआ है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तथा पोस्टमार्टम और फोरेंसिक की रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

## राज्यपाल ने राजभवन की वेबसाइट लांच की

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज (सोमवार को) कॉन्फ्रेंस हॉल में राजभवन और एनआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राजभवन की आधिकारिक वेबसाइट का अनावरण किया। वेबसाइट को असम सरकार द्वारा निर्धारित सभी मानक प्रोटोकॉल के आधार पर डिजाइन किया गया है। यह अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। वेबसाइट का यूआरएल पता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि राजभवन जैसी संस्था के लिए वेबसाइट एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है। डिजिटल इंडिया मिशन की तर्ज पर राज्यपाल ने कहा कि वेबसाइट आम जनता को राजभवन असम की जानकारी तक पहुंचने में सक्षम बनाएगी। जो सार्वजनिक डोमेन पर जल्दी, सटीक और प्रभावी ढंग से उपलब्ध होनी चाहिए।

## स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर कोकराझाड़ में सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद

**कोकराझाड़ ( विभास )।** स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर कोकराझाड़ जिले में सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। जिले के विभिन्न इलाकों में जोर-शोर से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जिले में अप्रिय घटना न हो इसको लेकर पुलिस प्रशासन जगह जगह तलाशी अभियान व चैकिंग कर रही है। वहीं आरपीफ के नेतृत्व में कोकराझाड़, फकीराग्राम और गोसाईगांव रेलवे स्टेशन में जीआरपी ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला कर ट्रैक व ट्रेनों में तलाशी अभियान चलाई जा रही है।

## नौ गायें समेत तस्कर गिरफ्तार

**नगरबेड़ा ( विभास )।** कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में मवेशियों की तस्करी जारी रहने के दौरान पुलिस ने कल रात दो व्यापारियों सहित तस्करी की कई गायों को जब्त करने में सफलता हासिल की। पता चला है कि जिले के मंदिरा पुलिस स्टेशन के शीशीर कुमार बसुमतारी के नेतृत्व में चलाए गए एक अभियान में बलिझर से दो पशु तस्कर और नौ गायों को जब्त किया गया, जब वे सोनतली से एक वाहन में गायों को ले जा रहे थे। गिरफ्तार तस्करों फूलसन अली और मूसा अली को आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

## भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की छठीं पुण्यतिथि कल

**रंगिया ( विभास )।** भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी स्मारक समिति के सौजन्य से आगामी 16 अगस्त 2023 (बुधवार) को देश के पूर्व प्रधान मंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि के अवसर पर एक स्मृति चारण सभा का आयोजन किया गया है। इस मौके पर महान राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने और उनके आदर्शों को लोगों के बीच जीवित रखने के उद्देश्य से *अटल* नामक एक स्मारक पुस्तिका का भी उन्मोचन किया जाएगा। जिसमें समिति के अध्यक्ष बसंत कुमार देब गोस्वामी और सचिव रमेश डेका सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा सभी लोगों के उपस्थिति की कामना की गई है। मुख्य कार्यक्रम स्वामी विवेकानन्द केंद्र उजान बाजार, गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा इसके अलावा कार्यक्रमों के अंतर्गत सुबह 8 बजे पौध रोपण, प्रतिछवि के सामने दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण, सुबह 8.30 बजे भागवत पाठ का आयोजन श्री श्री अवनारीश्वर पिंगलेश्वर मंदिर, कामरूप में आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम शाम 4 बजे स्मारिका पुस्तिका *अटल* का विमोचन प्रशिद्ध अनुभवी लेखक कनक सेन डेका, पूर्व अध्यक्ष, असम साहित्य सभा इसके पश्चात राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विशिष्ट वक्ता रूप में धीरेंद्र नाथ चक्रवर्ती, बुद्धिजीवी, अनुभवी पत्रकार हृषिकेश गोस्वामी, सचिव, बाल साहित्य न्यास की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

## जामलाइ बाजार मरकज मस्जिद में चोरी

**नगरबेड़ा ( विभास )।** कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेड़ा पुलिस स्टेशन के तहत जमलाई मरकज मस्जिद में कल रात हुई चोरी से इलाके में कोहराम मच गया है। जानकारी मिली है कि जमलाई बाजार स्थित मरकज मस्जिद के सामने हाईवे पर दानपेटियों का ताला तोड़कर चोरों ने रात में भारी मात्रा में नकदी लूट ली। चोरी की घटना आज सुबह तब सामने आई जब लोगों के एक समूह ने दानपात्र का ताला टूटा देखा। इलाके के लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि चोरी में शामिल अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और अनुकरणीय सजा दी जाए।

## *गुरु-शिष्य मणिकांचन संयोग* पर की क्विज प्रतियोगिता आयोजित

**होजाई ( निसं )।** होजाई स्थित रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के छात्र संघ के बहस (तर्क) और चर्चा विभाग के द्वारा आज देश के 76वां स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर जिलास्तरीय *गुरु-शिष्य मणिकांचन संयोग* क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन सुबह 10.30 बजे विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार तिलक चंद्र कलिता विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया। उक्त प्रतियोगिता के प्रारंभिक चरण में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की कुल 40 टीमों ने भाग लिया जिसमें से छह टीमों को मुख्य चरण के लिए चुना गया। क्विज प्रतियोगिता के छह राउंड के अंत में घोषित परिणामों के अनुसार, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के शिक्षक देवराज मिल्ली और अंकुरज्योति बोरा ने पहला स्थान हासिल किया।

वहीं विश्वविद्यालय के अमित भौमिक, अभिजीत शील और संदीप देवनाथ ने दूसरा स्थान पर रहे, मरियम अजमल वूमेन कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की सलमा बेगम, हाफिजा यास्मीन लस्कर और ज्योतिका ओरंग ने तीसरा स्थान हासिल किया, विश्वविद्यालय के राहुल शर्मा, आदित्य कुमार प्रसाद और परमजीत नाथ चौथे स्थान पर रहें। सौरव चंद, आलोक दास और अंकुर दास की टीम पांचवें और अजमल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चोयनज्योति सरकार, सम्राट दास और दीपजय भट्टाचार्य की टीम छठे स्थान पर रही। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और क्रमश: 5,000, 4,000 और 3,000 रुपए दिए गए। जबकि चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को प्रमाण पत्र और 1,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन दीपक दास द्वारा सुंदर एवं रोचक ढंग से किया गया। प्रतियोगिता के अंत में विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसागर प्रसाद ने छात्रों को संबोधित करते हुए बहुमूल्य भाषण दिया। प्रतियोगिता में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसर, विभिन्न कॉलेजों के प्रोफेसर, विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष चिन्मय कर्मकार, महासचिव धानी फंच, बहस (तर्क) और चर्चा विभाग के सचिव प्रीतम मजूमदार सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और अपना सक्रिय सहयोग दिया।

## लायंस केयर का नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

**गुवाहाटी।** लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी केयर की ओर सपने मानव सेवा कार्यो के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बी बरुवा रोड स्थित नेक्स्ट इलेक्ट्रॉनिक्स के सामने आर्या हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में रक्त शर्करा व रक्तचाप की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। कार्यक्रम संयोजक संदीप भगत की देखरेख में आयोजित शिविर में 90 लोगों ने नि:शुल्क सेवाओं का लाभ उठाया। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष सुमन सूद ने कहा कि नि:शुल्क शिविर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। जन-जन को रक्त शर्करा और रक्तचाप की गंभीरता के बारे में जागरूक करने के अलावा उन्हें नियमित जांच के महत्व के बारे में सही जानकारी प्रदान करना है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष सुमन सूद, कोषाध्यक्ष पूनम अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक संदीप भगत, शिवांगी भगत, अंतिमा लोढ़ा, रश्मि बंसल, अभिषेक सोनी, अमित अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

## विद्या भारती, पूर्वोत्तर ने 33वीं योग एवं शतरंज प्रतियोगिता का किया आयोजन

**गुवाहाटी।** शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन सोनापुर में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा 33वें खेल समारोह के अंतर्गत योग एवं शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। समारोह की अध्यक्षता सुबोध बोरा, अध्यक्ष, खेल परिषद, शिशु शिक्षा समिति असम ने की। अजय इंगित, अध्यक्ष, स्वागत समिति से स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। डॉ. पवन तिवारी, संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वोत्तर ने समारोह का उद्घाटन करते हुए सभा को संबोधित किया। तत्पश्चात खिलाड़ी भैया बहिनों ने शपथ ग्रहण की। समारोह में दिसपुर के विधायक अतुल बोरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जुबली पोद्दार वैश्य, सामाजिक कार्यकर्ता एवं योगेंद्र सिंह सिसोदिया, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। रंजीत सैकिया, क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख ने आभार व्यक्त किया। योग एवं शतरंज प्रतियोगिता में 64 विद्यालयों से 258 छात्रों ने भाग लिया। 43 खेल पर्यवेक्षकों ने प्रतियोगिता संपन्न कराई। समारोह में क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदिन्द्र रायचौधुरी, उत्तर असम प्रांत मंत्री कुलेन्द्र कुमार भगवती, सांसद कुईन ओझा विशेष रूप से उपस्थित रही।

## मायुमं उदय शाखा का वीर शहीदों की याद में देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित

**गुवाहाटी।** आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी उदय शाखा ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व माछखुवा आईटीए सेंटर प्रांगण में देशभक्ति गीत नृत्य शहीदों को नमन कार्यक्रम प्रस्तुत कर देशभक्ति की लहर लहरा दी। यह कार्यक्रम विजय कारगिल वॉर में प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप प्रस्तुत किया गया। जिसमें असम के सपूत शहीद कैप्टन जिंटू गोगौई और गनर उद्धव दास सहित सभी शहीदों को याद कर एक मिनट का मौन धारण किया गया। शहीदों की याद में जब दर्शकों ने खड़े होकर मोमबत्तियां जलाई तो शहीद जिंटू गोगौई और उद्धव दास की याद में सब की आंखें नम हो गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहीद जिंटू गोगोई के पिता फ्लाइंग ऑफिसर टी आर गोगोई, माता दूलु प्रभा गोगोई के अलावा लक्ष्मी धर लहकर, वीर माता तागेश्वरी दास, रंजीत सिन्हा, गंगाधर बरुवा, पद्मा कांत रोबी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीआईडी विभाग के एसएसपी प्रणव ज्योति गोस्वामी, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालन, प्रांतीय महामंत्री

सुभाष सुराणा, पार्षद प्रमोद स्वामी, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खटेड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की एवं शहीदों के परिवार के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र फुलाम गामोछा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए उदय शाखा की अध्यक्ष मेघा जैन ने कार्यक्रम की विशेषताओं के बारे में बताया। प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने अपने संबोधन के पश्चात प्रांतीय स्तर पर होने वाली इंटर कॉलेज डिबेट कंपटीशन के पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रांतीय संयोजक राहुल अग्रवाल भी उपस्थित थे। देशभक्ति कार्यक्रम में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव द्वारा लड़ी गई आजादी की जंग को नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा मंत्री शिवकुमार टेलर, कोषाध्यक्ष अभिषेक पोद्दार, निवर्तमान अध्यक्ष संयम जैन, उपाध्यक्ष कुशाग्र अग्रवाल, सह मंत्री कमल चालानी, सदस्य साक्षी जैन, अनंत जैन, शिवानी जैन के अलावा अन्य कई सदस्यों ने अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम में प्रांतीय मंडल के उपाध्यक्ष मितेश सुराणा, प्रांतीय मीडिया सेल के सलाहकार संपत मिश्र, प्रांतीय संयोजक राहुल चमड़िया भी उपस्थित थे।

# राष्ट्रपति 17 अगस्त को आएंगी कोलकाता, उन्नत युद्धपोत आईएनएस विंध्यगिरि का करेंगी शुभारंभ

**कोलकाता, (हि.स.)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 17 अगस्त को गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) कोलकाता में प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट विंध्यगिरी को लॉन्च करेंगी। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति की मौजूदगी में इस अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोत का जलावतरण होगा। कर्नाटक में एक पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया विंध्यगिरि प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठा जहाज है। प्रोजेक्ट 17ए कार्यक्रम के तहत मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा चार और गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा तीन जहाज निमार्णाधीन हैं। परियोजना के पहले पांच जहाज 2019-2022 के बीच एमडीएल और जीआरएसई द्वारा लॉन्च किए गए थे। अधिकारी ने कहा, "ये युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 क्लास फ्रिगेट्स (शिवालिक क्लास) के फॉलोऑन हैं, जिनमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर, प्लेटफॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं।" आईएनएस विंध्यगिरि-जो नीलगिरि वर्ग के युद्धपोत में छठा और आखिरी था, उसने 08 जुलाई 1981 से 11 जून 2012 तक लगभग 31 वर्षों की सेवा में कई बहुराष्ट्रीय अभ्यास देखे थे और समुद्री निगरानी, तटीय गश्त और समुद्री डकैती विरोधी अभियान चलाए थे। 2011 में एक व्यापारिक जहाज के साथ दुर्घटना में क्षतिग्रस्त होने के बाद इसे सेवामुक्त कर दिया गया। प्रोजेक्ट 17ए जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा इन-हाउस डिजाइन किया गया है। नौसेना के अनुसार, प्रोजेक्ट 17ए जहाजों के उपकरणों और प्रणालियों के लिए 75 फीसदी ऑॅर्डर एमएसएमई सहित स्वदेशी फर्मों से हैं।

# जो बंटवारे की बलि चढ़े, उन्हें प्रधानमंत्री ने 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर किया नमन

अजय त्यागी

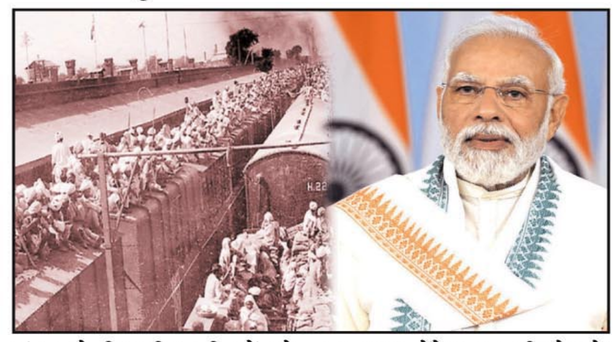

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर भावपूर्ण संदेश लिखा है। उन्होंने साल 1947 में बंटवारे की बलि चढ़ी आत्माओं को नमन किया है। प्रधानमंत्री ने कहा है-'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भारतवासियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने का अवसर है, जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। इसके साथ ही यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत-शत नमन।' उल्लेखनीय है कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के तहत आज 14 अगस्त को देश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में शाम पांच बजे विस्थापित परिवारों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में त्रासदी में प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। देश के सभी जिलों में विभाजन में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम होंगे। नई पीढ़ी को बंटवारे की कहानी के सच से अवगत कराया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में घोषणा की थी कि अब से हर साल 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाया जाएगा। उन्होंने कहा था कि देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।

# 'पुलिस पदक' से सम्मानित हुए 954 पुलिसकर्मी

अजय कुमार

**नई दिल्ली।** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 954 पुलिसकर्मियों को 'पुलिस पदक' से सम्मानित किया गया है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी) सीआरपीएफ के एक कर्मी को प्रदान किया गया। 229 कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), 82 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम), सराहनीय सेवा के लिए 642 कर्मियों को पुलिस पदक (पीएम) से सम्मानित किया गया। पीपीएमजी और पीएमजी जीवन और सम्पत्ति बचाने और अपराध को रोकने व अपराधियों को गिरफ्तार करने में विशिष्ट वीरता के मानकों को ध्यान में रखते हुए दिया जाता है। 230 वीरता पुरस्कारों में से अधिकतर वामपंथी उग्रवाद वाले क्षेत्रों के 125, जम्मू कश्मीर क्षेत्र के 71 और पूर्वोत्तर क्षेत्र के 11 कर्मियों को उनकी बहादुरी और साहसिक कार्रवाई के लिए सम्मानित किया गया है। वीरता पुरस्कार पाने वाले कर्मियों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 28, महाराष्ट्र के 33, जम्मू कश्मीर के 55, छत्तीसगढ़ के 24, तेलंगाना के 22 और आंध्र प्रदेश के 18 व शेष अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के पुलिसकर्मी शामिल हैं।

# नूंह में 13 दिन बाद इंटरनेट सेवा बहाल, दिन का कर्फ्यू भी हटाया गया

**चंडीगढ़, (हि.स.)।** नूंह में बीती 31 जुलाई को हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने सोमवार से दिन के समय में कर्फ्यू हटा दिया है। नूंह में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भी प्रदेश के अन्य जिलों की तर्ज पर किया जाएगा। 31 जुलाई को हुई हिंसा की घटना के 13 दिन बाद इंटरनेट सेवा बहाल हो गई है। जिलाधीश धीरेंद्र खडगटा ने 14 और 15 अगस्त के लिए कर्फ्यू में और ढील दी है। अब सुबह 6 से रात 8 बजे तक लोगों की आवाजाही पर छूट होगी। नूंह में हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। हरियाणा सरकार ने हिंसा की घटना के बाद यहां चरणबद्ध तरीके से 13 अगस्त की रात 12 बजे तक इंटरनेट सेवाओं को बंद किया था। सोमवार को नूंह के हालात सामान्य हो गए। यहां न केवल इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गईं बल्कि बाजारों में पहले की तरह लोगों का आवागमन दिखाई दिया। जिले के शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी में जुट गए हैं। 15 अगस्त को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा डंबल और पीटी शो जैसे कार्यक्रमों की तैयारी में विद्यार्थी जुटे हुए हैं। जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रम के लिए पुलिस की परेड टुकड़ियां भी तैयारी कर रही हैं।

# बंगाल भाजपा नेतृत्व को जेपी नड्डा की नसीहत- अनर्गल बयानबाजी नहीं, काम करिए

**कोलकाता, (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने दो दिनों के बंगाल दौरे के दौरान पार्टी की प्रदेश इकाई को 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष और अन्य नेताओं के साथ रविवार देर शाम तक महत्वपूर्ण बैठक की है। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि जेपी नड्डा ने प्रदेश भाजपा नेतृत्व को दो टूक शब्दों में कह दिया है कि लंबे समय से जो अनर्गल बयानबाजी प्रदेश भाजपा के नेता कर रहे हैं, उसे बंद करना होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि काम पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। जेपी नड्डा ने कहा है कि पंचायत चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन वैसे तो पहले के मुकाबले बेहतर रहा है लेकिन संतोषजनक नहीं है। बैठक के दौरान पार्टी नेताओं से नड्डा ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की 42 में से 18 सीटों पर जबरदस्त जीत का परचम लहराया था। हालांकि उसके बाद लगातार पार्टी के जनाधार में गिरावट हुई है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी प्रदर्शन बहुत संतोषजनक नहीं था। उसके बाद जितने भी चुनाव हुए हैं, उनमें वामदलों के गठबंधन ने भाजपा को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में 2024 का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। 2019 का प्रदर्शन दोहराने और उससे बेहतर करने की जिम्मेवारी प्रदेश नेतृत्व को देते हुए नड्डा ने कहा कि एक दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाकर जमीन पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने केंद्र सरकार के बेहतर कार्यों के प्रचार प्रसार और ममता बनर्जी की सरकार के भ्रष्टाचार को लोगों के समक्ष रखने का लक्ष्य पार्टी नेताओं को दिया है। उन्होंने इशारे-इशारे में दिलीप घोष, सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी और अन्य नेताओं के बीच होने वाली जुबानी जंग पर भी नाराजगी जताई और कहा कि आप सारे लोग वरिष्ठ नेता हैं। अगर कोई समस्या है तो पार्टी फोरम के उचित मंच पर बात की जानी चाहिए लेकिन सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी कर ना केवल पार्टी की किरकिरी करवा रहे हैं बल्कि आने वाले चुनाव में मुश्किलें भी खड़ी कर रहे हैं।

# चांद के बाद अब सूर्य मिशन की तैयारी में इसरो, आदित्य एल-1 पहुंचा श्रीहरिकोटा

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** चंद्रयान -3 के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब सूरज मिशन की तैयारी में है। सूरज के अध्ययन करने के मकसद से तैयार किया गया अंतरिक्ष यान आदित्य एल-1 सोमवार को बेंगलुरू से श्रीहरिकोटा लाया गया। इसरो ने ट्वीट करके कहा कि सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला, आदित्य-एल1, प्रक्षेपण के लिए तैयार हो रही है। यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), बेंगलुरु में साकार किया गया उपग्रह एसडीएससी-एसएचएआर श्रीहरिकोटा पहुंच गया है। आदित्य एल-1 सूरज का अध्ययन करने वाला पहला भारतीय मिशन होगा। ये अंतरिक्ष यान लॉन्च के चार महीने बाद सूरज-पृथ्वी के सिस्टम में लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। यहां पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज की स्टडी की जा सकती है। हालांकि इस अंतरिक्ष यान के लॉन्च की कोई तारीख अभी तय नहीं की गई है।

# 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शाह ने फहराया तिरंगा

आशीष वर्मा

**नई दिल्ली।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर तिरंगा फहराया और तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी भी साझा की। शाह ने ट्वीट कर कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले आकाश में फहराते करोड़ों तिरंगे भारत को फिर से महान बनाने की देश की संयुक्त इच्छाशक्ति का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान देशभर में चल रहा है। उन्होंने भारत के सभी नागरिकों से निवेदन करते हुए कहा कि वे भी अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और इसे हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर अपलोड करें। शाह ने सभी से अपने साथी नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया है।

# पंजाब सरकार ने शहीद स्माकर पट्टी से हटाया प्रधानमंत्री मोदी का नाम

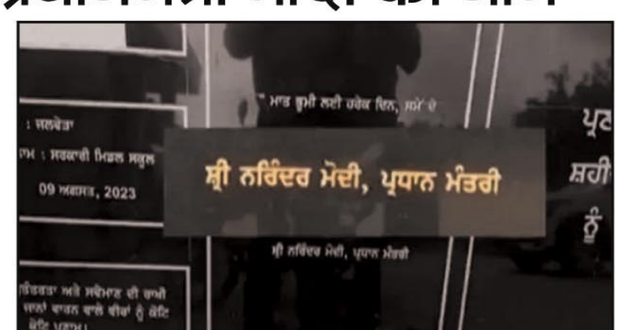


**चंडीगढ़, (हि.स.)।** पंजाब में शहीद स्मारकों से प्रधानमंत्री के नाम की पट्टिका हटाए जाने को लेकर नया विवाद पैदा हो गया है। पंजाब सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले एक आदेश जारी करके प्रदेश के शहीद स्मारकों पर लिखे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम की पट्टिका को हटवा दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सरकार की इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि मान सरकार ने द्वेष भावना से काम करते हुए शहीदों के स्मारकों पर लगे शिलापट्टों से प्रधानमंत्री का नाम हटाकर घटिया राजनीति का प्रमाण दिया है। जाखड़ ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से पंजाब में गलत संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। उधर, आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि शहीद स्मारकों पर केवल शहीदों के नाम ही होने चाहिए। शहीदों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। नेताओं को शहीदों के बराबर का दर्जा नहीं दिया जा सकता।

# रणदीप सुरजेवाला के बयान पर भड़के शिवराज का पलटवार, कहा- 'क्या यही मोहब्बत की दुकान है'

**भोपाल, (हि.स.)।** कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मप्र कांग्रेस के सीनियर्स ऑब्जर्वर रणदीप सिंह सुरजेवाला के उस बयान पर भाजपा आक्रामक हो गई है, जिसमें उन्होंने भाजपा को वोट देने वाले वोटर्स को राक्षस कहा था। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर सवाल साधते हुए पूछा है कि आप क्या मोहब्बत की दुकान चलाने वाले जनता को राक्षस मानते हैं?

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को सुरजेवाला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या भारतीय जनता पार्टी को वोट देने वाले करोड़ों-करोड़ लोग राक्षस हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी क्या कहते हैं? क्या आप जनता को राक्षस मानते हैं? बीजेपी के लोग जनता को भगवान मानते हैं। मैं भी हमेशा कहता हूं कि मध्यप्रदेश मेरा मंदिर है, इस प्रदेश में रहने वाली जनता हमारी भगवान है और उस जनता के पुजारी हम हैं। आप राक्षस भी कह रहे हैं और श्राप भी दे रहे हैं। आप जनता को भगवान नहीं मानते हैं। आप स्वयं को भगवान मानते हैं और श्राप दे रहे हैं। क्या यही आपकी मोहब्बत की दुकान है?

**चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग बोले, यह कांग्रेस के संस्कार** – प्रदेश के चिकित्सा मंत्री विश्वास सारंग ने सुरजेवाला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता अब इन्हें श्राप देगी। कांग्रेस के संस्कार और परिपाटी का परिचय दिया गया है। गांधी परिवार हमेशा से अपने आप को लोकतंत्र के ऊपर मानते आए हैं। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ने अपमान किया है। राजीव गांधी, सोनिया गांधी ने अपमान किया है। लोकतंत्र में जनता भगवान होती है। गांधी परिवार अभी तक बीजेपी के नेताओं को गाली दे रहा था और अब जनता को गाली दे रहे हैं। लोकतंत्र मैं इनका कहीं स्थान नहीं है।

# चांद के एक कदम और करीब पहुंचा चंद्रयान-3, चौथी कक्षा में किया प्रवेश

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** चंद्रयान -3 ने चांद्रमा के और करीब पहुंच गया है। सोमवार को चंद्रयान ने चंद्रमा की चौथी कक्षा में प्रवेश किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) ने ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी। इसरो ने ट्वीट करके कहा कि चंद्रयान-3 को चंद्रमा की गोलाकार चौथी कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। आज सुबह साढ़े आठ बजे इस ऑपरेशन को पूरा किया गया। अगला ऑपरेशन 16 अगस्त, 2023 को लगभग साढ़े आठ बजे किया जाएगा। इसरो के मुताबिक चंद्रयान 23 अगस्त को चांद की सतह पर लैंड करेगा। अगर सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता मिली तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। अमेरिका और रूस दोनों के चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने से पहले कई स्पेस क्राफ्ट क्रैश हुए थे। चीन 2013 में चांग ई-3 मिशन के साथ अपने पहले प्रयास में सफल होने वाला एकमात्र देश है। उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से चंद्रयान -3 को लॉन्च किया गया था।

# एडीजीपी विजय कुमार सहित जम्मू-कश्मीर पुलिस के 55 अधिकारी पुलिस पदक से सम्मानित

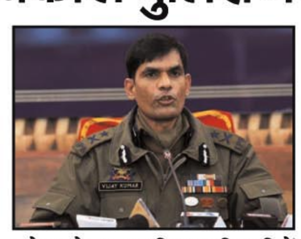

**जम्मू, (हि.स.)।** एडीजीपी विजय कुमार जम्मू-कश्मीर पुलिस के उन 55 पुलिस अधिकारियों में से हैं जिन्हें भारत की राष्ट्रपति ने उनकी सेवा में अटूट समर्पण और दृढ़ संकल्प के लिए प्रतिष्ठित पुलिस पदक वीरता (पीएमजी) से सम्मानित किया है। एक अधिकारी ने बताया कि एडीजीपी विजय कुमार के अलावा यह पुरस्कार पाने वाले अन्य पुलिस अधिकारियों में वर्तमान डीआईजी सीकेआर सुजीत कुमार, पूर्व डीआईजी दक्षिण कश्मीर अब्दुल जब्बार (आईपीएस) और पूर्व एसएसपी कुलगाम जीवी संदीप चक्रवर्ती हैं। पुलिस वीरता पदक जीवन और संपत्ति को बचाने या अपराध को रोकने और अपराधियों को पकड़ने में विशिष्ट वीरता के प्रदर्शन को देखते हुए प्रदान किया जाता है।

# हिमाचल में मौत का तांडव, बादल फटने से 20 से अधिक लोगों की गई जान

**-अभी भी अनेक लोग लापता, रैस्क्यू टीम लगातर मलबा हटाकर जिंदगी बचाने में जुटी**

**सोलन (ईएमएस)।** भूस्खलन की वजह से हिमाचल के सोलन में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, जबकि अनेक लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। यह घटना जिस समय हुई लोग मंदिर में थे। मिली जानकारी के अनुसार बादल फटने से भूस्खलन हुआ और देखते ही देखते भारी सैलाब आ गया, जिसके चलते शिमला में एक शिव मंदिर ढह गया। बताया जा रहा है कि उसके नीचे दबे 30 लोगों को निकालने के लिए रैस्क्यू टीम जुटी हुई है। इस तरह से हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ के कारण यहां मौत का तांडव मच गया है। पिछले 3 दिनों से प्राकृतिक आपदा से गिरे मंडी जिला में 13 लोगों की मौत हुई। इसके बाद सोलन जिला में सात लोगों की मौत होने की सूचना है। प्रदेश में तबाही की स्थिति लगातार बनी हुई है। शिमला में भूस्खलन की वजह से एक मंदिर ढह गया। मंदिर में कम से कम 30 लोगों के फंसे होने की सूचना है। हालांकि रैस्क्यू जारी है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 24 घंटों तक मानसून इसी प्रकार सक्रिय रहेगा। राज्य के अधिकांश भागों में भारी वर्षा का क्रम जारी रहने से नदियां, नाले व खड्डे उफान पर रहेंगे। चंडीगढ़-शिमला फोरलेन चक्की मोड पर वाहनों के लिए बाधित है।

**बादल फटने से घरों में घुसा मलवा** - इधर धर्मपुर की तनयाहड पंचायत के नल्याणा में मकान में मलवाल प्रवेश कर जाने की वजह से तीन लोगों के दबने की सूचना है। वहीं, नाहन के कंडईवाला में रविवार देर शाम को बादल फटने से 50 घरों में मलबा भर गया है। लगातार हो रही बारिश से धुंआधार धुंध के आगोश में कई क्षेत्र समा गए हैं। इनमें चुराह, सलूनी सहित जिला का पहाड़ी क्षेत्र पूरी तरह से धुंध के आगोश में है। उधर जिला प्रशासन ने खराब मौसम में लोगों से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही वाहन चालकों को भी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहन ले जाने की बात कही है। यहां कई इलाकों में जोरदार बारिश हो रही है। सोलन जिले के कंडाघाट उपमंडल की ममलीग उप-तहसील के जादोन गांव में दर्दनाक हादसा हुआ। देर रात डेढ़ बजे बादल फटने से दो घर और एक गौशाला बह गई।

**घर में सो रहे लोगों को लील गया सैलाब** - सोलन में जहां भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सैलाब आने से लोग घरों में फंस गए। वहीं रात में सो रहे लोगों को सैलाब लील गया। बतया जा रहा है कि यहां पर बीते दिन से हो रही भारी बारिश के कारण पंचायत सायरी के जादोन गांव में रति राम और इसके बेटे हरनाम के 2 मकान भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के वक्त हरनाम के घर में 4 व्यक्ति थे और रति राम के मकान में 9 लोग सो रहे थे। 5 व्यक्तियों को स्थानीय लोगों और पुलिस ने जिंदा निकाल लिया। लेकिन 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अब भी लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम को हादसे वाली जगह तक पहुंचने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चारों तरफ सड़कें बंद हो गई हैं। लोक निर्माण विभाग ने सड़क की मरम्मत के लिए जेसीबी लगाकर काम शुरू किया है।

**नेशनल हाईवे-5 फिर से हुआ बंद** - भारी बारिश और भूस्खालन के चलते चंडीगढ़ शिमला नेशनल हाईवे-5 फिर से बंद हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार चक्की मोड़ पर भी फिर से पहाड़ से मलबा आ गिरा। जबकि नेशनल हाईवे से डायवर्ट किए गए संपर्क मार्ग भी भूस्खलन के कारण बंद हो गए हैं। संपर्क मार्गों पर वाहन बुरी तरह से फंसे हुए हैं। शिमला और चंडीगढ़ का संपर्क अब पूरी तरह से टूट गया है। यहां पर लगातार 4 दिनों से से हो रही बारिश की वजह से नेशनल हाईवे को बार बार खोलना और बंद करना पड़ रहा है। चंडीगढ़ से वाया कसौली जंगेशु मार्ग भी बंद होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा चंडीगढ़ से वाया बद्दी हो कर सोलन और शिमला जाने का विकल्प भी खत्म हो गया है क्योंकि वहां भी पुल टूट गया है। मंडी जिला में भी बीती रात से भारी बारिश ही रही है।

**पर्यटकों को नहीं सूझ रहा रास्ता** - चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे पूरी तरह से बंद होने के कारण यहां पर्यटक बुरी तरह फंसकर रह गए हैं। उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। क्योंकि यहां के सारे वैकल्पिक मार्ग भी बंद हैं। वहीं सात मील के पास नाले में भारी बारिश के कारण भारी मात्रा में मलबा आया है जो हाईवे पर खड़ी बड़ी गाड़ियों को बहा दे गया है। कई गाड़ियां इससे क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इस समय तो लोगों तक मदद पहुंचाना भी सम्भव नहीं हो पा रहा है। लगभ ढाई-तीन सौ पर्यटक भी यहां फंस गए हैं।

चंडीगढ़ मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग भी 60 घंटों के लिए बंद हो गया है। बारिश के कारण प्रशासन ने पूरी रात सड़क बंद रखने का फैसला किया है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। शिमला, कांगड़ा, चम्बा, हमीरपुर, बिलासपुर, मंडी, कुल्लू और सोलन जिलों में जबरदस्त बारिश के दौरान अचानक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की गई है।

**भारी बारिश से 7935 मकानों को पहुंचा नुकसान** - हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण खूब तबाही मची है। यहां अब तक कुल 7935 घरों को नुकसान पहुंचा है। 270 दुकानों व 2727 गोशालाओं में भी मलबा भर गया है। 24 जून से 13 अगस्त तक 257 लोगों की मौत हो चुकी है, जबति 290 लोग घायल हुए हैं। मानसून में अभी तक 7020.28 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है। राज्य में भूस्खलन की 90 और अचानक बाढ़ की 90 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भूस्खलन के कारण ना सिर्फ सड़कें टूटी हैं, बल्कि वाहनों की आवाजाही भी बंद हुई है। अगर बीते 24 घटों से हुए नुकसान की बात करें तो 10 मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं जबकि 70 मकानों को नुकसान हुआ है। मंडी में बादल फटने से व्यापक नुकसान हुआ है। राज्य में 452 सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए ठप हो गई हैं। कई गांवों से बिजली गायब हो चुकी है। 1814 बिजली ट्रांसफार्मर व 59 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हैं।

# समस्या के समाधान को प्रतिबद्ध है सरकार : मुख्यमंत्री योगी

**- जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं**
**- धन के अभाव में बाधित नहीं होगा किसी का इलाज : मुख्यमंत्री**

**गोरखपुर, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया कि जनता की समस्या के समाधान को सरकार प्रतिबद्ध है। किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों की इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने एक-एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए उनके बच्चों को सीएम योगी ने प्यार दुलारकर आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया।

# भारत का विभाजन देश के लोगों का संघर्ष और बलिदान का प्रतीक : वाईपी सिंह

**मुरादाबाद, (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुरादाबाद महानगर और जिला इकाई के तत्वावधान में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मौन जुलूस निकाला गया। मौन जुलूस चौधरी चरण सिंह चौक से प्रारंभ होकर धर्मकांटा, एलआईसी आफिस बुद्धि विहार, गोल चक्कर होता हुआ भाजपा कार्यालय बुद्धि विहार में समाप्त हुआ। इसके बाद भाजपा कार्यालय पर आयोजित संगोष्ठी में महानगर प्रभारी वाईपी सिंह ने कहा कि यह दिन भारत के लोगों के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में यह एक ऐसा दुर्भाग्यशाली दिन था, जिस दिन भारत के भूगोल, समाज, संस्कृति सभी का बंटवारा हो गया। नफरत और हिंसा ने लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित किया और लाखों लोगों की जानें चली गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को इस दिन को याद रखना चाहिए। हम भारतीयों को इस दिन को याद रखने की जरूरत है, क्योंकि हमारे लाखों भाइयों, बहनें और माताएं विस्थापित हो गए थे। कई लोगों ने बेवजह नफरत के कारण अपनी जान गंवा दी। भाजपा महानगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा ने कहा कि विभाजन के दौरान यातना पूर्ण व्यवहार और हिंसा का सामना करना पड़ा। देश के विभाजन के दर्द को कभी बुलाया नहीं जा सकता। विभाजन का दर्द और उसके दौरान हुई हिंसा देश की स्मृति में गहराई से अंकित हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान ने कहा कि अखंड भारत के इतिहास में 14 अगस्त की तारीख को आंसुओं से लिखकर रक्त रंजित कर दी गई। देश का विभाजन हो गया। भारत के विभाजन की पीड़ा को भुलाया नहीं जा सकता है। यह दिन भारत के लोगों के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। इस मौके पर महानगर महामंत्री नत्थूराम कश्यप, श्याम बिहारी शर्मा, दिनेश शीर्षवाल, जिला महामंत्री राजन विश्नोई, कमल प्रजापति, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी निमित्त जायसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, ब्लाक प्रमुख मनीष सिंह व संतोष सिंह, साधवी गीता प्रधान, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष डा. गौरव श्रीवास्तव, दिनेश सिसौदिया, चंद्र प्रजापति, राहुल शर्मा, नवदीप टंडन, सुनीता शर्मा, सोनू शर्मा आदि सैकड़ों भाजपाई उपस्थित रहे।

# घायल भाजपा नेता राजेन्द्र साहू के निधन से भड़के समर्थकों ने किया सड़क जाम, वाहन को जलाया

**लातेहार, (हि. स.)।** भाजपा नेता और कोयला कारोबारी राजेन्द्र साहू का रांची के मेडिका अस्पताल में सोमवार सुबह निधन हो गया। मेडिका में उन्हें 12 अगस्त को लहूलुहान हालत में भर्ती कराया गया था।लातेहार जिले के बालूमाथ में 12 अगस्त को अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी थी। उन्हें गंभीर हालत में राजधानी के मेडिका अस्पताल पहुंचाया गया था। इधर, राजेंद्र साहू की मौत के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। आक्रोशित लोगों ने बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय को पूरी तरह बंद कर दिया है। वही रांची - चतरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी आवागमन ठप कर दिया है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने इस घटना में संदिग्ध माने जा रहे एक व्यक्ति के घर पर हमला कर घर के बाहर लगे स्कार्पियो वाहन को भी जला दिया है। हालांकि पुलिस की तत्परता के कारण आक्रोशित लोगों को नियंत्रित किया जा सका, जिससे बड़ी घटना टल गई। सड़क जाम कर रहे लोगों की मांग है कि हत्याकांड में शामिल आरोपितों की अविलंब गिरफ्तारी करते हुए उन्हें फास्ट ट्रेक कोर्ट के माध्यम से सजा दिलाई जाए। जब तक घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जाम कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास एसडीपीओ अजीत कुमार ,पुलिस इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार तथा थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद के द्वारा लगातार किया जा रहा है। लातेहार के पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय के रहने वाले थे। जिले के बड़े कोयला व्यवसाई के रूप में उन्हें जाना जाता था। रंगदारी की मांग को लेकर पूर्व में भी उन्हें कई बार धमकी दी गई थी और एक बार जानलेवा हमला भी किया गया था। उसे समय तो वह अपनी चालाकी से बच निकले थे । लेकिन गत 12 अगस्त को अपराधियों ने उन्हें अपना निशाना बना लिया और बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय के निकट उन्हें गोली मार दी थी। रांची के निजी अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा था। इसे बीच रविवार की रात अचानक उनकी स्थिति बिगड़ने लगी। उन्हें इलाज के लिए दिल्ली भेजने की तैयारी की जा रही थी। लेकिन सोमवार की सुबह उनकी मौत हो गई।

# विपक्षी पार्टियों के पास जब तक कोई मुद्दा नहीं तब तक जमीनी स्तर पर कुछ नहीं होना:प्रशांत किशोर

**समस्तीपुर, (हि.स.)।** वारिसनगर के भगीरथपुर में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं पहले दिन से उदाहरण देकर भी बताता हूं कि कई लोगों को लगता है कि 1977 में सारे विपक्षी दलों ने इंदिरा गांधी को हरा दिया। इस बात में सच्चाई नहीं है। आपातकाल देश में लागू नहीं होता, जयप्रकाश नारायण का आंदोलन नहीं होता तो सिर्फ विपक्षी पार्टी के एक होने से इंदिरा गांधी नहीं हार जाती। विपक्षी पार्टियों के पास जब तक कोई मुद्दा नहीं होगा, तब तक जितने पार्टी के नेता चाय पी लें, खाना खा लें या प्रेस कांफ्रेंस साथ में कर लें मे, उससे जमीन पर क्या फर्क पड़ने वाला है? सामान्य लोग जो गांवों में रहते हैं जिन्हें राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है और जो बीजेपी को वोट करते हैं उन्हें इस बात से कितना फर्क पड़ रहा है कि 26 दलों के लोग पटना में मिले इसलिए भाजपा को वोट नहीं देंगे। जनता को इन सबसे कोई लेना-देना नहीं है। जनता को इस बात से मतलब है कि उनके गांव में सड़क बनी की नहीं, भ्रष्टाचार खत्म हुआ कि नहीं रोजगार मिला की नहीं। बता दें कि प्रशांत किशोर 269 दिनों से बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं। सोमवार को वे भागीरथपुर में थे। प्रशांत किशोर पैदल चल कर लोगों को वोट की ताकत का एहसास दिला रहे हैं। बीते दिनों में प्रशांत किशोर 2500 किलोमीटर से अधिक पदयात्रा कर 3500 से अधिक गांवों में जा चुके हैं।

# रेल की पटरी उखाड़ने के जुर्म में राजाराम रूपौलिया को ब्रिटिश कोर्ट ने दी थी 21 कोड़ों की सजा

**बांदा, (हि.स.)।** आजादी की लड़ाई में जनपद के अनेक क्रांतिकारियों ने अपना योगदान दिया जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी थे बदौसा कस्बे के पंडित राजाराम रूपौलिया जिन्होंने असहयोग आंदोलन से लेकर आजादी के लिए हुए हर संघर्ष में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्हें अंग्रेजों ने रेल पटरी उखड़ने के जुर्म में 21 कोड़ों की सजा दी थी और एक अन्य मामले में एक साल की सजा दी थी। यह सजा उन्होंने प्रयागराज की एक जेल में काटी थी। कस्बे के बदौसा रोड आंबेडकर नगर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजाराम रूपौलिया के घर पर महात्मा गांधी और चंद्रशेखर आजाद भी कुछ दिन ठहरे थे। यहां ठहरने के बाद उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर बैठक करके आजादी की लड़ाई को और तेज करने के लिए रणनीति बनाई थी। पांच नवंबर 1931 को महात्मा गांधी ने अतर्रा के टापू (चौक बाजार) में भाषण दिया और तिरंगा फहराया था। यह जगह अब गांधी चौक के नाम से जानी जाती है। हर वर्ष राजाराम रूपोलिहा 15 अगस्त और 26 जनवरी यहां पर यहां पर झंडा फहराते थे। राजाराम ने 1941 में सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया। इस पर अंग्रेजी शासन ने एक साल के कारागार और 10 रुपये जुमार्ना लगाया था उन्होंने मलाका जेल वर्तमान में स्वरुप रानी अस्पताल प्रयागराज में सजा की अवधि बिताई थी। 1942 में राजाराम अपनी पत्नी लक्ष्मी देवी के साथ महासमिति की बैठक में शामिल होने पंजाब मेल ट्रेन से मुंबई गए थे। वहां महासमिति की बैठक को भंग करने के लिए अंग्रेजी पुलिस व सीबीसीआईडी ने धर्मशाला में छापा मारा था। 21 अगस्त 1942 को तुर्रा में रेल पटरी उखाड़ने के जुर्म में 26 अगस्त को अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद ब्रिटिश कोर्ट ने 21 कोड़ों की सजा सुनाई थी। इस बारे में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजाराम रुपौलिहा के पौत्र देशबंधु ने बताया कि वह देश आजाद होने के बाद 1949 में अतर्रा नगर पंचायत के प्रथम अध्यक्ष बने और गरीबों का टैक्स माफ किया। उन्हें 15 अगस्त 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दिल्ली के लाल किले में ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया था। यह ताम्रपत्र आज भी रखा है। इसी तरह 1950 में जमींदारी उन्मूलन कोष के संग्रह में सहायता प्रदान करने पर तत्कालीन बांदा कलक्टर शिवराम सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। इसी तरह 05 फरवरी 1951 को डीआईजी कानपुर एमएस माथुर ने अपराधीकरण को मिटाने व पुलिस की सहायता पर पुरस्कृत किया था। देशबंधु ने बताया कि बाबा राजाराम रूपोलिहा की मृत्यु 13 मई 1982 को उनके आवास पर ही हो गई थी। एक पुत्र जगत सेवक रूपोलिहा थे। जिनका निधन भी कुछ वर्षों पूर्व हो गया था।

## एमपी ही नहीं बल्कि कांग्रेस के राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार अहम मुद्दा : मायावती

**लखनऊ, (हि.स.)।** मध्य प्रदेश सरकार में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी के आरोप को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप की जंग जारी है। इस बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर हमला बोला है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने ट्वीट कर कहा कि मध्य प्रदेश सरकार में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी के आरोप को लेकर कांग्रेस व भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी है। इन दोनों दलों की मुकदमों आदि की राजनीति से कमरतोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शोषण-अत्याचार जैसे जनहित से जुड़े ज्वलन्त मुद्दों का चुनाव के समय पीछे छूट जाना कितना उचित ? ऐसा क्यों? उन्होंने कहा कि भाजपा-शासित मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि कांग्रेस के राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार अहम मुद्दा बना हुआ। किन्तु इनकी जनविरोधी नीतियों व विकास के हवाहवाई दावों के कारण सर्वसमाज के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिला असुरक्षा आदि का त्रस्त जीवन इन तीनों राज्यों में असली चुनावी मुद्दे।

## मांगें पूरी न होने पर कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने आंदोलन की दी चेतावनी

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वीपी मिश्र ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि अगस्त माह के अंत तक मोर्चा की मांगों पर शासनादेश जारी करें। अगर सरकार निर्णय करके शासनादेश जारी नहीं करती है तो बड़े आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा। उनके साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र मिश्र एवं महासचिव शशि कुमार मिश्र मौजूद रहे। मोर्चा के अध्यक्ष ने बताया कि 12 जुलाई को बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव कार्मिक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए थे। इसके बावजूद एक भी मांग पर निर्णय नहीं हो पाया। यहां तक कि वर्ष 2023-24 की स्थानांतरण नीति की धारा 12 को समाप्त करने तक पर भी निर्णय नहीं हुआ। इसके कारण पदाधिकारी को स्थानांतरण करके संघों को कमजोर करने की रणनीति कायम है। इसलिए संगठनों को अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। संघों के अध्यक्ष, महामंत्री एवं जनपदीय अध्यक्ष और मंत्री पर प्रहार, संगठनों के अस्तित्व पर प्रहार है। खेद का विषय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर भी संगठनों से कोई अधिकारी बात ही नहीं कर रहे हैं। इसका प्रभाव राजकीय कार्यों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि मोर्चा के पदाधिकारियों से मांग पर तत्काल बैठक करें, जिससे आंदोलन की स्थिति ना बने। उन्हें बैठक के लिए पत्र भेजा जा चुका है।

## गोली कांड में गिरफ्तार कीर्ति गौरव, जानू और अंकित सहित छह को भेजा गया जेल

**रामगढ़, (हि.स.)।** कुज्जू ओपी क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर चली गोली मामले में छह लोग को पुलिस ने जेल भेजा है। सोमवार को रामगढ़ एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि गोली कांड के अभियुक्त गुरुद्वारा प्रबंध समिति के प्रधान परमदीप सिंह कालरा उर्फ जानू, छावनी परिषद की नामित सदस्य कीर्ति गौरव, गुरुद्वारा प्रधान के छोटे भाई हरदीप सिंह कालरा उर्फ अंकित, मनोरंजन गिरी, विक्रम कुमार और पंकज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मनोरंजन, विक्रम और पंकज का पुलिस अभिरक्षा में ही इलाज कराया जा रहा है। बाकी तीन लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रविवार को कुज्जू ओपी क्षेत्र के दिग्वार पोचरा इलाके में तीन एकड़ की जमीन के रास्ते को लेकर हुए विवाद में दो गुटों में झड़प हुई थी। इसी झड़प के दौरान गुरुद्वारा प्रधान परमदीप सिंह कालरा उर्फ जानू और छावनी परिषद की नामित सदस्य कीर्ति गौरव व उनके साथियों की मौजूदगी में मनोरंजन गिरी के द्वारा गोली चलाई गई थी। इसमें पोचरा गांव के ही जानकी यादव की मौत हो गई थी। इस गोलीबारी में दो लोग घायल भी हुए थे।

## मिट्टी एवं पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने का लिया गया संकल्प

**बेगूसराय, (हि.स.)।** आजादी का अमृत महोत्सव के तहत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर "मेरी माटी मेरा देश" कार्यक्रम विभिन्न स्तर पर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा मिट्टी एवं पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प लिया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के नोडल पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर ओम प्रिय, डॉ. ललन कुमार त्रिपुरारी, रामदुलारी कुमारी, मीरा कुमारी, छात्र-छात्रा एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा के अंगीभूत इकाई अखिल भारतीय संस्कृत हिन्दी विद्यापीठ खम्हार में भी 30 अगस्त तक चलने वाले ' मेरी माटी मेरा देश ' के तहत प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार आजाद की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

# स्वतंत्रता दिवस पर अदम्य साहस का अहसास कराएगा चुनार किला, झलक उठेंगे गर्व के भाव

**मीरजापुर, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर नगर के सिटी क्लब मैदान व चुनार किला पर ध्वजारोहण करेंगे। स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के रंग में रंगे देश के साथ ऐतिहासिक विरासत चुनार किला अदम्य साहस का अहसास कराएगा ही, गर्व के भाव झलक उठेंगे। कैबिनेट मंत्री 15 अगस्त को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्वाह्न नौ बजकर 10 मिनट पर सिटी क्लब मैदान पहुचेंगे। प्रातः 9:15 बजे स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन के लाइव प्रसारण कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। 10:15 बजे सिटी क्लब में ध्वजारोहण करेंगे। 10:20 से 11:30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जनसभा, पंच प्रण की शपथ दिलाई जाएगी। 11.30 से 11.40 बजे तक सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग की ओर से सिटी क्लब में लगाई गई विकास प्रदर्शनी का निरीक्षण करेंगे। कैबिनेट मंत्री 11.40 बजे सिटी क्लब से प्रस्थान कर महावीर पार्क (घोड़े शहीद) में पौधरोपण करेंगे। इसके बाद दोपहर 12.15 बजे घोड़े शहीद से प्रस्थान करेंगे। 12.55 बजे चुनार किला स्थित लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस पहुंच 13.00 बजे चुनार किला पर ध्वजारोपण करेंगे। ध्वजारोपण के बाद कैबिनेट मंत्री 13.15 बजे अगले कार्यक्रम के लिए प्रस्थान करेंगे।

# अमृत महोत्सव की शाम सजेगी कवियों की महफिल, बरसेगी देशभक्ति की फुहार

**- अमृत काल में पहली बार रंग-मंच के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी**
**- स्वतंत्रता दिवस पर उपेक्षा की बंदिशें से मुक्त होगी ऐतिहासिक घंटाघर की घड़ी**

**मीरजापुर, (हि.स.)।** आजादी के 76 वर्ष बाद अमृत काल में पहली बार रंग-मंच के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी है। जगविख्यात विंध्यवासिनी नगरी मीरजापुर में इस बार काफी कुछ नया देखने को मिलेगा। वर्षों से बंद पड़े स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना घंटाघर की घड़ी उपेक्षा की बंदिशें से मुक्त होगी ही, मीरजापुर शहर एक बार फिर घंटाघर के घड़ी की मधुर आवाज से गूंजेगी। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की शाम तिरंगी आभा से दमकते घंटाघर मैदान पर कवियों की महफिल सजेगी और काव्य रसों में देशभक्ति, प्रेम, करुणा व हास्य-व्यंग्य की फुहारें बरसेंगी। नगर पालिका परिषद मीरजापुर के अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने बताया कि घंटाघर मैदान पर स्वतंत्रता दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-प्रदेश के नामी-गिनामी कवि भाग लेंगे। लोकप्रिय कवि अनामिका जैन अम्बर अपनी टीम के साथ मीरजापुर आएंगी। स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक घंटाघर की घड़ी बनकर तैयार हो जाएगी और इसी दिन शाम छह बजे घंटाघर की घड़ी व फसाड तिरंगा लाइटिंग का उद्घाटन किया जाएगा।

# अपराधिक गतिविधियों के लिए किसी भी हाल में ना हो पुराने क्वार्टरों का इस्तेमाल : डीसी

**रामगढ़, (हि.स.)।** जिले में संगठित अपराध गिरोह के शूटर और अन्य अपराधी पुराने क्वार्टर में रहकर अपराध को अंजाम देते हैं। ऐसी कई सूचना पुलिस को पिछले कई वर्षों से मिल रही थी। सोमवार को रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने इस गंभीर मुद्दे को लेकर सीसीएल, पीवीयूएनएल और अन्य एजेंसियों के महाप्रबंधकों के साथ आवश्यक बैठक की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जिले में पुराने क्वार्टर का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में नहीं होना चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि हर एजेंसी अपने क्वार्टर में रहे लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन कराए। जिले में विधि व्यवस्था संधारित करने के मद्देनजर डीसी और एसपी पीयूष पांडे ने सीसीएल, पीवीयूएनएल सहित अन्य एजेंसियों के महाप्रबंधकों व प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक के साथ एजेंसीवार जिले के अलग-अलग प्रखंडों में संचालित सीसीएल, पीवीयूएनएल, टाटा सहित अन्य परियोजनाओं में अधिकारियों और कर्मियों के निवास के लिए क्वार्टरों के वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। मौके पर उपायुक्त ने सभी महाप्रबंधकों एवं प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनकी परियोजना अंतर्गत लंबे समय से खाली पड़े क्वार्टरों का इस्तेमाल किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि के लिए किसी भी हाल में ना किया जाए। उपायुक्त ने सभी संबंधित महाप्रबंधकों एवं प्रतिनिधियों को पुराने क्वार्टरों को योजनाबद्ध तरीके से चिन्हित करने को कहा है। साथ ही क्वार्टरों में रह रहे लोगों का पुलिस वेरीफिकेशन सहित अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

# 16 से 31 अगस्त तक हड़ताल पर रहेंगे सभी मुखिया

**बेगूसराय, (हि.स.)।** संवैधानिक अधिकार में कटौती किए जाने के खिलाफ 16 से 31 अगस्त तक बिहार के सभी मुखिया हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान पंचायत के किसी कार्य का निष्पादन नहीं किया जाएगा। इसके बाद भी अगर सरकार सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं करेगी तो चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। सोमवार को जिला मुखिया संघ द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी जिलाध्यक्ष मो. अहसान ने दी। उन्होंने कहा कि राज्य संघ के आह्वान पर जिला मुखिया संघ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए अपने अधिकार की रक्षा की मांग को लेकर 16 से 31 अगस्त तक प्रथम चरण में हड़ताल और कार्यों का बहिष्कार करेंगे, पंचायतों में कार्य ठप रहेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार पंचायतों को संविधान प्रदत अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है पंचायतों को ना तो संविधान प्रदत्त अधिकारों के अनुसार काम करने दिया जा रहा है और ना ही जन प्रतिनिधियों की सुरक्षा की गारंटी मिल रही है। बिहार सरकार जन प्रतिनिधियों को आत्मा रक्षा के लिए हथियार की लाइसेंस भी नहीं दे रही है। आपराधिक घटना में मृत जनप्रतिनिधियों के परिजनों को 50 लाख रुपये मिलनी चाहिए। त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधियों के वर्तमान मानदेय को बढ़ाते हुए 25 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। पंचायतों में 29 विषयों पर स्वतंत्रता पूर्वक कार्य करने दिया जाए। ग्राम सभा के निर्णय को शत-प्रतिशत लागू करने का अधिकार दिया जाए। हड़ताल के बीच 22 अगस्त को सभी प्रखंड मुख्यालय एवं 29 अगस्त को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। जिसमें हम अपनी एकजुटता और ताकत प्रदर्शित करेंगे। अधिकारों का हनन किया गया तो हम चुप नहीं बैठेंगे। ग्रामीण विकास की सबसे बड़ी और पहली इकाई ग्राम पंचायत के अधिकार में कटौती का असर आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 1993 में ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए 29 विषय संसद में पारित कर अधिकार दिया गया। लेकिन आज हम किसी को भी राशन, पेंशन या आवास नहीं दे पा रहे हैं। ग्राम सभा में क्या निर्णय लेना है, यह भी सरकार ही तय करके भेजती है। गांधीजी के ग्राम स्वराज का सपना ध्वस्त हो गया है। इस वित्तीय वर्ष में पंचायत के विकास का पैसा अब तक नहीं दिया गया है। प्रेसवार्ता में उपस्थित संघ के उपाध्यक्ष अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष मो. इजहार अंसारी, सचिव अरविंद कुमार राय, रजौड़ा मुखिया अहमद हुसैन एवं मुखिया मुरारी कुमार ने भी अधिकार में किए जा रहे कटौती के विभिन्न पहलुओं को सामने रखा। इन लोगों ने भी इसके खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की बातें कही है।

## संपादकीय

# प्रासंगिक नहीं गढ़े मुर्दे

**अविश्वास** प्रस्ताव अब अतीत का मुद्दा बन चुका है। संसद की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है, लेकिन मणिपुर और नकारात्मक राजनीति अब भी जल रहे हैं। उनकी लपटों के शांत होने के आसार अभी तो स्पष्ट नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर जो जवाब दिया था, वह भी संजीदा नहीं था, बल्कि उसमें खुन्नसी सियासत के भाव ज्यादा थे। प्रधानमंत्री ने कुछ ऐसे पुराने, गढ़े मुर्दे उखाड़े, जो फिलहाल देश के संदर्भ में प्रासंगिक नहीं हैं। वे 50-60 साल से भी ज्यादा पुरानी घटनाएं जरूर हैं। तब से लेकर आज तक भारत का चेहरा, सम्मान, स्थान, विकास सब कुछ बदल चुका है। देश की जनता बखूबी जानती है और उसके इस अधिकार का सम्मान भी किया जाना चाहिए कि वह किस दल, गठबंधन और नेता के प्रति अपना लोकतांत्रिक विश्वास व्यक्त करे अथवा अविश्वास जताते हुए किसे खारिज कर दे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में उल्लेख किया था कि 1972 के बाद पश्चिम बंगाल में कांग्रेस न तो सत्ता तक पहुंच पाई और न ही उसका मुख्यमंत्री चुना जा सका है। इसी तरह तमिलनाडु में 1962, ओडिशा और गुजरात में 1995, उप्र में 1985, नगालैंड में 1988 के कालखंडों के बाद जनता ने कांग्रेस के प्रति अविश्वास जताया है। यह तथ्य समूचा देश जानता है। इसकी तुलना मौजूदा अविश्वास प्रस्ताव से नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के रामेश्वरम और श्रीलंका के दरमियान 'कच्चातीवू द्वीप' का भी जिक्र किया था। करीब 285 एकड़ का यह भूखंड विवादित था और 1974 के एक समझौते के तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उसे श्रीलंका को सौंप दिया। प्रधानमंत्री ऐसे फैसले लेते रहे हैं, क्योंकि उन्हें जनादेश प्राप्त था। बाद के प्रधानमंत्री चाहें, तो उन फैसलों को बदल भी सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सवाल किया है कि वह तोहफा श्रीलंका को क्यों दिया गया? मौजूदा द्रमुक मुख्यमंत्री स्टालिन बार-बार पत्र लिख कर आग्रह कर रहे हैं कि भारत सरकार श्रीलंका से अपने द्वीप को वापस ले। तब 1974 में भी द्रमुक मुख्यमंत्री करुणानिधि थे। दरअसल इस द्वीप को मछुआरों के लिए 'वरदान' माना जाता है, लिहाजा यह तमिल राजनीति का आज भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा, 5 मार्च 1966, मिजोरम राज्य के लिए 'काली, हमले की तारीख' है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने देश की ही वायुसेना को आदेश देकर मिजोरम के भारतीय नागरिकों पर हवाई हमला कराया था। कारण कुछ भी रहा हो, लेकिन प्रधानमंत्री ऐसी हद तक कैसे पहुंच गईं? मिजोरम में आज भी इसे 'काला दिन' के तौर पर याद किया जाता है और लोग प्रतीकात्मक विरोध-प्रदर्शन भी करते हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अमृतसर के 'पवित्र स्वर्ण मंदिर' में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का भी जिक्र किया था। तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। मौजूदा प्रधानमंत्री इन पुरानी घटनाओं का उल्लेख कर कांग्रेस की राजनीति पर प्रहार करना चाहते थे कि उन सरकारों की सोच क्या थी? दरअसल अविश्वास प्रस्ताव मणिपुर पर केंद्रित रहना चाहिए था। वैसा न तो विपक्ष ने किया और न ही प्रधानमंत्री ने निभाया। लोकसभा में चुनावी माहौल बना रहा। प्रस्ताव का गिरना तय था। यही उसकी नियति थी। राजनीतिक पक्षों को क्या हासिल हुआ, यह वे ही खुलासा कर सकते हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर राज्य उग्रवादी संगठनों की देश-विरोधी गतिविधियों के कारण शेष भारत की मुख्य धारा से कितना कटे रहे हैं! अपहरण, फिरौती, वसूली और हत्याएं उनके रोजगार रहे हैं। 'मां भारती' का यह भू-भाग वाकई विभाजित और रक्तरंजित रहा है। कमोबेश अब वे उग्रवादी मुख्य धारा में लौट कर, राजनीतिक तौर पर, सक्रिय हुए हैं। हम देश का 76वां 'स्वतंत्रता दिवस' मनाने जा रहे हैं। यदि अब भी मणिपुर को संगठित, शांतिपूर्ण राज्य बनाने के संकल्प की शुरुआत नहीं हो सकी, तो आजादी अधूरी और फीकी रहेगी। संकल्प का यह रास्ता तो प्रधानमंत्री को ही दिखाना पड़ेगा, क्योंकि वह ही लालकिले से देश को संबोधित करेंगे। सरकार को अपना ध्यान बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई की समस्याएं हल करने पर केंद्रित करना चाहिए। आज टमाटर 200 रुपए किलो तक बिक रहा है।

देश की जनता बखूबी जानती है और उसके इस अधकिार का सम्मान भी किया जाना चाहिए कि वह किस दल, गठबंधन और नेता के प्रति अपना लोकतांत्रिक विश्वास व्यक्त करे अथवा अविश्वास जताते हुए किसे खारिज कर दे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में उल्लेख किया था कि 1972 के बाद पश्चिम बंगाल में कांग्रेस न तो सत्ता तक पहुंच पाई और न ही उसका मुख्यमंत्री चुना जा सका है। इसी तरह तमिलनाडु में 1962, ओडिशा और गुजरात में 1995, उप्र में 1985, नगालैंड में 1988 के कालखंडों के बाद जनता ने कांग्रेस के प्रति अविश्वास जताया है। यह तथ्य समूचा देश जानता है। इसकी तुलना मौजूदा अविश्वास प्रस्ताव से नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के रामेश्वरम और श्रीलंका के दरमियान 'कच्चातीवू द्वीप' का भी जिक्र किया था। करीब 285 एकड़ का यह भूखंड विवादित था और 1974 के एक समझौते के तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उसे श्रीलंका को सौंप दिया। प्रधानमंत्री ऐसे फैसले लेते रहे हैं, क्योंकि उन्हें जनादेश प्राप्त था। बाद के प्रधानमंत्री चाहें, तो उन फैसलों को बदल भी सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सवाल किया है कि वह तोहफा श्रीलंका को क्यों दिया गया? मौजूदा द्रमुक मुख्यमंत्री स्टालिन बार-बार पत्र लिख कर आग्रह कर रहे हैं कि भारत सरकार श्रीलंका से अपने द्वीप को वापस ले।

## कुछ अलग

# राज्य कैडर की नई डोर

**विभागों** के बदलते तेवर में कैडर की भूमिका अहम है और जब इन्हें स्थानीय रिश्तों के फलक पर प्राथमिकता मिले, तो दफ्तर के नैन-नक्श, एक तरह के स्थानीयवाद का अवतार बन जाते हैं। ऐसे में सुक्खू सरकार की व्यवस्था परिवर्तन की पैरवी में कुछ जिला कैडर के मुकाम को राज्य स्तरीय घोषित करने की परिकल्पना का स्वागत होना चाहिए। सरकारी कार्य संस्कृति बाहों में बाहें डालकर मित्रता तो कर सकती है, लेकिन प्रशासनिक जरूरतों की हिफाजत में कड़े निर्देश अमल में नहीं ला सकती। कुछ समय पहले शहरी विकास विभाग की दृष्टि में इसी भेद को मिटाते हुए राज्य कैडर की डोर बांधी गई, तो अब दो नई फाइलें इसी तरह के मकसद को लेकर कार्मिक, वित्त और विधि मंत्रनाओं से रू-ब-रू हैं। पंचायती राज तथा राजस्व विभाग के विभिन्न ओहदे और उनसे जुड़ी ओहदेदारी अब राज्य स्तारीय दृष्टिकोण में कर्मचारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण की पद्धति को व्यापक बनाने की परिकल्पना को साकार कर सकती है। सुक्खू सरकार इस तरह के फैसलों से खुद के लिए कठिन परीक्षा के साथ सामाजिक चेतना पर भी असरदार हस्तक्षेप कर रही है। जिला से स्टेट कैडर होने की वजह निश्चित रूप से प्रशासनिक सुधारों की नई खेती है, तो इसके मुकम्मल होने के यथार्थ में स्थानांतरण नीति का सशक्तिकरण भी होगा। यह एक साथ सामाजिक व राजनीतिक दृष्टि को व्यापक बनाने की वचनबद्धता है, जिससे अमूमन सरकारें बचती रहीं या जिन्होंने कैडर के कालीन पर कर्मचारियों को सियासी परिक्रमा बना दिया, उन्होंने जिला कैडर के प्रपंच में नुकसान पहुंचाया है। जिस दिन हिमाचल की राजनीति खुद को कर्मचारी मसलों की न्यायाधीश बनने की प्रथा छोड़ देगी, कई तरह के प्रशासनिक सुधार मिनटों में हो जाएंगे। प्रदेश को आगे ले जाने के लिए विभागीय अड़चनों और कार्यसंस्कृति की सिलवटों को दूर करना होगा और इसके लिए कैडर विसंगतियों का समाधान ही नहीं, बल्कि समानता का प्रारूप भी चाहिए। यह वेतन-भत्तों से कैडर और कैडर से स्थानांतरण तक की व्यवस्था में ऐसे बदलाव चाहता है जो दीर्घकालीन सुधार करें। स्थानीय या जिला कैडर में घूमती व्यवस्था ने दरअसल राजनीति को ही घुमाया है, नतीजतन कर्मचारी संगठनों के हर पड़ाव में मूल भावना केवल सियासत को ही पोषित करती है। जिस दिन यह भेद मिट जाएगा या सरकारी नौकरी के मायने क्षेत्रवाद से ऊपर उठ जाएंगे, एक कुशल स्थानांतरण नीति का उदय होगा और होना भी यही चाहिए। स्थानांतरण अब तक सियासी व कर्मचारी कौशल की मिलीभगत में एक ऐसी परिपाटी बन चुका है, जहां समाज के स्वार्थ भी जुड़ जाते हैं। हम राज्य की कुशलता में अगर ऐसी परंपराओं के कौशल को अहमियत देते रहेंगे, पंचायती उत्थान से राजस्व की मचान तक शिकार होते रहेंगे। यह दीगर है कि राज्य कैडर में सुविधाओं की नई संस्कृति और प्रोत्साहन के पैगाम स्पष्ट होने चाहिएं। यानी सरकारी आवासीय व्यवस्था पंचायत सचिव, पटवारी, स्कूल के प्राइमरी टीचर से पशु औषधालय के सहायक तक होनी चाहिए और यह भी कि घर से दफ्तर की दूरी के हिसाब से वित्तीय लाभ भी वर्णित करने होंगे।

## भारत की सीमाओं का संकुचन 1947 से काफी पहले शुरू हो चुका था

# अखंड भारत का सपना देखना गलत नहीं है, भारतीयों में हर संकल्प को सिद्ध करने की अपार क्षमता है

डॉ. पवन मलिक

विश्व के ऐतिहासिक अनुभव हैं कि किसी भी देश का विभाजन स्थाई अथवा अटल नहीं होता। 1905 का बंग भंग, पुन: 1911 में एक हो गया। 2000 वर्ष पूर्व नष्ट इजराइल, मई 1948 में फिर से स्वतंत्र राष्ट्र बना। 'होली रोमन एम्पायर' शीघ्र नष्ट हो गया। न पवित्र रहा, न रोमन और न एम्पायर। विशाल ब्रिटिश साम्राज्य भी स्थाई न रहा। जर्मनी का विभाजन 1945 में, परन्तु 1989 में पूर्वी जर्मनी व पश्चिम जर्मनी को विभाजित करने वाली बर्लिन की दीवार गिरा दी गई, जर्मनी पुन: एक हो गया। दोनों वियतनाम एक हो गये।

**अखंड** भारत हमारे लिए केवल शब्द नहीं है। यह हमारी श्रद्धा, भाव, देशभक्ति व संकल्पों का अनवरत प्रयास है जिसे प्रत्येक देशभक्त जीवंत महसूस करता है। हम इस भूमि को माँ मानते हैं और पुत्रवत इस भूमि की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हम कहते भी है माताभूमिः पुत्रोहंपृथिव्याः। इसलिए माँ का प्रत्येक कष्ट हमारा अपना कष्ट है और एक माँ खंडित रहे कष्ट में रहे, यह उसके पुत्र कैसे स्वीकार कर सकते हैं। समय-समय पर भारत खंडित कैसे हुआ, कौन सी गलतियां हमसे हुईं। वो कौन से कारण रहे जिन्होंने इसकी पृष्ठ्भूमि लिखी इन सबका चिंतन, विभाजन की पीड़ा व पुनः अखंड होने का विश्वास व संकल्प ही इसका एक मात्र हल है। जब भारत की लाखों आँखों में पलने वाला यह अखंड भारत का सपना करोड़ों-करोड़ों ह्रदयों की धड़कन बन कर धड़कने लगेगा, तभी यह संभव होगा।

### अखंड भारत स्वप्न नहीं हकीकत है

अखंड भारत का स्वप्न कुछ लोगों को असंभव लगता हो। लेकिन यदि हम इतिहास का अवलोकन करेंगे, तो ध्यान आएगा कभी जो बातें असंभव लगा करती थी, कुछ समय के पश्चात वो संभव भी हुआ है। मनुष्य की उम्र कुछ वर्ष हुआ करती है पर देशों की उम्र हजारों-हजारों वर्ष होती है। विश्व के ऐतिहासिक अनुभव हैं कि किसी भी देश का विभाजन स्थाई अथवा अटल नहीं होता। 1905 का बंग भंग, पुनः 1911 में एक हो गया। 2000 वर्ष पूर्व नष्ट इजराइल, मई 1948 में फिर से स्वतंत्र राष्ट्र बना। 'होली रोमन एम्पायर' शीघ्र नष्ट हो गया। न पवित्र रहा, न रोमन और न एम्पायर। विशाल ब्रिटिश साम्राज्य भी स्थाई न रहा। जर्मनी का विभाजन 1945 में, परन्तु 1989 में पूर्वी जर्मनी व पश्चिम जर्मनी को विभाजित करने वाली बर्लिन की दीवार गिरा दी गई, जर्मनी पुनः एक हो गया। दोनों वियतनाम एक हो गये। सोवियत संघ से 15 मध्य एशियाई देश अलग होकर पुनः स्वतंत्र राष्ट्र बन गये।

### विभाजन विभीषिका को समझना होगा

1947 में ही भारत का पहला व आखिरी विभाजन नहीं हुआ। वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र स्वरूप ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारत की सीमाओं का संकुचन 1947 से काफी पहले शुरू हो चुका था। सातवीं से नवीं शताब्दी तक लगभग ढाई सौ साल तक अकेले संघर्ष करके हिन्दू अफगानिस्तान इस्लाम के पेट में समा गया। हिमालय की गोद में बसे नेपाल, भूटान आदि जनपद अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण मुस्लिम विजय से बच गए। अपनी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए उन्होंने राजनीतिक

स्वतंत्रता का मार्ग अपनाया पर अब वह राजनीतिक स्वतंत्रता संस्कृति पर हावी हो गयी है। श्रीलंका पर पहले पुर्तगाल, फिर हालैंड और अन्त में अंग्रेजों ने राज्य किया और उसे भारत से पूरी तरह अलग कर दिया। यद्यपि श्रीलंका की पूरी संस्कृति भारत से गए सिंहली और तमिल समाजों पर आधारित है। दक्षिण पूर्वी एशिया के हिन्दू राज्य क्रमशः इस्लाम की गोद में चले गए किन्तु यह आश्चर्य ही है कि भारत से कोई सहारा न मिलने पर भी उन्होंने इस्लामी संस्कृति के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। इस्लामी उपासना पद्धति को अपनाने के बाद भी उन्होंने अपनी संस्कृति को जीवित रखा है और पूरे विश्व के सामने इस्लाम के साथ सह अस्तित्व का एक नमूना पेश किया। किन्तु मुख्य प्रश्न तो भारत के सामने है। तेरह सौ वर्ष से भारत की धरती पर जो वैचारिक संघर्ष चल रहा था उसी की परिणति 1947 के विभाजन में हुई। पाकिस्तानी टेलीविजन पर किसी ने ठीक ही कहा था कि जिस दिन आठवीं शताब्दी में पहले हिन्दू ने इस्लाम को कबूल किया उसी दिन भारत विभाजन के बीज पड़ गए थे। इसे तो स्वीकार करना ही होगा कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम आधार पर हुआ। पाकिस्तान ने अपने को इस्लामी देश घोषित किया। वहां से सभी हिन्दू-सिखों को बाहर खदेड़ दिया। अब वहां हिन्दू-सिख जनसंख्या लगभग शून्य है।

### विभाजन के नैरेटिव का मायाजाल

विभाजन के कारणों की समीक्षा करने पर ध्यान आता है कि तात्कालिक नेतृत्व के मनों में भारत बोध का अभाव व राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के बारे में भ्रामक धारणा थी। अंग्रेज अपनी चाल में सफल हुए और उनके द्वारा स्थापित बात की भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा और न है बल्कि यह तो अनेक राज्यों का मिश्रण है। उस समय देश के अधिकतर नेता भी इन्हीं बातों में आकर उन्हीं की भाषा बोलने लगे। श्री सुरेंद्र नाथ बनर्जी द्वारा लिखी पुस्तक 'A Nation in Making' का शीर्षक भी इसी बात की और इशारा करता है। अंग्रेजों ने उस समय एक और नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया और उसमें भी उन्हें सफ़लता मिली की जैसे मुसलमान व वे बाहर से आये हैं वैसे ही आर्य भी बाहर से आये हैं और वही अब हिंदू के नाम से जाने जाते हैं। समय-समय पर देश हित को पीछे छोड़ मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति ने भी विभाजन की बात को ओर हवा देने का काम किया। तुष्टीकरण के नाम पर भारत के मान बिंदुओं से समझौता किया गया। फिर चाहे वो करोड़ों देशवासियों में देशभक्ति के भाव को बढ़ाने वाला गीत 'वंदे मातरम' के विरोध की बात हो, राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा रंग व चरखे को न मानने की बात हो, राष्ट्रीय जनसम्पर्क की भाषा के रुप में हिंदी को न स्वीकार करने की बात हो, गोहत्या बंदी की मांग का विरोध हो या फिर अनेक महापुरुषों का महत्व कम किये जाने की बात हो। इन मानबिन्दुओं पर होते आघात के कारण हिन्दुओं की आस्था के केंद्र बिंदु कम होते चले गए व मुस्लिम समाज में भी अलगाव बढ़ता गया। विदेशी आक्रांताओं ने समय-समय पर भारत पर हमले कर हमें पराधीन करने का प्रयास किया। हम पराधीन भी हुए, लेकिन कभी भी हमने पराधीनता स्वीकार नहीं की। हम उसके खिलाफ़ संघर्ष करते रहे। परंतु 1947 में हमारे अपने ही राजनैतिक नेतृत्व ने विभाजन को स्वीकार कर लिया। यह देशवासियों के लिए सबसे दुखद था। अंग्रेज जो स्वतंत्रता हमें जून 1948 तक देने वाले थे। वह 15 अगस्त 1947 को दी जाएगी, ऐसी घोषणा उनके द्वारा 3 जून 1947 को ही कर दी गयी। ताकि कांग्रेस व मुस्लिम लीग को पुनः सोचने का मौका न मिल सके और देश में इसके प्रतिरोध में भी वातावरण न बन सके।

### अपनी भूमिका तय करने का समय

आज हम सबके सामने प्रश्न यह है कि हम केवल पुरानी बातों का रोना न रोते हुए, आज हम अखंड भारत के लिए क्या कर सकते है यह सोचना होगा। यह हमारा व आने वाली पीढ़ियों का दायित्व है कि हम इस अखंड भारत के स्वप्न को पूरा करेंगे। यही दृढ संकल्प हमारे आगे के रास्ते को प्रशस्त करेगा। यह कार्य हम ही प्रारंभ करेंगे ऐसा नहीं है, हमारे पूर्वजों ने भी इस कार्य को जारी रखा। इसी कारण आज हम इस अखंड भारत के विषय में अपनी भूमिका के बारे में सोच पा आ रहे हैं। प्रसिद्ध विद्वानों के निष्कर्षों तथा कथनों से भी ध्यान में आता है कि भारत का विभाजन स्थायी नहीं है। जनरल करिअप्पा ने कहा है कि भारत फिर से संगठित (एक) होगा। महर्षि अरविन्द के शब्दों में हम स्थाई विभाजन के निर्णय को स्वीकार नहीं करते। महात्मा गाँधी के अनुसार दोनों की सांस्कृतिक एकता तथा दोनों में लचीलापन ही दोनों को एक बनाने का प्रयत्न करेगा।

# आजादी को आजादी ही रहने दो

कोई सिर्फ चंद रुपयों के लिए किसी अपने की हत्या कर देता है तो कोई अपनी ही बहू-बेटियों को बेच देता है। लेकिन एक अन्य पहलू यह भी है कि आजादी मिलने के नाम पर कुछ लोग अपनी जिंदगी का ऐसा नंगा नाच दिखाते हैं जिसके कारण सभी को एक ही लाइन में खड़ा कर दिया जाता है। खुलेमने को आजादी का नाम देकर बेखौफ अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। विशेषकर आज की कुछ युवा पीढ़ी अपने देश के पारिवारिक मूल्यों को भूलकर उस आजादी के पीछे भाग रही है जिसे पकडक़र शायद वे खुद तो बरबाद होंगे ही और उन युवाओं के लिए भी रोड़े खड़ा करेंगे जिन्होंने अभी-अभी उडऩा ही सीखा है।

**इस** वर्ष हम आजादी की 76वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह वर्ष बुलंद हौंसलों की वो आवाज है जो अंग्रेजी सल्तनत के समय कुचले जाने के कारण भी न दबी, न मरी बल्कि कई जुल्मों को चीरते हुए आज हम तक स्वच्छंद हवा के रूप में हमारी रगों में बह रही है। लेकिन यह हवा आज लगातार जहरीली होती जा रही है। शायद इस हवा में सांस लेने वाले लोग उन लाखों बलिदानियों की शहादत को भूल गए हैं जिन्होंने हमारी आजादी के लिए अपना शरीर, अपना परिवार, अपना बचपन, अपनी जवानी और अपनी रुह तक को न्योछावर कर दिया। आखिर क्यों भूल गए हम कि उन बलिदानियों का कर्ज उतारने की जगह हम वर्तमान में ऐसे गूढ़ा कर्ज लेते जा रहे हैं जिसके लिए हमारा भविष्य हमें कभी माफ नहीं करेगा। इस गूंगे समाज में हमारे देश की आजादी के लिए सूनी कोख वाली माताओं के लिए शब्द तो अभी भी छन-छन कर ही आते हैं। तभी मणिपुर में निर्वस्त्र उन महिलाओं की कराहना के लिए भी हमारे समाज के कान बहरे हो गए। हालांकि मणिपुर तो एक बहाना है, रोज सडक़, चौराहे, यहां तक कि घर की चार दिवारी में लाखों बेटियों की परतंत्रता का भद्दा मजाक बनाया जाता है और यह मजाक आजादी के नाम पर बड़े-बड़े समारोह की शान बनता हुआ अक्सर देखा जाता है। लेकिन हम शांत हैं क्योंकि हमारी खामोशी, हमारी आजादी को मनाने के लिए बहुत जरूरी है। यह मसला किसी वर्ग विशेष तक सीमित नहीं। घर से निकलते ही सडक़ पर हजारों गाडियां इस तरह आजादी मना रही होती हैं कि पैदल चलने वाले और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करने वाले स्वयं उनसे अपनी आजादी की भीख मांग रहे होते हैं। वहीं सडक़ के दोनों तरफ अपनी खुशी को ढूंढने निकले फल, सब्जी व चाय का ठेला लगाने वाले विक्रेता, स्वयं बड़े-बड़े मॉल से प्रतियोगिता करने के लिए आतुर से दिखते हैं। क्योंकि अगर कोई मॉल से निकल कर उन ठेलों से खरीददारी कर लेता है तो वे स्वयं आजादी को अनुभव करने लग जाते हैं। उनकी वही खुशी उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोटी-कपड़ा-मकान जैसी जरूरतों के लिए मार्ग दिखाती है। इन्हीं लोगों का कोई होनहार बच्चा स्कूल या कॉलेज तक पहुंच भी जाता है तो दिखावटी स्टेटस के चलते स्वयं को उन लोगों के बीच परतंत्र सा महसूस करने लगता है। यही बच्चे जब अपने अध्यापकों से सहमे से और अकेले में पढऩे के लिए पुस्तकों का खर्च पूछते हैं तो उनकी आजादी के मायने सिस्टम के सामने फेल से नजर आते हैं क्योंकि शायद स्कूली दरवाजा सरकारी खर्च पर खुला भी मिल जाए लेकिन आगे की पढ़ाई का खर्च स्वयं ही उठाना पड़ता है । वहीं खुदा न करें उनके परिवार का कोई सदस्य बीमार पड़ जाए तो पुस्तकों के लिए जमा की गई पूंजी अस्पतालों में ईलाज पर खर्च हो जाती है। वहां पर भी शायद सरकारी अस्पताल के नाम पर एक बिस्तर मिल भी जाए लेकिन दवाईयों का भारी खर्च स्वयं ही सहन करना पड़ता है। उस समय उनकी मजबूरी कहती है कि हमें मंजूर है उनकी परतंत्रता जो हमें समय पर हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए धन उपलब्ध करवा दे। अगर उस समय परतंत्रता की बेडियां पहनाने के लिए भी कोई शख्स नहीं मिलता है तो धन देने वाले साहूकार उस समय तो देवदूत बन जाते हैं, लेकिन समय पर धन ब्याज सहित न चुकाने के कारण यमदूत भी बन जाते हैं। उस समय यह समझ नहीं आता कि आजाद मुल्क में लंबी-लंबी सांस लें या एक ही झटके में स्वयं को खत्म कर लें और न जाने इस परिस्थितियों में कितने ही हजारों-लाखों लोगों की आत्माएं अमर भी हो गई होंगी। यह सूची इतनी लंबी है कि आजादी के 76 वर्ष बीत जाने के कारण भी खत्म ही नहीं हो रही। कोई सिर्फ चंद रुपयों के लिए किसी अपने की हत्या कर देता है तो कोई अपनी ही बहू-बेटियों को बेच देता है। लेकिन एक अन्य पहलू यह भी है कि आजादी मिलने के नाम पर कुछ अपनी जिंदगी का ऐसा नंगा नाच दिखाते हैं जिसके कारण सभी को एक ही लाइन में खड़ा कर दिया जाता है। खुलेमने को आज़ादी का नाम देकर बेखौफ अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। विशेषकर आज की कुछ युवापीढ़ी अपने देश के पारिवारिक मूल्यों को भूलकर उस आज़ादी के पीछे भाग रही है जिसे पकडक़र शायद वे खुद तो बरबाद होंगे ही और उन युवाओं के लिए भी रोड़े खड़ा करेंगे जिन्होंने अभी-अभी उडऩा ही सीखा है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आजादी को सिर्फ आजादी ही रहने दो क्योंकि अंग्रेजों की अधीनता में 200 साल रही यह आजादी, आज स्वच्छंद सोच व उज्ज्वल भारत की वो सोच है जिसमें सभी वर्गों के लिए समान सोच, समान अवसर व समान मार्ग प्रशस्त हो जिस पर चलकर हम सब आजादी का आनंद उठा सकें। चिंतन का विषय यह है कि क्या आज सभी के लिए आजादी संभव है या नहीं।

## दृष्टिकोण

# भारत के विभाजन के समय सेना का यूं हुआ बंटवारा

**भारत** के विभाजन के समय सेना और प्रशासन का बंटवारा भी राजनीतिक बंटवारे के समान ही पेचीदा था। खासकर सेना का बंटवारा रगों में खून के तत्वों के पैथोलॉजिकल पृथकीकरण जैसा था, क्योंकि हर सैनिक ने एक साथ ट्रेनिंग लेने के साथ देश की आन-बान और शान की खातिर मर मिटने की कसम खाई थी। इधर, सभी ने विश्व मंच पर एक साथ युद्ध लड़े और जीते। साथ जिये थे और साथ ही मरे भी। सेना और प्रशासन के बंटवारे के लिए 15 अगस्त 1947 से पहले ही वायसराय ने दो अंतरिम सरकारें बना ली थीं, जिनका मुखिया स्वयं वायसराय/गवर्नर जनरल था। एक सरकार का कार्यकारी मुखिया या उपाध्यक्ष पंडित जवाहर लाल नेहरू तो दूसरी अंतरिम सरकार का मुखिया मोहम्मद अली जिन्ना को बनाया गया था। द्विपक्षीय मामलों में दोनों ही अंतरिम सरकारों की वायसराय की अध्यक्षता में साझा बैठकों की व्यवस्था थी। नए स्वाधीन राष्ट्रों के जन्म के साथ ही उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फौरी तौर पर सेनाओं की अहं भूमिका को देखते हुए सेनाओं का बंटवारा किया गया और दोनों सेनाएं 14 और 15 अगस्त 1947 से पहले तैनात हो गईं। विभाजन के समय पहले सेना का बंटवारा किया गया और बाद में दोनों स्वतंत्र राष्ट्रों की तीनों सेनाओं के मुखिया वायसरॉय की ओर से अंतरिम सरकारों/ वायसरॉय की परिषदों द्वारा नियुक्त किये गये जो कि अंग्रेज ही थे। वायसरॉय हाउस नई दिल्ली की 30 जुलाई 1947 को जारी अधिसूचना के अनुसार वायसरॉय की अध्यक्षता में गठित दोनों भावी स्वतंत्र राष्ट्रों की अंतरिम सरकारों ने दोनों देशों की पुनर्गठित सेनाओं के लिये जो शीर्ष कमाण्डर या प्रमुख चुने उनमें भारत के लिये कैप्टन जे.टी.एस. हॉल को रियर एडमिरल के रैंक में भारतीय नोसेना का नेतृत्व दिया गया। इसी प्रकार कमोडोर जे.डब्लु. जेफर्ड को पाकिस्तानी नोसेना का प्रमुख नियुक्त किया गया। थल सेनाओं के तात्कालित नेतृत्व के लिये ले.जनरल सर रॉब लॉकहर्ट का भरतीय थल सेना का और ले. जनरल सर फ्रेंक मेसर्वी को पाकिस्तानी थल सेना का नेतृत्व सौंपा गया। इसी तरह एयर मार्शल सर थॉमस इल्महर्ट को एयर मार्शल के रैंक में भारत की वायुसेना का और एयर वाइस मार्शल ए. एल.ए. पेरी कीने को पाकिस्तान की वायु सेना का प्रमुख नियुक्त किया गया। विभाजन के समय सेना का बंटवारा जुलाई के महीने पार्टिशन काउंसिल द्वारा दो चरणों में किया गया था। पहला चरण धर्म के आधार पर मोटे तौर पर तय हुआ था, जिसका मतलब था कि मुसलमान सैनिक पाकिस्तान के हिस्से में और हिन्दू तथा सिख भारत के हिस्से में जाएंगे, लेकिन दूसरा चरण सैनिकों द्वारा स्वेच्छा से भारत या पाकिस्तान का चयन करने के विकल्प का था। सशस्त्र सेना उपसमिति की सिफारिश के अनुसार थल एवं नोसेना का बंटवारा या दोनों भावी देशों के लिए 11 जुलाई 1947 को तय हुआ। ऐसा माना जाता है कि विभाजन के समय भारतीय सेना में 30-36 प्रतिशत मुसलमान थे। विभाजन के बाद भारत की सेना में केवल 2 प्रतिशत मुसलमान रह गए थे जिन्होंने मजहब की बजाय मातृभूमि को चुना। इनमें दो मुसलमान लेफ्टिनेंट जनरल के पद तक पहुंचे और छह मेजर जनरल बने। सेना का बंटवारा तय करने वाली सशस्त्र सेना पुनर्गठन समिति को अनुमान था कि मुसलमान सैनिक मजहब के नाम पर पाकिस्तान को ही चुनेंगे। लेकिन समिति की उम्मीदों के विपरीत कम से कम 215 मुस्लिम कमीशन अधिकारियों और 339 वीसीओ (वायसराय के कमीशन अधिकारी, जिन्हें बाद में जूनियर कमीशन अधिकारी कहा जाता है) ने भारत को चुना। रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत में रहने का निर्णय लेने वालों में ब्रिगेडियर मुहम्मद उस्मान और मुहम्मद अनीस अहमद खान और लेफ्टिनेंट कर्नल इनायत हबीबुल्लाह जैसे बेहतरीन अधिकारी उल्लेखनीय थे।

## देश दुनीया से

# आजादी का अमृत महोत्सवः गांधी की नैतिक शक्ति और चर्चिल, वैचारिक जंग में एक व्यवहार की जीत

**महात्मा** गांधी पश्चिम और दक्षिण अफ्रीका में राजनीतिक रूप से परिपक्व हुए। जबकि ब्रिटिश साम्राज्य के प्रति चर्चिल का भरोसा इंडिया ऑफिस से उनके जुड़ाव और सेना में सक्रिय सेवा सहित विभिन्न पदों पर रहते हुए भारत और दक्षिण अफ्रीका की यात्राओं में दृढ़ हुआ। गांधी जी गुजरात के एक छोटे से मुफस्सिल शहर से ताल्लुक रखते थे, जहां स्थानीयता प्रचलित थी और जो 1857 की क्रांति के प्रभाव से बहुत दूर थी, जिसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है।चर्चिल एक शक्तिशाली कुलीन परिवार से थे। उनका जन्म 1867 के रिफॉर्म ऐक्ट के पारित होने के चरम दौर में हुआ था, जब मुक्त व्यापार को अर्थव्यवस्था के मूलाधार के रूप में स्वीकार किया गया था, और बेजोड़ नौसैनिक शक्ति के साथ अब तक के सबसे बड़े साम्राज्य को बनाए रखने की आवश्यकता के मद्देनजर ब्रिटेन में सर्वसम्मति की राजनीति सामने आई थी। गांधी का विकास ज्यादा असाधारण था, क्योंकि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत ब्रिटिश साम्राज्य में विश्वास रखने वाले के रूप में की थी, लेकिन फिर न केवल भारतीय उपमहाद्वीप में, बल्कि एशिया और अफ्रीका में भी वह इसके सबसे बड़े और मजबूत विरोधी के रूप में उभरे। वह उपनिवेशवाद को उसकी तमाम क्रूरताओं और अमानवीयता के साथ समाप्त करने के लिए प्रेरक बने, जिसे हेरोल्ड मैकमिलन ने 1960 में प्रिटोरिया में अपने ऐतिहासिक संबोधन में 'परिवर्तन की बयार' कहा था। चर्चिल अपने पिता रैनडोल्फ की तरह, जो 1885 में भारत के राज्य सचिव थे, भारत में ब्रिटिश शासन के लाभकारी पक्ष में विश्वास करते थे। ब्रिटेन के पास 2.3 करोड़ भारतीयों को ऊपर उठाने के लिए अपने ज्ञान, कानूनों और उच्च सभ्यता का उपयोग करने का एक विशिष्ट मिशन था। भारत ब्रिटेन के लिए उतना ही महत्वपूर्ण था, जितना कि ब्रिटेन भारत के लिए था। चर्चिल का मानना था कि अंधविश्वासों और बर्बरता के कारण भारत कभी मुक्तिदायक विचारों का अनुभव नहीं करेगा, यही कारण है कि इसे स्वतंत्र उपनिवेश का दर्जा नहीं मिला था। उन्होंने जाति व्यवस्था पर हमला किया और उस गिरावट की ओर इशारा किया, जो अनेक हिंदुओं को स्थायी रूप से न्याय से वंचित करने को उचित ठहराती थी। वह इस्लाम के भी उतने ही बड़े आलोचक थे, लेकिन जिन्ना के प्रति झुकाव के बाद वह इस्लाम-विरोधी नहीं रह गए थे। वह मुस्लिम नेताओं को कांग्रेस के स्वशासन की मांग में एक प्रभावी बाधा मानते थे। उन्हें पूरा भरोसा था कि प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान तुर्की (अब तुर्किये) के खिलाफ ब्रिटिश झंडे के नीचे लड़ने के अनुभव से मुसलमान ब्रिटिश राज के प्रति वफादार रहेंगे। जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए जनरल डायर को चेतावनी देने के बावजूद ब्रिटिश साम्राज्य के नैतिक आधार में उनका विश्वास कभी कम नहीं हुआ। हालांकि, वह कभी भी उपनिवेशवाद की अपमानजनक और अमानवीय रवैये को नहीं समझ सके और न ही भारत में सत्ता बनाए रखने के लिए औपनिवेशिक प्रशासन द्वारा अक्सर इस्तेमाल की जाने वाली क्रूर शक्ति को समझ सके। चर्चिल ने गांधी और कांग्रेस को घृणा और भय की दृष्टि से देखा और गांधी को खतरनाक, कट्टर और तपस्वी बताया। उनकी पहली मुलाकात 28 नवंबर, 1906 को हुई थी, जब चर्चिल उपनिवेशों के लिए राज्य के अवर सचिव थे और गांधी दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के प्रवक्ता थे।

गांधी जी गुजरात के एक छोटे से मुफस्सिल शहर से ताल्लुक रखते थे, जहां स्थानीयता प्रचलित थी और जो 1857 की क्रांति के प्रभाव से बहुत दूर थी, जिसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है।चर्चिल एक शक्तिशाली कुलीन परिवार से थे। उनका जन्म 1867 के रिफॉर्म ऐक्ट के पारित होने के चरम दौर में हुआ था, जब मुक्त व्यापार को अर्थव्यवस्था के मूलाधार के रूप में स्वीकार किया गया था, और बेजोड़ नौसैनिक शक्ति के साथ अब तक के सबसे बड़े साम्राज्य को बनाए रखने की आवश्यकता के मद्देनजर ब्रिटेन में सर्वसम्मति की राजनीति सामने आई थी। गांधी का विकास ज्यादा असाधारण था, क्योंकि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत ब्रिटिश साम्राज्य में विश्वास रखने वाले के रूप में की थी, लेकिन फिर न केवल भारतीय उपमहाद्वीप में, बल्कि एशिया और अफ्रीका में भी वह इसके सबसे बड़े और मजबूत विरोधी के रूप में उभरे।

# रूसी गोलाबारी में 7 यूक्रेनियों की मौत: मरने वालों में 23 दिन की बच्ची शामिल; यूक्रेन बोला- आतंकी लोगों को मारना बंद नहीं करेंगे

**मास्को।**
यूक्रेन के खरसोन इलाके में रविवार को रूस की गोलाबारी से 7 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले में एक 23 दिन की बच्ची और एक परिवार के 4 लोगों शामिल हैं। यूक्रेन के गृह मंत्री ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी खरसोन में नाइपर नदी के किनारे बसे गांव शिरोका बाल्का में हुई। गोलीबारी के बाद एक 12 साल का बच्चा घायल हालत में मिला था, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। गृहमंत्री ने टेलीग्राम पोस्ट में लिखा- आतंकवादी (रूसी सैनिक) कभी भी लोगों को मारना नहीं बंद नहीं करेंगे। उन आतंकवादियों को पूरी ताकत लगाकर रोकने की जरूरत है। वे कुछ और नहीं समझते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस हमले की निंदा की है।

### यूक्रेन का जंग में बढ़त बनाने का दावा

रूस की तरफ से ये हमला तब हुआ जब ही यूक्रेन की उप-रक्षामंत्री हेन्ना मेलियार ने रूस के कब्जे वाले खेरसान के नाइपर नदी के पूर्वी तट पर यूक्रनी सैनिको के होने की अफवाहों को खारिज किया था। यूक्रेनी मिलिट्री के अधिकारियों ने बताया कि सेना ने दक्षिण में बढ़त बनाई है, दक्षिणी जेपोरेजिया प्रांत में एक गांव और कुछ प्रमुख इलाकों पर कब्जा किया है।

यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बताया कि उन्होंने जेपोरेजिया प्रांत के रोबोटाइन इलाके में कुछ सफलता मिली है। जेपोरेजिया पर इस समय रूस का कब्जा है, जिसे यूक्रेन दक्षिण में मेटियोपोल की ओर बढ़ते हुए वापस लेने की कोशिश कर रहा है।

### एक हजार किलोमीटर में फैली लड़ाई

पिछले कुछ हफ्तों में फ्रंट लाइन पर लगभग 1000 किलोमीटर के दायरे में कई जगहों पर लड़ाई हुई है। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई शुरू की है। इसमें उसे पश्चिमी देशों से हथियारों और सैनिकों को ट्रेनिंग करने में मदद मिली है। रूस में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एयर डिफेंस सिस्टम ने कुर्स्क इलाके में एक ड्रोन और बेलगोरोद में तीन मार गिराए। यूक्रेन की तरफ से रूस के सीमाई इलाकों पर रोजना ही ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। मई में क्रेमलिन पर हुए ड्रोन हमले के बाद से रूस पर ड्रोन अटैक बढ़ गए हैं। हाल के दिनों में मॉस्को और क्रीमिया दोनों पर हमले हुए हैं। जंग के 17 महीनों के बाद रूस पर ड्रोन हमला यूक्रेन की रूस को अस्थिर करने की नीति का हिस्सा है जिसका मकसद रूस को जंग से पैदा हुए बुरे नतीजों को बताना है। वहीं, रूस ने बताया कि उसने ब्लैक सी में एक कार्गो शिप पर वार्निंग शॉट फायर किया है।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत-चीन में 19वें दौर की कॉर्प्स कमांडर लेवल मीटिंग : एक्सपर्ट बोले- रिश्ते सुधारने के लिए एलएसी पर शांति जरूरी; ब्रिक्स में मिलेंगे मोदी-जिनपिंग

**बीजिंग।** भारत और चीन के बीच कॉर्प्स कमांडर लेवल पर 19वें दौर की बातचीत होगी। इससे पहले सिक्योरिटी एक्सपर्ट रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल संजय कुलकर्णी ने कहा- अगर चीन भारत के साथ बेहतर रिश्ते चाहता है तो एलएसी पर शांति बेहद जरूरी है। डेमचोक और देपसांग जैसे फ्रिक्शन पॉइंट्स अभी भी हमारी प्राथमिकता हैं। कुलकर्णी ने उम्मीद जताई है कि ये बातचीत सफल रहेगी और दोनों देश तनाव कम करने की तरफ कदम बढ़ाएंगे। कमांडर स्तर की बातचीत के बाद 22-24 अगस्त के बीच साउथ अफ्रीका में ब्रिक्स समिट होगी। जिसमें पीएम मोदी के अलावा चीन के राष्टपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे। यहां भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हो सकती है। कुलकर्णी ने कहा- मुझे उम्मीद है कि इस बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्ते सुधरेंगे। एक्सपर्ट ने बताया कि आमतौर पर चीन बातचीत में तो हिस्सा लेता है, लेकिन उस दौरान किए गए वादे कभी पूरा नहीं करता। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख सेक्टर में चुशुल-मोल्दो मीटिंग पॉइंट पर कोर कमांडर स्तर की 19वें दौर की बातचीत होगी। वहीं कुछ दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत और चीन जल्द ही सीमा विवाद को लेकर बातचीत करेंगे। सीमा पर तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के बीच बातचीत रुकी नहीं है और जल्द ही दोनों देशों के बीच बैठक होगी।

### सिख युवक ने पगड़ी और दाढ़ी के साथ पूरी की मरीन कमांडो की ट्रेनिंग, अमेरिकी नौसेना के इतिहास का पहला मामला

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के एक 21 वर्षीय सिख युवक ने यूएस मरीन कॉर्प्स की ट्रेनिंग बिना अपनी दाढ़ी कटाए और अपनी धार्मिक मान्यताओं को छोड़े बिना पूरी की है। जसकीरत सिंह ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए सैन डिएगो में मरीन कॉर्प्स रिक्रूट ट्रेनिंग पूरी की। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में अमेरिकी की एक संघीय अदालत ने सेना में कर्मियों को उनकी धार्मिक मान्यता के साथ सेवाएं देने का आदेश दिया था। बता दें कि तीन सिख, यहूदी और मुस्लिम युवकों ने मरीन कमांडो की ट्रेनिंग के दौरान उनकी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की मांग को लेकर मुकदमा किया था। इसी मुकदमे पर संघीय अदालत ने अप्रैल में आदेश जारी किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका की सेना और वायु सेना में सिख जवानों को भर्ती किया जाता है लेकिन नौसेना में सीमित संख्या में ही सिख जवानों को शामिल किया जाता है और इनमें से भी मरीन कमांडों की ट्रेनिंग के लिए काफी ज्यादा प्रतिबंध हैं। मरीन कमांडों की ट्रेनिंग के लिए जवानों को अपना सिर और दाढ़ी कटानी पड़ती थी, यही वजह है कि मरीन कमांडो की ट्रेनिंग में सिख सैनिकों को अपनी धार्मिक मान्यताओं को छोड़ना पड़ता था। मिलिट्री डॉट कॉम ने सिख कोलिशन नामक गठबंधन के हवाले से लिखा कि जसकीरत सिंह सिख धार्मिक मान्यताओं के साथ मरीन कमांडो की ट्रेनिंग पूरी करने वाला पहला जवान है।

### एशिया-प्रशांत में रहने के लिए सबसे खराब शहरों में पाक के कराची का नाम

**सिंगापुर।** दुनिया में सबसे रहने योग्य शहरों की सूची जारी की गई है। इसमें भारत पाकिस्तान को पीछे छोड़ता दिख रहा है। एशिया प्रशांत (एपीएसी) की सूची में 173 शहरों का नाम शामिल है। इसमें ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना को रहने के हिसाब से सबसे अच्छा शहर बताया गया है। बता दें, शहरों की रैंकिंग स्वास्थ्य, शिक्षा, स्थिरता, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण सहित कई महत्वपूर्ण कारकों के आधार पर की गई है। दुनिया में सबसे रहने योग्य इन 173 देशों की सूची में भारत के चार शहर बेंगलुरु, चेन्नई, नई दिल्ली और मुंबई भी शामिल हैं। हालांकि, वहीं पाकिस्तान के शहर इस सूची में काफी नीचे दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वियना के बाद डेनमार्क का कोपेनहेगन ने दूसरा स्थान बरकरार रखा है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न और सिडनी सूची में तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। वहीं, शीर्ष 10 में कनाडा के तीन शहर शामिल हैं। जापान के ओसाका ने 10वां स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट में चार भारतीय शहर नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु एशिया-प्रशांत शहरों में 45 से 50वें स्थान पर हैं। रैंकिंग में सबसे नीचे खिसकने वाले 10 शहरों में से तीन यूके के एडिनबर्ग, मैनचेस्टर और लंदन और दो अमेरिका के लॉस एंजिल्स और सैन डिएगो हैं। लंदन एक साल पहले के मुकाबले 12 से गिरकर 46वें स्थान पर और न्यूयॉर्क 10वें से स्थान गिरकर 69वें स्थान पर आ गया।

## चीन की चेतावनी के बावजूद अमेरिका पहुंचे ताइवान के उप-राष्ट्रपति

# बोले- अगर ताइवान सुरक्षित है तो पूरी दुनिया सुरक्षित है; ड्रैगन ने इन्हें ट्रबलमेकल कहा

**न्यूयॉर्क।**
ताइवान के उप राष्ट्रपति विलयम लाई अमेरिका के दौरे पर हैं। इस पर चीन ने खासी नाराजगी जताई है। चीन ने उन्हें ट्रबलमेकर यानी मुसीबतें पैदा करने वाला कहा है। वहीं ताइवान ने चीन की इन धमकियों पर पलटवार किया है। उप राष्ट्रपति लाई ने कहा है कि ताइवान किसी भी धमकी से डरेगा नहीं और न ही पीछे हटेगा। चीन हमेशा से ही ताइवान के नेताओं के अमेरिका जाने पर आपत्ति जताता रहा है।

फिलहाल उप राष्ट्रपति लाई के अमेरिका दौरे को अलगाववादी कदम बताया है। चीन की इस दौरे पर नाराजगी जताने और धमकी देने की एक वजह ये भी है कि विलियम लाई अगले साल ताइवान में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में सबसे प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में चीन नहीं चाहता है कि वो अमेरिका से करीबी बढ़ाएं। लाई ने न्यूयॉर्क में अपने समर्थकों से बातचीत के दौरान कहा- अगर ताइवान सुरक्षित है तो पूरी दुनिया सुरक्षित है।

### विलियम लाई को नापसंद करता है चीन

दरअसल, लाई पराग्वे की यात्रा पर जा रहे हैं। जहां वो राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। पराग्वे उन 12 देशों में से एक है जिसने ताइवान को देश की मान्यता दी है। वहां जाने के दौरान ही लाई अमेरिका में रुके। लाई लगातार खुद को ताइवान को आजादी दिलाने के लिए काम करने वाले नेता के तौर पर पेश करते हैं। ऐसे में चीन उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करता है।

लाई के अमेरिका दौरे को ताइपे और वॉशिंगटन ने सामान्य बताते हुए चीन से ताइवान के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लेने की मांग की है। इसके बावजूद ताइवान के अधिकारियों को लगता है कि चीन इसका बदला लेने के लिए मिलिट्री ड्रिल लॉन्च करेगा। पिछले साल 2022 में ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन अमेरिका गई थीं। तब चीन ने ताइवान के इर्द-गिर्द हफ्ते भर तक मिलिट्री ड्रिल्स की थी।

### चीन के साथ ओवरलैप होता है ताइवान का डिफेंस जोन

ताइवान का एयर डिफेंस जोन उसके एयरस्पेस से काफी बड़ा है और कई जगह पर यह चीन के एयर डिफेंस जोन पर ओवरलैप कर जाता है। इसके अलावा सिर्फ एयरस्पेस ही नहीं बल्कि कहीं-कहीं पर इसमें मेनलैंड भी शामिल है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ताइवान के डिफेंस जोन में चीन की बढ़ती दखलंदाजी उसकी ग्रे जोन रणनीति का हिस्सा है जिससे वह आइलैंड पर दबाव बनाए रखना चाहता है।

### अमेरिका-चीन के रिश्तों में ताइवान सबसे बड़ा फ्लैश पॉइंट

अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि चीन के एतराज के बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा। अमेरिका भी दशकों से वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर अस्पष्ट नीति अपनाता है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन फिलहाल इस पॉलिसी से बाहर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका उसके बचाव में उतरेगा। बाइडेन ने हथियारों की बिक्री जारी रखते हुए अमेरिकी अधिकारियों का ताइवान से मेल-जोल बढ़ा दिया।

इसका असर ये हुआ कि चीन ने ताइवान के हवाई और जलीय क्षेत्र में अपनी घुसपैठ आक्रामक कर दी है। अमेरिकी विश्लेषकों के आधार पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक चीन की सैन्य क्षमता इस हद तक बढ़ गई है कि ताइवान की रक्षा में अमेरिकी जीत की अब कोई गारंटी नहीं है। चीन के पास अब दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है और अमेरिका वहां सीमित जहाज ही भेज सकता है।

अगर चीन ने ताइवान पर कब्जा कर लिया तो पश्चिमी प्रशांत महासागर में अपना दबदबा दिखाने लगेगा। इससे गुआम और हवाई द्वीपों पर मौजूद अमेरिका के मिलिट्री बेस को भी खतरा हो सकता है।

## 35 हजार फीट पर फ्लाइट में अचानक घटा केबिन प्रेशर

# पैसेंजर्स का सांस लेना मुश्किल हुआ, पायलट 3 मिनट में प्लेन 15 हजार फीट नीचे लाया

**वॉशिंगटन।**
अमेरिका में 10 अगस्त को 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ती हुए एक कॉमर्शियल फ्लाइट में केबिन प्रेशर अचानक घट गया। इससे यात्रियों को सांस लेने में मुश्किल होने लगी। प्रेशर ड्रॉप होते ही प्लेन में लगे ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गए। इसके बाद पायलट प्लेन को महज तीन मिनट में 15 हजार फीट नीचे लेकर आया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि फ्लाइट में केबिन प्रेशर कम हो गया था। ईगल एयरलाइन की फ्लाइट फ्लाइट 5916 में पैसेंजर्स को जलने की गंध और तेज आवाज आई। साथ ही लोगों में अफरातफरी मच गई। एयरलाइन ने इस परेशानी के लिए लोगों से माफी मांगी है।

### यात्रियों को प्लेन में जलने की बदबू और तेज आवाज हुई

इस विमान में फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैरिसन होव भी सवार थे। उन्होंने घटना के फोटो और अपना अनुभव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) पर शेयर किया। प्रोफेसर होव ने फोटोज शेयर कर लिखा, यह बेहद डरा देने वाली घटना थी। तस्वीरों में जलने की बदबू और तेज आवाज कैप्चर नहीं हो सकी। मैंने कई बार हवाई यात्रा की है, लेकिन यह एक्सपीरिएंस बहुत खराब था।उड़ान के बीच जैसे कुछ फेल हो गया था। केबिन पर दबाव कम हो गया था। लोग ऑक्सीजन मास्क से सांस ले रहे थे। इसके बाद विंग फ्लैप तुरंत बाहर निकाले गए जिससे हमारी ऊंचाई कम हुई और यात्रियों को ज्यादा ऑक्सीजन मिल सकी। उन्होंने अपने ट्वीट में फ्लाइट के पायलट और क्रू का सुरक्षित लैंडिंग के लिए शुक्रिया भी किया। फ्लाइट अवेयर की ओर से शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक, प्लेन 11 मिनट के अंदर करीब 20 हजार फीट तक नीचे आ गया था। 43 मिनट की यात्रा के बाद प्लेन छह मिनट से भी कम समय में 18,600 फीट नीचे आ गया था। रिपोर्ट के मुताबिक कमर्शियल प्लेन 33 हजार से 42 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ते हैं। ये माउंट एवरेस्ट से भी ऊपर है, जिसकी ऊंचाई 29,030 फीट है। यही वजह है कि प्लेन में प्रेशर केबिन होता है।

# चीन में लैंडस्लाइड से 21 लोगों की मौत, 6 लापता: जुलाई में बाढ़ से 142 लोगों की जान गई; 900 घरों की बिजली गुल

**बीजिंग।**
चीन के शीआन में भारी बारिश की वजह से लैंडस्लाइड में 21 लोगों की मौत हो गई। साथ ही 6 लोग लापता बताए जा रहे हैं। चीन के सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस लैंडस्लाइड और बाढ़ में एक हाईवे को भी नुकसान पहुंचा है और करीब 900 घरों की बिजली गुल है। शीआन के एमर्जेन्सी मैनेजमेंट ब्यूरो के मुताबिक, उनकी टीम कुत्तों की सहायता से 980 लापता लोगों की तलाश कर रही है।

### जुलाई में बाढ़ से 142 लोगों की मौत

चीनी सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में बाढ़ और लैंडस्लाइड से 142 लोगों की जान गई है। चीन में हर गर्मी के मौसम में भी बाढ़ देखने को मिलती है, लेकिन इस बार कई इलाकों में भारी बारिश तो कई इलाकों में सूखा भी देखने को मिल रहा है।

### चीन से टकराया तूफान खानून

दक्षिण कोरिया, जापान के कुछ इलाकों को नुकसान पहुंचाने के बाद खानून तूफान की चीन में एंट्री हो चुकी है। फिलहाल ये तूफान कमजोर पड़ गया है। चीनी मीडिया के मुताबिक, अभी भी बारिश की वजह से अनशन समेत निचले शहरों में अभी भी बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

### कुछ ही दिन पहले डोकसुरी तूफान ने मचाई थी तबाही

खानून तूफान ऐसे समय में चीन पहुंचा है, जब चीन के कई इलाके डोकसुरी तूफान से मची तबाही से उभर तक नहीं पाए थे। इसी साल जुलाई के आखिर में चीन के अलग-अलग इलाकों में डोकसुरी तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया था। इस तूफान से करीब 60 लोगों की जान गई थी।

### बीजिंग में 70 साल की बारिश का रिकॉर्ड टूटा

हाल ही में चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले 70 साल की सबसे ज्यादा 257.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे पहले 1951 में इतनी तेज बारिश हुई थी।

# पाकिस्तान ने रूस से ऑयल इम्पोर्ट बंद किया: रिफाइनिंग प्रोसेस में भारी नुकसान; भारत को दिखाने के लिए खरीद शुरू की थी

**इस्लामाबाद।**
पाकिस्तान अब रूस से सस्ता क्रूड ऑयल नहीं खरीदेगा। इसकी वजह यह है कि पाकिस्तान में जो रिफाइनरी यूनिट या प्लांट हैं, वो रूसी क्रूड ऑयल को रिफाइन करने में बहुत कम कामयाबी हासिल कर सके हैं। इसकी वजह से उन्हें भारी घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान ने रूस से बड़ी मिन्नतों के बाद क्रूड इम्पोर्ट डील हासिल की थी। दरअसल, भारत ने डेढ़ साल पहले रूस से सस्ता क्रूड इम्पोर्ट करने की डील की थी। इसके बाद पाकिस्तान की दो सरकारों ने भारत की बराबरी करने के लिए रूस से डील की, लेकिन उसको अब दिखावे का दांव भारी पड़ गया है।

### रिफाइनरीज ने हाथ खड़े कर दिए

रिपोर्ट के मुताबिक- सरकार ने रूस से क्रूड ऑयल इम्पोर्ट फौरन बंद करने का फैसला किया है। हालांकि, इसके लिए भी बीच का रास्ता निकाला गया है। पहले इम्पोर्ट को सस्पेंड किया गया है। इसके बाद परमानेंट बैन किया जाएगा। यह तरीका इसलिए अपनाया जा रहा ताकि रूस सरकार पाकिस्तान के इस एकतरफा फैसले से नाराज न हो जाए।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है- पाकिस्तान में सिर्फ दो रिफाइनरीज हैं। इन दोनों ने ही साफ कर दिया है कि वो अब रूस का क्रूड ऑयल रिफाइन नहीं कर सकेंगी। इसकी वजह यह है कि अरब देशों के क्रूड की तुलना में बहुत कम रिफाइन पेट्रोल दे पा रही हैं, जबकि 20प्रतिशत ज्यादा फर्नेस ऑयल निकल रहा है। इसके अलावा रिफाइनिंग के बाद रूसी क्रूड से बहुत कम केरोसिन या शिप फ्यूल मिल रहा है। जाहिर सी बात है कि पाकिस्तान सरकार ने रूस से क्रूड इम्पोर्ट का जो फैसला किया था, वो अब उसके लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गया है।

### 'ये खुदकुशी करने जैसा'

पाकिस्तान और रूस के बीच सिर्फ तीन महीने पहले यह डील हुई थी। शाहबाज शरीफ सरकार ने इसका बड़े पैमाने पर प्रचार भी किया था। इसे बड़ी डिप्लोमैटिक कामयाबी बताया गया और अखबारों में इसके लिए विज्ञापन भी दिए गए थे। जब यह डील हुई थी तब 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' में इकोनॉमी एक्सपर्ट रिजवान रजी का एक आर्टिकल पब्लिश हुआ था। रजी ने इसमें कहा था- भारत से मुकाबले के लिए पाकिस्तान सरकार ने रूस से क्रूड ऑयल इम्पोर्ट डील तो कर ली, लेकिन हमने अपनी रिफाइनरीज की हालत नहीं देखी। हमारे पास भारत की तरह दर्जनों रिफाइनरीज नहीं हैं और जो हैं, वो इस लायक नहीं हैं कि रूस के भारी क्रूड को रिफाइन कर सकें। रजी ने आगे लिखा था- हमारी रिफाइनरीज के पास 60 साल पुरानी टेक्नोलॉजी है। ये अरब क्रूड को ही बमुश्किल रिफाइन कर पाती हैं। जाहिर है रूस का क्रूड रिफाइन करने की कोशिश में ये कहीं बंद ही न हो जाएं। रूस से क्रूड इम्पोर्ट का फैसला दिखावे के लिए खुदकुशी करने जैसा होगा।

रजी की यह वॉर्निंग तीन महीने में ही सच साबित हो गई। पाकिस्तान की रिफाइनरीज ने साफ कर दिया है कि वो रशियन क्रूड को रिफाइन नहीं कर सकतीं।

## पाकिस्तान में 4 चीनी इंजीनियरों समेत 13 की मौत

# बलोच आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली; दो साल पहले 9 चीनी मारे गए थे

**क्वेटा।**
पाकिस्तान के बलूचिस्तान में रविवार दोपहर चीनी इंजीनियरों पर आतंकी हमला हुआ। पाकिस्तान में मौजूद रिपोर्टर ताहा सिद्दीकी के मुताबिक हमले में 4 चीनी इंजीनियर, 9 पाकिस्तानी सैनिक और दो आतंकी मारे गए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में 27 लोग घायल भी हुए हैं। चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के एक थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए यहां चीनी इंजीनियर मौजूद हैं। दो साल पहले भी यहां चीनी इंजीनियरों पर फिदायीन हमला हुआ था। उसमें 9 इंजीनियर मारे गए थे।

पाकिस्तान सरकार और फौज की तरफ से मरने वालों के बारे में ऑफिशियली कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि पहले फौज ने दो आतंकियों के मारे जाने का दावा जरूर किया था। बलोच लिबरेशन आर्मी ने बयान जारी करके आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है।

### मजीद ब्रिगेड ने दिया हमले को अंजाम

बलूचिस्तान में पहले भी फौज और चीन के टेक्निकल स्टाफ पर हमले होते रहे हैं। इस बार हुए हमले की जिम्मेदारी भी बलोच लिबरेशन आर्मी यानी ने ली है। उसने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया। कहा- हमले में हमारे दो शहीद शामिल थे। इनके नाम नवीद बलोच और खुदाबख्श उर्फ असलम बलोच हैं। दोनों ही तुरबत इलाके के रहने वाले थे। दोनों ही मजीद ब्रिगेड से ताल्लुक रखते हैं।

### चीन के नागरिक ही टारगेट पर क्यों

पाकिस्तान में मौजूद चीनी नागरिकों और उनके कारोबार पर खतरे को लेकर एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन की थी। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक

पाकिस्तान के तमाम आतंकी संगठन चीनी नागरिकों और उनके कारोबार या कंपनियों को ही निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बीते 5 साल में यहां उनकी ताकत और रसूख बहुत तेजी से बढ़ा है। कई जगहों पर तो वो स्थानीय लोगों से भी ज्यादा ताकतवर हैं। आतंकी संगठनों को लगता है कि चीनी नागरिकों की वजह से उनकी कम्युनिटी या इलाकों को नुकसान हो रहा है और वो उनके कारोबार छीन रहे हैं। शुरुआती तौर पर कराची और लाहौर जैसे इलाकों में चीनी नागरिकों के कारोबार और ऑफिसों पर हमले हुए। इसके बाद उनकी कंपनियों को टारगेट किया गया।

### चीनी नागरिकों के लिए अलग प्रोटेक्शन यूनिट

2014 में पाकिस्तान सरकार ने चीन के नागरिकों की सिक्योरिटी के लिए स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट बनाई थी। इसमें 4 हजार से ज्यादा सिक्योरिटी ऑफिशियल्स शामिल हैं। ज्यादातर सिक्योरिटी अफसर फौज से ताल्लुक रखते हैं। ये यूनिट 7567 चीनी नागरिकों को स्पेशल सिक्योरिटी मुहैया कराती है। अकेले बलूचिस्तान में चीनी नागरिकों की 70 मल्टी स्टोरीज बिल्डिंग हैं। इसके अलावा 24 टेम्परेरी कैम्प भी हैं। इन सभी में चीन के वो अफसर और वर्कर रहते हैं जो सीपीईसी से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं।

### सिक्योरिटी एजेंसीज पर चीन का दबाव

फरवरी में चीन की एम्बेसी ने एक बयान जारी कर पाकिस्तान में मौजूद अपने नागरिकों को सतर्क रहने को कहा था। एम्बेसी ने कहा था- चीन के नागरिकों पर आतंकी हमले का सबसे ज्यादा खतरा है। अगर बहुत जरूरी न हो तो वो पाकिस्तान छोड़कर चीन चले जाएं। इसके बाद कराची पुलिस ने माना था कि उस पर चीन की तरफ से सिक्योरिटी देने का दबाव डाला जा रहा है। इसके बाद शाहबाज शरीफ सरकार ने चीन के नागरिकों से फिलहाल, कारोबार और दफ्तर बंद करने को कहा था।

# मुख्यमंत्री ने लोगों से किया देश के लिए जीने का आह्वान

## स्वतंत्रता दिवस से पूर्व करनाल में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अगुवाई में करनाल शहर में सोमवार को एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने आजादी के संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वालों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और लोगों से देश के लिए जीने का आह्वान किया। करनाल में यात्रा शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री लाल ने कहा कि आजादी बहुत संघर्षों और बलिदान के बाद मिली है। हमारे देश के अनगिनत लोगों ने अपने प्राणों की शहादत दी है, तब हमें आजादी मिली है। हम इस आजादी को कायम रखने के लिए संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें देश की प्रगति के लिए कार्य करना चाहिए और देश के लिए जीना चाहिए। इसी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी कड़ी में करनाल में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा के लिए बड़ी संख्या में लोग रामलीला ग्राउंड में पहुंचे। सभी अपने हाथों में तिरंगा लिए थे। यहां मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपना संदेश देने के बाद तिरंगा यात्रा शुरू हुई। इस यात्रा में उनके साथ मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री वेदपाल एडवोकेट, सांसद संजय भाटिया, जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, मेयर करनाल रेणु बाला गुप्ता, इंद्री विधायक राम कुमार कश्यप, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बटला, पार्षद वीर विक्रम, युद्धवीर मौजूद थे। तिरंगा यात्रा रामलीला ग्राउंड से शुरू हुई। इस के बाद महर्षि वाल्मीकि चौक से कर्ण गेट के सामने से होते हुए सब्जी मंडी चौक पहुंची। इस दौरान बाजार में लोग हाथों में फूल लिए खड़े थे और यात्रा पर फूलों की वर्षा कर रहे थे। इसके बाद यात्रा नेहरू प्लेस की तरफ बढ़ी, वहां पर कहीं बच्चों ने तो कहीं बुजुर्गों ने यात्रा का स्वागत किया। यहां से यात्रा महावीर दल फिर सनातन धर्म मंदिर होते हुए कर्ण स्वीट्स तक पहुंची। इसके बाद पुराना बस अड्डा होते हुए वापस रामलीला ग्राउंड पहुंच कर संपन्न हुई।

## हर घर तिरंगा अभियान के तहत डूंगरपुर शहर में निकली विशाल तिरंगा यात्रा

**डूंगरपुर ( हिंस )।** भारत विकास परिषद द्वारा डूंगरपुर शहर में हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा संयोजक मुकेश श्रीमाल ने बताया कि परिषद के नगर समन्वयक महेश त्रिवेदी एवं प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश पानेरी के मार्गदर्शन में भारत विकास परिषद की तिलक शाखा, वंदेमातरम शाखा एवं मुख्य शाखा के सामूहिक नेतृत्व में शहर में दुपहिया वाहन पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में आगे देश भक्ति गीत बजाते हुए डीजे, केसरिया बाना पहने महिलाए और सैकड़ों दुपहिया वाहन पर श्वेत पोशाक धारण किए पुरुष जिनके हाथों में तिरंगा जो वंदेमातरम के जय घोष लगाते हुए यात्रा में चले। यात्रा को सभापति अमृत कलासुआ ने तिरंगा फहराकर रवाना किया जो नए हॉस्पिटल पटेल चौराहा से रवाना होकर राणा पूंजा चौराहा, तरुण सागर चौराहा, शहिद पार्क, नया बस स्टैंड, शास्त्री मार्ग, तहसील चौराहा, कलेक्ट्री, गांधी आश्रम से प्रताप सर्कल होते हुए पटेल सर्कल पर पहुंचकर यात्रा समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में भाविप पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शहर के प्रबुद्धजन सम्मिलित हुए।

## हार्डकोर अपराधियों, माफियाओं और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ नियोजित तरीके से व्यापक कार्रवाई : डीजीपी मिश्रा

**जयपुर ( हिंस )।** पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय के सभागार में पुलिस की उपलब्धियों, कार्यो, नवाचारों, योजनाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस प्रदेश में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं कानून व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य में हार्डकोर अपराधियों, माफियाओं और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ नियोजित तरीके से व्यापक कार्रवाई जा रही है डीजीपी मिश्रा ने कहा कि आमजन में सकारात्मक पहचान बनाने के साथ ही अपराधियों की आसूचना एवं प्रो-एक्टिव पुलिसिंग के माध्यम से अपराधियों पर शिकंजा कसा गया है। संगठित अपराध के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए वर्ष 2023 में राज्य में 1036 उद्घोषित अपराधी, 67 भगोड़े और 9788 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान राजपासा में कुल 73 इस्तगासे पेश कर 9 को निरुद्ध कराया गया। इन कार्रवाइयों में प्रदेश में कुल 1073 इनामी अपराधी गिरफ्तार किए गए। इनमें एक लाख के 8, पचास हजार के 13 व 40 हजार के 2 और 25 हजार के 45 इनामी अपराधी शामिल है। डीजीपी मिश्रा ने बताया कि 1 मार्च से शुरू किए गए राज्यव्यापी अभियान में 13 अगस्त तक विभिन्न अपराधों में वांछित 21 हजार 320 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें जघन्य अपराध में वांछित 937 अपराधी शामिल है। इस अभियान में 151 सीआरपीसी के तहत 35 हजार 662 गिरफ्तारी की गई, इस प्रकार कुल 56 हजार 980 अपराधी गिरफ्तार हुए। इनकी गिरफ्तारी के लिए पूरे राज्य में 29 हजार 527 टीमों का गठन कर 77 हजार 348 स्थानों पर दबिश दी गई, जिनमें 1,17,419 पुलिस अधिकारी और कर्मी शामिल थे। प्रोएक्टिव पुलिसिंग में आबकारी अधिनियम में इस वर्ष की 2021 से तुलना में 14.65 प्रतिशत की वृद्धि एवं 2022 की तुलना में 12.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एनडीपीएस एक्ट में 2021 से तुलना में 47.82 प्रतिशत की वृद्धि एवं 2022 की तुलना में 12.07 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर्म्स एक्ट में 2021 की तुलना में 38.78 प्रतिशत की वृद्धि एवं 2022 की तुलना में 11.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई। महिलाओं से दुष्कर्म के प्रकरण वर्ष 2018 में 30.47 प्रतिशत न्यायालय के माध्यम से दर्ज हुए थे। निर्बाध पंजीकरण के सकारात्मक प्रभाव के फलस्वरूप वर्ष 2023 जुलाई माह तक इनका प्रतिशत 14.13 रह गया। महिला अत्याचार के मामलों में इस वर्ष 2022 की तुलना में 0.78 प्रतिशत की आंशिक कमी आई है। नाबालिग से दुष्कर्म के मामलों में वर्ष 2019 से 2023 तक की अवधि में 13 प्रकरणों में फांसी, 255 में आजीवन कारावास, 386 में 20 वर्ष की सजा, 936 में अन्य सजा कुल 1590 प्रकरणों में सजा हुई। बलात्कार के प्रकरणों में अनुसंधान में लगने वाला औसत समय वर्ष 2018 में 136 दिन था जो वर्ष 2023 माह जुलाई तक 54 दिन रह गया। महिला अत्याचार के प्रकरणों में अनुसंधान में लगने वाला औसत समय वर्ष 2018 में 113 दिन था जो वर्ष 2023 में 57 दिन रह गया है। अनुसूचित जाति और जनजाति अत्याचार के मामलों में 2022 की तुलना में इस वर्ष 1.29 प्रतिशत की कमी हुई है। हत्या के प्रकरणों में पिछले वर्ष की तुलना में 1.39 प्रतिशत की कमी, दुष्कर्म के प्रकरणों में पिछले वर्ष की तुलना में 10.90 प्रतिशत की कमी, अपहरण के प्रकरणों में पिछले वर्ष की तुलना में 5.26 प्रतिशत की कमी आई। इन अपराधों के अनुसंधान में लगने वाला औसत समय वर्ष 2018 में 145 दिन था जो वर्ष 2023 माह जुलाई तक 64 दिन रह गया। प्रदेश में अनुसूचित जाति अत्याचार के प्रकरणों में सजायाबी प्रतिशत 41.6 है जबकि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय सजायाबी प्रतिशत 36.0 से अधिक है। अनुसूचित जनजाति अत्याचार के प्रकरणों में सजायाबी प्रतिशत प्रदेश में 45.1 है जबकि राष्ट्रीय सजायाबी प्रतिशत 28.1 से अधिक है।

## मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना का आज से शुभारंभ

**जयपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना का शुभारंभ करेंगे। राज्य सरकार जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए लगातार एक से बढ़कर एक योजनाएं संचालित कर रही है। इसी कड़ी में महंगाई से राहत देने के लिए 15 अगस्त को बिड़ला ऑडिटोरियम में अपराह्न साढ़े तीन बजे योजना की शुरुआत की जाएगी। योजना का शुभारंभ समारोह प्रदेश के नवगठित सहित सभी जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों के साथ उचित मूल्य की 25 हजार से अधिक दुकानों पर भी आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला एवं ब्लॉक स्तर पर लाइव प्रसारण किया जाएगा। राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर तथा उचित मूल्य की दुकानों पर आयोजित होने वाले शुभारंभ समारोह में पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट का वितरण किया जाएगा। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय समारोह स्थल पर एक एफपीएस कियोस्क स्थापित किया जाएगा जहां जन प्रतिनिधियों द्वारा पोस मशीन के माध्यम से लाभार्थियों को निःशुल्क फूड पैकेट का वितरण किया जाएगा। आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्य, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। इस योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) से जुड़े परिवारों को प्रतिमाह राशन की दुकान से अन्नपूर्णा फूड पैकेट मिलेगा। इस पैकेट में एक-एक किलो चना दाल, चीनी एवं आयोडाइज्ड नमक, एक लीटर सोयाबीन रिफाइण्ड खाद्य तेल, 100-100 ग्राम मिर्च पाउडर एवं धनिया पाउडर तथा 50 ग्राम हल्दी पाउडर निःशुल्क मिलेगा। प्रदेश में कोई भूखा न सोए के संकल्प को साकार करने की दिशा यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने प्रदेश के एनएफएसए परिवारों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए इस योजना की घोषणा इस वर्ष के बजट में की थी। राज्य सरकार इस योजना पर प्रतिवर्ष करीब 4500 करोड़ रुपए व्यय करेगी। मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील पहल से महंगाई के इस दौर में एक करोड़ से अधिक जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। महंगाई राहत कैंप में अब तक 1 करोड़ 4 लाख 93 हजार से अधिक लोगों ने इस योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराया है तथा स्थाई कैंपों में पंजीयन की प्रक्रिया लगातार जारी है।

## आजादी के 76 वर्ष पूरे होने पर 76 नए आम आदमी क्लीनिक पंजाब को समर्पित

**संगरूर ( हिंस )।** स्वतंत्रता दिवस से पहले राज्य के लोगों को बड़ा तोहफा देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को भारत की आजादी की 76वीं वर्षगांठ पर 76 नए आम आदमी क्लीनिक लोगों को समर्पित किए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी एक ट्वीट जारी कर इस मील का पत्थर साबित होने वाले कदम के लिए मुख्यमंत्री और पंजाब के लोगों को मुबारकबाद दी और कहा कि लोगों के कल्याण के लिए यह ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि पंजाब की तरक्की को अब कोई नहीं रोक सकेगा, क्योंकि राज्य के लोगों ने अपने बेहतर भविष्य के लिए भगवंत मान सरकार को चुना है। उन्होंने कहा कि पंजाब की तरक्की को अब कोई नहीं रोक सकेगा, क्योंकि राज्य के लोगों ने अपने बेहतर भविष्य के लिए भगवंत मान सरकार को चुना है। आम आदमी क्लीनिक लोगों को समर्पित करने के बाद में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों को मानक स्वास्थ्य सुविधाएं उनके घर में ही मुहैया करवाने के लिए यह स्वास्थ्य क्रांति के नए युग की

शुरुआत है। उन्होंने कहा कि लोगों को मुफ्त दवा मुहैया करने के साथ-साथ यह क्लीनिक 41 तरह के टैस्ट मुफ्त करने की सेवा भी दे रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि तंदुरुस्त स्वास्थ्य पर ध्यान देने के साथ-साथ इस कदम से लोगों का जीवन लंबा करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में जिलों में खाली पड़े अधिकारियों के पद भरे जाएंगे और अधिकारियों की तैनाती फील्ड में की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों को जिलों में काम अलॉट किया जाएगा, जिससे लोगों का कल्याण सुनिश्चित बने। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्होंने पहले ही ऐसे अधिकारियों की डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के तौर पर तैनाती की है, जो लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सड़क हादसों पर रोक लगाने और सड़कों पर यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए पंजाब सरकार ने *सड़क सुरक्षा फोर्स* की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि अपनी तरह की यह पहली विशेष फोर्स पंजाब में रोजाना के घटने वाले सड़क हादसों में जाने वाली कीमती जानें बचाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले पड़ाव में इस विशेष फोर्स में 1300 कर्मचारी भर्ती किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मूलभूत तौर पर 144 वाहन तैनात किए जाएंगे, जिनमें से 116 इसुजू वाहन होंगे, जो हरेक 30 किलोमीटर के दायरे में तैनात होंगे और 28 एसयू विज स्पीड राडार से लैस होंगे। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इन वाहनों में पूरी मेडिकल किट होगी, जिससे जरूरत पड़ने पर किसी मरीज को तत्काल रूप से इमरजेंसी सेवा दी जा सके।

## पंचायत की जमीनों पर खनन की मंजूरी देगी पंजाब सरकार

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत और खनन विभाग से दोनों विभागों को आपस में तालमेल कर साझे सर्वेक्षण कर पंचायत की जमीनों पर कानूनी तौर पर खनन के लिए गांवों की सूची तैयार करने के लिए कहा है। मुख्य सचिव ने सोमवार को बैठक के दौरान दोनों विभागों के अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के इस संबंध में स्पष्ट निर्देश हैं कि राज्य निवासियों को सस्ती कीमतों पर अपेक्षित रेता मुहैया करवाया जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में सार्वजनिक गड्ढों का भी उद्घाटन किया गया, जहां लोगों को 5.50 रुपए प्रति क्यूबिक फुट की कीमत के अनुसार रेता दिया जा रहा है। राज्य सरकार ऐसे और सार्वजनिक गड्ढों और कमर्शियल गड्ढों की शुरुआत जा रही है, जहां से लोगों को सस्ता रेता मिलेगा। पठानकोट जिले के गोल गांव में पंचायत की जमीन पर खनन की क्षमता संबंधी खबर का संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव ने वित्त कमिश्नर ग्रामीण विकास एवं पंचायत डीके तिवाड़ी और सचिव खनन गुरकीरत किरपाल सिंह को कहा कि इस गांव के साथ-साथ पंजाब में अन्य गांवों को भी चिन्हित किया जाए, जहां कानूनी तौर पर खनन हो सके।

## बेरोजगारी, भ्रष्टाचार में हरियाणा नंबर वन : दीपेंद्र हुड्डा

**जींद ( हिंस )।** कांग्रेस राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा सोमवार को घोघड़िया गांव में मार्केट कमेटी पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र घोघड़िया के निवास पर पहुंचे। यहां पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि आज गठबंधन सरकार में हरियाणा बेरोजगारी, भ्रष्टाचार में नंबर वन बन गया है। आज हमें लोगों को जन समर्थन मिल रहा है। उचाना हलके में घोघड़िया गांव के छोटे से कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने साबित कर दिया है। उचाना ही नहीं अब हरियाणा में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। चुनाव में भाजपा के खिलाफ वोट लेकर सत्ता के लालच में जेजेपी सत्ता में हिस्सेदार बन गई। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम लोकसभा स्तर पर आयोजित

किए जा रहे है। 20 अगस्त को हिसार में ये कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। उचाना हलके के लोगों को इस कार्यक्रम का निमंत्रण देने वो आए है। उचाना हलके से उनका खून का रिश्ता है। यहां आने के बाद अपनेपन का अहसास होता है। आज बदलाव की शुरुआत के लिए हमें लोगों का साथ चाहिए। ग्रामीणों ने दोनों हाथ उठा कर समर्थन दीपेंद्र हुड्डा को देने का आश्वासन दिया। इससे पहले उपमंडल कार्यालय में चल रहे किसानों के धरने पर पहुंच कर दीपेंद्र हुड्डा ने अपना समर्थन देते हुए कहा कि जिन मांगों को लेकर धरना दिया जा रहा है वो मांगे आज से कई साल पहले पूरी होनी चाहिए थी। कांग्रेस सत्ता में आने के बाद इन मांगों को पूरा करने का काम किया जाएगा। घोघड़िया गांव में बाइकों के बड़े काफिले के साथ दीपेंद्र हुड्डा को युवा लेकर पहुंचे। दीपेंद्र हुड्डा द्वारा कार्यक्रम आयोजक वीरेंद्र घोघड़िया की सभा में जमकर तारीफ करते हुए अपना संघर्ष का साथी बताया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश, विधायक सुभाष गंगोली, दिनेश डाहोला, बलराज कटवाल, एडवोकेट सतबीर सिंह, रामभज, सोनू बूरा मौजूद रहे।

## बोरवेल में फंसे जींद के इंजीनियर की मौत, 45 घंटे बाद मिला शव

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे पर जालंधर के निकट फ्लाईओवर के लिए बनाए जा रहे करीब 80 फीट गहरे बोरवेल में गिरे इंजीनियर का शव 45 घंटे बाद बाहर निकाला गया। एनडीआरएफ की टीमें काफी मशक्कत के बाद भी इंजीनियर को बचा नहीं सकी। सुरेश के शव को सिविल अस्पताल जालंधर में भेज दिया है। हरियाणा के जींद निवासी 52 वर्षीय सुरेश को दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे पर जालंधर के निकट फ्लाईओवर के लिए तैयार किए जा रहे बोरवेल की मशीन ठीक करने के लिए शनिवार को इंजीनियर पवन के साथ बुलाया गया था। शनिवार की शाम सुरेश अपने साथी के साथ मशीन ठीक करने के लिए बोरवेल में उतरा था। वह अपने साथ ऑक्सीजन सिलेंडर भी लेकर गया था, जब वह ऊपर आने लगा तो मिट्टी उस पर आकर गिरी। इसके बाद साइट पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घटना के बाद से एनडीआरएफ की टीमों ने लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बचाव कार्य में सबसे बड़ी दिक्कत बगल में बने तालाब की वजह से आ रही थी। एनडीआरएफ की टीमें 50 फीट तक खुदाई कर चुकी थी, लेकिन उसके बाद की मिट्टी बेहद नरम होने से बार-बार खिसक रही थी। 40 घंटे के दौरान यहां से करीब 150 टिप्पर मिट्टी के निकाले गए। इसके बावजूद सुरेश की जान नहीं बच पाई। सुरेश जिस आक्सीजन सिलेंडर को लेकर बोर में उतरा था, उसकी लाइफ भी 18 घंटे ही थी। जालंधर के अतिरिक्त उपायुक्त जसवीर सिंह ने बताया कि 45 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरेश के शव को बाहर निकाल लिया गया है। 50 फुट की खुदाई के बाद मिट्टी काफी नरम थी। वह बार-बार खिसक रही थी, जिसके चलते रेस्क्यू में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार रात यहां मिट्टी दोबारा खिसक गई थी। उसके बाद सोमवार सुबह भी दो बार मिट्टी खिसक चुकी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले किया जाएगा।

## आरएसएस ने तिरंगा यात्रा निकाल मनाया अखंड भारत संकल्प दिवस

**जम्मू ( हिंस )।** जम्मू कश्मीर के रणवीर सिंह पुरा में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्वावधान में अखंड भारत संकल्प दिवस पर देश के शहीदों की याद में संघ के कार्यकर्ताओं ने आरएस पुरा कस्बे में करीब 500 फुट लंबा राष्ट्रीय ध्वज लेकर पहले पदयात्रा निकाली फिर बाइक रैली निकाली। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कोटली गला बना आरएस पुरा से मुख्य कस्बे से होते हुए यह रैली भारत पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा सुचेतगढ़ भी पहुंची। अनिल कपूर, सचिन चौपड़ा समेत सैकड़ों की संख्या युवाओं ने रैली में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने हाथों में राष्ट्रीय झंडा पकड़ रखा था और वे बाइक पर सवार होकर भारत माता के जयकारे लगा रहे थे, जिससे क्षेत्र का वातावरण देशभक्तिमय हो गया। इस दौरान वक्ताओं ने अखंड भारत संकल्प दिवस पर रोशनी डालते हुए आमजन को आजादी का महत्व समझाया। उल्लेखनीय है कि हर साल स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त को अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता देश के लोगों को आजादी हासिल करने तक देश के असंख्य लोगों ने अपना बलिदान दिया है, जिनकी याद में अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया जाता है। आज भी जहां इस रैली में भी प्रतिभागी कार्यकर्ताओं ने आम लोगों के साथ अखंड भारत के सपने को साकार करने का संकल्प लिया।

## नूंह हिंसा भड़काने में यूट्यूबर की रही भूमिका, 80 हिरासत में

**नूंह/गुरुग्राम ( हिंस )।** बृज मंडल यात्रा के दौरान में नूंह में हुई हिंसा के पीछे यूट्यूबर्स का बड़ा हाथ बताया जा रहा है। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है। पुलिस ने ऐसे 80 यूट्यूबर्स को भी हिरासत में लिया है, जो एक्सक्लूसिव वीडियो, फोटो लेने के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने दावा किया है कि 18 से 25 साल के बीच के करीब 80 युवाओं ने बेरोजगारी में कमाई करने के लिए यूट्यूब और सोशल मीडिया के माध्यम से कमाई करना चाहते थे। पुलिस की प्राथमिकता जांच में सामने आया है कि नूंह हिंसा में 80 यूट्यूबर की भूमिका सामने आई है। ये एक्सक्लूसिव वीडियो और फोटो लेने नूंह पहुंचे थे।

## बीएसएफ ने पठानकोट सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठिया किया ढेर

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर एक ऑपरेशन के दौरान रविवार की रात पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर किया है। इस दौरान बीएसएफ ने करीब 14 राउंड फायरिंग की। जानकारी के अनुसार सामान्य तौर पर बीएसएफ के जवान पठानकोट में भारत-पाक सीमा पर कमलजीत पोस्ट के निकट गश्त पर थे। इसी दौरान बीएसएफ को सीमा पार से झाड़ियों में आहट सुनाई दी। सर्च लाइट से देखने पर पता चला कि एक व्यक्ति भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा है। बीएसएफ द्वारा कई बार चेतावनी देने के बावजूद जब वह नहीं रुका तो बीएसएफ ने फायरिंग शुरू कर दी। इससे घुसपैठिया वहीं पर ढेर हो गया। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस द्वारा सोमवार सुबह से ही सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। लाश को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

## अखिल भारतीय अग्रवाल समाज महिला विंग ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

**जींद ( हिंस )।** अखिल भारतीय अग्रवाल समाज महिला विंग जींद द्वारा सोमवार को हिंदू कन्या महाविद्यालय में तीज का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस महोत्सव में काफी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया और महोत्सव का खुब आनंद उठाया। इस मेले में विभिन्न कार्यक्रम जैसे सेल्फी प्वायंट, डांस प्रतियोगिता, झूला प्रतियोगिता, तंबोला प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। मेले में तीज क्वीन और मिसेज जींद का चयन भी किया गया। इस मेले में बच्चों द्वारा खेलों व खाने पीने की वस्तुओं के स्टॉल भी लगाए गए। तीज क्वीन व मिस जींद में काफी लड़कियों व महिलाओं ने भाग लिया। जिसमें तीज क्वीन का ताज चेतना गर्ग के नाम रहा जबकि मिस तीज का ताज सलोनी बंसल के नाम रहा। इन सबको मुख्यअतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी मीना शर्मा, रजनीश जैन व पुष्पा गोयल ने कहा कि तीज का यह त्यौहार पुराने समय से चला आ

रहा है। कहा जाता है कि इस दिन मां पार्वती ने भगवान शिव के साथ पुनर्मिलन किया था। उसके बाद से यह दिन तीज के त्यौहार के नाम से मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखती है। इस दिन शिव और पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि तीज जैसे त्यौहार हमारी प्राचीन और सांस्कृतिक धरोहर हैं। हमें इस धरोहर को संजोये रखना चाहिए और इस प्रकार के त्योहारों को धूमधाम से मनाने चाहिए। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल, मंजू सिंगला, डेजी जैन, नीलम गर्ग, रेणु गर्ग, नेहा बंसल, दीप्ति मित्तल, सरोज गर्ग, मीरा सिंगला, शशि, सुमन अग्रवाल, कौशल, अंजू सिंगला इत्यादि ने कहा कि धर्म में व्रत और त्योहारों का बडा महत्व है जिसमें तीज एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ तीज जैसे त्योहारों का आकर्षण कम होता जा रहा है। हमें सामाजिक रस्मों से जुड़े तीज जैसे सभी त्योहारों को धूमधाम से मनाना चाहिए। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रधान डा. राजकुमार गोयल ने कहा कि समय के साथ-साथ तीज जैसे त्योहारों का आकर्षण कम होता जा रहा है। इस प्रकार के त्योहारों को जिंदा रखने के लिए पिछले कई सालों से अग्रवाल समाज की महिला विंग द्वारा समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में तीज का त्यौहार हिंदू कन्या महाविद्यालय में बडी धूमधाम से मनाया गया।

# आज खत्म हो रही अमृत-कलश स्कीम : इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60प्रतिशत और अन्य को मिल रहा 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज

**नई दिल्ली।**

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश यानी 15 अगस्त को खत्म हो रही है। इस स्कीम के तहत सीनियर सिटिजन को एफडी पर 7.60प्रतिशत और अन्य को 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है। ऐसे में अगर आप एफडी पर ज्यादा ब्याज चाहते हैं तो इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं।

**ये एक स्पेशल टर्म डिपॉजिट** - अमृत कलश एक स्पेशल रिटेल टर्म डिपॉजिट यानी एफडी है। इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60प्रतिशत और आम नागरिकों को 7.10प्रतिशत के दर से इंटरेस्ट रेट मिलता है। इसमें अधिकतम 2 करोड़ रुपए की एफडी करा सकते हैं। अमृत कलश स्कीम के तहत आपको ब्याज का भुगतान प्रति महीना, प्रति तिमाही और हर छमाही किया जाता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एफडी ब्याज का पेमेंट तय कर सकते हैं।

**ऑनलाइन या ऑफलाइन कर सकते हैं निवेश** - इस स्कीम में निवेश करने के लिए आप बैंक के ब्रांच जाकर भी निवेश कर सकते है। वहीं नेटबैंकिंग और सेबी योनो ऐप के जरिए भी इसमें निवेश किया जा सकता है। अमृत कलश पर आम एफडी की तरह ही लोन लेने की सुविधा भी मिलती है।

**सेबी वीकेयर स्कीम में भी 30 सितंबर तक कर सकेंगे निवेश** - सेबी ने अपनी एक अन्य स्पेशल टर्म डिपॉजिट स्कीम वीकेयर की लास्ट डेट को भी आगे बढ़ाया है। अब इस स्कीम में 30 सितंबर 2023 तक निवेश किया जा सकता है। सेबी की इस स्कीम में सीनियर सिटीजन को 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के डिपॉजिट पर 50 बेसिस पॉइंट्स का एक्स्ट्रा ब्याज मिलेगा। सीनियर सिटिजन को 5 साल से कम के रिटेल टर्म डिपॉजिट पर आम पब्लिक के मुकाबले 0.50प्रतिशत ज्यादा ब्याज मिलता है। वहीं वीकेयर डिपॉजिट स्कीम के तहत 5 साल या इससे ज्यादा की एफडी पर 1प्रतिशत ब्याज मिलेगा। हालांकि, मैच्योरिटी से पहले निकासी पर अतिरिक्त ब्याज नहीं दिया जाएगा। एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। बैंक ने इंटरेस्ट रेट्स 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर रिवाइज्ड किए हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### अडाणी-हिंडनबर्ग केस- सेबी ने 15 दिन और वक्त मांगा: सुप्रीम कोर्ट में पेश करनी थी रिपोर्ट, 29 अगस्त को अगली सुनवाई

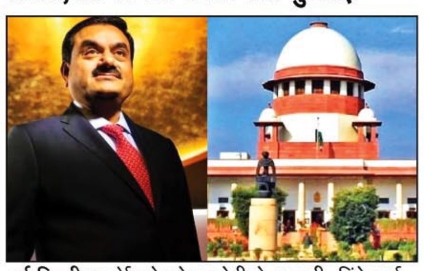

**नई दिल्ली।** मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच पूरी करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 15 दिन का और समय मांगा है। यह दूसरी बार है जब सेबी ने शीर्ष अदालत से इस मामले की जांच के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। सेबी ने बताया कि वह अडाणी ग्रुप के 24 ट्रांजैक्शन की जांच कर रही है, जिसमें से 17 की जांच पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही इस मामले के बारे में अन्य रेगुलेटर्स और दूसरे देशों से और जानकारी मांगी गई है। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को करेगा। 2 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। मार्केट रेगुलेटर को 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन सेबी की ओर से कोर्ट में पेश सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी थी। हालांकि, बेंच ने 6 महीने का समय देने से इनकार कर दिया था। बेंच ने कहा था कि वह अनिश्चित विस्तार नहीं दे सकती। हमने 2 महीने का समय दिया था और अब इसे अगस्त तक बढ़ा दिया है। यानी सेबी को कुल 5 महीने का समय मिल चुका है। सुप्रीम कोर्ट की कमेटी अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच रिपोर्ट 19 मई 2023 को सार्वजनिक कर चुकी है। कमेटी ने कहा था कि अडाणी के शेयरों की कीमत में कथित हेरफेर के पीछे सेबी की नाकामी थी, अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। कमेटी ने ये भी कहा था कि ग्रुप की कंपनियों में विदेशी फंडिंग पर सेबी की जांच बेनतीजा रही है। कमेटी ने रिपोर्ट में कहा- सेबी को संदेह है कि अडाणी ग्रुप में निवेश करने वाले 13 विदेशी फंडों के प्रमोटर्स के साथ संबंध हो सकते हैं।

### एफडी पर ज्यादा ब्याज पाने का यह सही समय, तीन साल पैसा फिक्स्ड करना है फायदेमंद

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बार इस हफ्ते रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। दरों में वृद्धि एफडी निवेशकों के लिए बेहतर फैसला हो सकता था। हालांकि, केंद्रीय बैंक के ताजे फैसले से आने वाले समय में एफडी पर ब्याज दरें कम होने लगेंगी। लंबे समय के लिए पैसा फिक्स्ड करने के फायदे का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट- विश्लेषकों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तीसरी बार दरों को अपरिवर्तित रखने के फैसले से अभी भी समय है कि आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ज्यादा ब्याज ले सकें। एफडी निवेश के लिए एक से तीन साल की समय सीमा को सबसे फायदेमंद अवधि माना जाता है। हाल के समय में एफडी में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, क्योंकि मई 2022 में जब आरबीआई ने रेपो दर में बढ़ोतरी शुरू की तो बैंकों ने भी लगातार ब्याज दरें बढ़ानी शुरू कर दी थी। पिछले 10 महीनों में केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2023 तक 2.5 प्रतिशत रेपो दर में बढ़ोतरी की। इस दौरान फिक्स्ड डिपॉजिट की दरें भी 9 प्रतिशततक पहुंच गई थी। पिछले तीन बार से रेपो दर में कोई वृद्धि नहीं होने से बैंक अब एफडी पर मिलने वाले ब्याज में कटौती कर सकते हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक अभी भी 8.60 फीसदी ब्याज एफडी पर दे रहा है। इसकी वेबसाइट के मुताबिक, एक साल के जमा पर 6.85 फीसदी, एक साल से 15 माह तक के जमा पर 8.25 फीसदी और 15 माह से दो साल के जमा पर 8.50 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। दो साल से तीन साल के जमा पर 8.60 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। एक्सिस बैंक दो साल से 30 माह तक के जमा पर 7.20 फीसदी ब्याज दे रहा है। जबकि 13 महीने से ज्यादा पर 7.10 फीसदी और 30 माह से तीन साल के जमा पर 7 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है। एचडीएफसी बैंक 4 साल से 55 महीने की अवधि पर 7.25 फीसदी ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक 15 से 18 महीने की अवधि पर 7.10 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। बैंकों के एफडी पर दरों में कटौती से यह संकेत मिल रहा है कि वे आगे भी इसे जारी रखेंगे। एफडी दरें कई कारकों से प्रभावित होती हैं। इनमें रेपो दर, कर्ज और जमा के बीच भारी अंतर और बैंकों की तरलता प्रमुख हैं। जहां तक तरलता की बात है तो 2000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने के बाद बैंकों के पास भरपूर तरलता आ गई है। यही कारण है कि आरबीआई ने बैंकों से एक लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त तरलता वापस लेने का कदम उठाया है। पिछले साल जब रेपो दर बढ़ रही थी, तब बैंकों का कर्ज 17 फीसदी बढ़ा था, जबकि जमा 10 फीसदी बढ़ा था।

# चंद्रमा के और करीब पहुंचा चंद्रयान-3 : अब उसकी चंद्रमा से सबसे कम दूरी केवल 150 केएम , लैंडिंग 23 अगस्त को होगी

**बेंगलुरु।**

इसरो ने तीसरी बार चंद्रयान-3 की ऑर्बिट घटाई। अब चंद्रयान 150 केएम × 177 केएम की ऑर्बिट में आ गया है। यानी चंद्रयान-3 चंद्रमा की ऐसी कक्षा में घूम रहा है, जिसमें उसकी चांद से सबसे कम दूरी 150 केएम और सबसे ज्यादा दूरी 177 केएम है। ऑर्बिट घटाने के लिए यान के इंजन कुछ देर चालू किए गए। अब चंद्रयान का ऑर्बिट सर्कुलराइजेशन फेज शुरू हो गया है। यानी चंद्रयान अंडाकार कक्षा से गोलाकार कक्षा में आना शुरू हो गया है। इसरो अब 16 अगस्त को सुबह 08:30 बजे अगला ऑपरेशन परफॉर्म करेगा। इसमें इसरो के बेंगलुरु स्थित हेडक्वार्टर से वैज्ञानिक चंद्रयान के थ्रस्टर फायर कर उसे 100 केएम एक्स 100 केएम की गोलाकार कक्षा में लाएंगे। 17 अगस्त को चंद्रयान के लिए काफी अहम दिन है। इस दिन इसरो चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग करेगा। फिर 23 अगस्त को शाम करीब 05:30 बजे लैंडर चांद की सतह पर लैंड करेगा। इससे पहले 9 अगस्त को चंद्रयान की ऑर्बिट घटाई गई थी, जिसके बाद ये 174 केएम × 1437 केएम की ऑर्बिट में आ गया था।

**5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान** - 22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके, इसके लिए उसकी स्पीड कम की गई थी। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7:12 बजे शुरू की गई थी।

**चंद्रयान ने चांद की तस्वीरें कैप्चर कीं** - चंद्रयान ने जब पहली बार चंद्रमा की कक्षा में एंट्री की थी तो उसकी ऑर्बिट 164 केएम × 18,074 केएम थी। ऑर्बिट में प्रवेश करते समय उसके ऑनबोर्ड कैमरों ने चांद की तस्वीरें भी कैप्चर की थीं। इसरो ने अपनी वेबसाइट पर इसका एक वीडियो बनाकर शेयर किया। इन तस्वीरों में चंद्रमा के क्रेटर्स साफ-साफ दिख रहे हैं।

**मैं चंद्रयान-3 हूं... मुझे चांद की ग्रैविटी महसूस हो रही है** - मिशन की जानकारी देते हुए इसरो ने एक्स पोस्ट में चंद्रयान के भेजे मैसेज को लिखा था, मैं चंद्रयान-3 हूं... मुझे चांद की ग्रैविटी महसूस हो रही है। इसरो ने यह भी बताया था कि चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हो गया है। 23 अगस्त को लैंडिंग से पहले चंद्रयान को कुल 4 बार अपनी ऑर्बिट कम करनी है। वो एक बार ऑर्बिट कम कर चुका है।

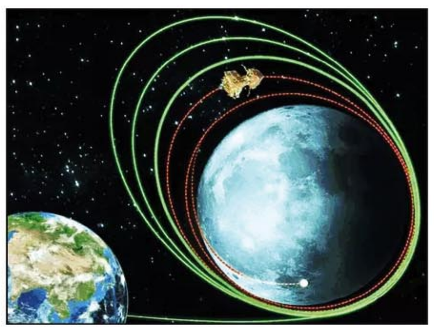

थ्रस्टर तब फायर किए जब ऑर्बिट में चंद्रमा के सबसे करीब था चंद्रयान इसरो ने बताया था कि पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग का कमांड मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स बेंगलुरु से दिया गया था। पेरिल्यून यानी वह पॉइंट जिस पर चंद्र कक्षा में एक यान चंद्रमा के सबसे करीब होता है। रेट्रो-बर्निंग यान के थ्रस्टर को अपोजिट डायरेक्शन में फायर करने को कहा जाता है। यान की स्पीड धीमी करने के लिए अपोजिट डायरेक्शन में थ्रस्टर फायर किए जाते हैं।

**चंद्रमा पर 14 दिन तक प्रयोग करेंगे लैंडर और रोवर** - चंद्रयान 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा। इसमें लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे और 14 दिन तक प्रयोग करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा। इस मिशन के जरिए इसरो चांद पर पानी की खोज करेगा। ये भी पता लगाएगा कि चांद की सतह पर भूकंप कैसे आते हैं।

**इस मिशन से भारत को क्या हासिल होगा** - इसरो के एक्स साइंटिस्ट मनीष पुरोहित कहते हैं कि इस मिशन के जरिए भारत दुनिया को बताना चाहता है कि उसके पास चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने और रोवर को वहां चलाने की काबिलियत है। इससे दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ेगा जो कॉमर्शियल बिजनेस बढ़ाने में मदद करेगा। भारत ने अपने हेवी लिफ्ट लॉन्च व्हीकल से चंद्रयान को लॉन्च किया है। इस व्हीकल की काबिलियत भारत पहले ही दुनिया को दिखा चुका है। बीते दिनों अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ने इसरो के रॉकेट के इस्तेमाल में अपना इंटरेस्ट दिखाया था। ब्लू ओरिजिन का इस्तेमाल कॉमर्शियल और टूरिज्म पर्पज के लिए करना चाहता है। जरिए ब्लू ओरिजिन अपने क्रू कैप्सूल को प्लान्ड लो अर्थ ऑर्बिट स्पेस स्टेशन तक ले जाएगा।

**साउथ पोल पर ही मिशन क्यों भेजा गया** - चंद्रमा के पोलर रीजन दूसरे रीजन्स से काफी अलग हैं। यहां कई हिस्से ऐसे हैं जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक चला जाता है। ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां बर्फ के फॉर्म में अभी भी पानी मौजूद हो सकता है। भारत के 2008 के चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था। इस मिशन की लैंडिंग साइट चंद्रयान-2 जैसी ही है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास 70 डिग्री अक्षांश पर। लेकिन इस बार एरिया बढ़ाया गया है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर एक्स 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी एक्स 2.5 किमी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला स्पेसक्राफ्ट बन जाएगा। चंद्रमा पर उतरने वाले पिछले सभी स्पेसक्राफ्ट भूमध्यरेखीय क्षेत्र में, चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण में कुछ डिग्री अक्षांश पर उतरे हैं।

**इस बार लैंडर में 5 की जगह 4 इंजन क्यों** - इस बार लैंडर में चारों कोनों पर लगे चार इंजन (थ्रस्टर) तो हैं, लेकिन पिछली बार बीचो-बीच लगा पांचवां इंजन हटा दिया गया है। फाइनल लैंडिंग दो इंजन की मदद से ही होगी, ताकि दो इंजन आपातकालीन स्थिति में काम कर सकें। चंद्रयान 2 मिशन में आखिरी समय में पांचवां इंजन जोड़ा गया था। इंजन इसलिए हटाया गया है, ताकि ज्यादा फ्यूल साथ ले जाया जा सके।

**14 दिन का ही मिशन क्यों** - मनीष पुरोहित ने बताया कि चंद्रमा पर 14 दिन तक रात और 14 दिन तक उजाला रहता है। जब यहां रात होती है तो तापमान -100 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो जाता है। चंद्रयान के लैंडर और रोवर अपने सोलर पैनल्स से पावर जनरेशन करेंगे। इसलिए वो 14 दिन तो पावर जनरेट कर लेंगे, लेकिन रात होने पर पावर जनरेशन प्रोसेस रुक जाएगी। पावर जनरेशन नहीं होगा तो इलेक्ट्रॉनिक्स भयंकर ठंड को झेल नहीं पाएंगे और खराब हो जाएंगे।

# आईआरसीटीसी के नकली एप से हो रही धोखाधड़ी, निजी जानकारी हो सकती है लीक

**नई दिल्ली ।**

अगर आप रेलवे टिकट बुक करने के लिए आईआरसीटीसी एप का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान होने की जरूरत है। आईआरसीटीसी ने ग्राहकों को एक ईमेल भेजकर कहा है कि नकली मोबाइल एप इस समय तेजी से चल रहे हैं। इसके जरिये धोखेबाज बड़े पैमाने पर नकली लिंक भेज रहे हैं और ग्राहकों को फंसा रहे हैं। आईआरसीटीसी ने कहा है कि नकली आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए मैसेज आता है। ऐसे फर्जी मोबाइल एप से बचना चाहिए। उन्हें केवल गूगल प्ले या फिर एपल एप स्टोर से ही आईआरसीटीसी के एप को डाउनलोड करना चाहिए।

## निजी जानकारी हो सकती है लीक

करोड़ों लोग आईआरसीटीसी के एप का उपयोग करते हैं। ऐसे में इस तरह के नकली एप से लोगों की निजी जानकारी धोखेबाजों के हाथ लग सकती है और इससे उन्हें नुकसान हो सकता है।

शेयर बाजार की शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी में पिछले हफ्ते 74,603 करोड़ की कमी आई है। सबसे अधिक 25,011 करोड़ एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में कमी आई। आईसीआईसीआई बैंक की पूंजी 12,781 करोड़, एयरटेल की 11,096 करोड़ और एचयूएल की 10,396 करोड़ घट गई।

## विदेशी निवेशकों ने निकाले 3,200 करोड़ रुपये

वैश्विक बाजारों में अनिश्चतता के चलते अगस्त में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 3,200 करोड़ रुपये की निकासी की है। इससे पहले इन्होंने जुलाई, जून और मई में भारी निवेश किया था। इस साल बाजार में इन निवेशकों ने अब तक 1.26 लाख करोड़ का निवेश किया है। त्योहारों में 10 लाख के पार जा सकती है यात्री वाहनों की बिक्री त्योहारों में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 10 लाख के पार हो सकती है। इस वर्ष 68 दिन के त्योहारों का मौसम 17 अगस्त से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी शशांक श्रीवास्तव ने बताया, त्योहारों के दौरान बिक्री बढ़ जाती है। यह पूरे वर्ष की बिक्री का करीब 22-26 प्रतिशत होती है। उन्होंने कहा, इस वित्तीय वर्ष में यात्री वाहन की बिक्री 40 लाख रह सकती है। इस साल उद्योग में मजबूत बिक्री देखी गई और आने वाले महीनों में भी इसके जारी रहने की उम्मीद है।

# सोने-चांदी में गिरावट: सोना 59 हजार और चांदी 70 हजार के नीचे आई, कैरेट के हिसाब से जानें गोल्ड की कीमत

**नई दिल्ली।**

सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 131 रुपए गिरकर 58,874 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,929 रुपए रह गई है।

**70 हजार के नीचे आई चांदी** - वेबसाइट के अनुसार चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 161 रुपए फिसलकर 69,937 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 70,098 रुपए पर थी।

**जुलाई में सोने में रही थी तेजी** - पिछले महीने, यानी जुलाई में सोने में बढ़त देखने को मिली थी। जुलाई की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 जुलाई 59,567 रुपए पर पहुंच गया था। यानी इसके दाम में 1,428 रुपए की तेजी आई थी।

**दो साल में 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है सोना** - केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है। वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है।

# राकेश झुनझुनवाला ने 5 हजार के निवेश से खड़ा किया 40 हजार करोड़ का एम्पायर, इन्हें मानते थे गुरु

**नई दिल्ली ।**

भारत के वारेन बफेट कहलाने वाले राकेश झुनझुनवाला की पहली पुण्यतिथि है। उनका निधन 14 अगस्त 2022 को हो गया था। राकेश झुनझुनवाला एक ऐसे दिग्गज निवेशक थे जिनको भारत के विकास की कहानी और अर्थव्यवस्था पर पूरा भरोसा था। वे मानते थे कि 21वीं सदी का आने वाला समय भारत का ही है। अपनी समझदारी भरी निवेश रणनीतियों के कारण झुनझुनवाला अपने पीछे 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति छोड़ गए थे। शेयर बाजार के बारे में उनकी दमदार समझ के कारण उन्हें भारतीय शेयर बाजार का बिग बुल कहा गया। राकेश झुनझुनवाला कहते थे, बाजार में कोई किंग नही होता और जो किंग होता है उसको बाजार जल्दी देख लेता है। मुम्बई में 5 जुलाई 1960 को जन्मे राकेश झुनझुनवाला के पिता एक इनकम टैक्स अधिकारी थे। बचपन से ही राकेश के मन में शेयर बाजार

को समझने की जिज्ञासा थी। साल 1985 में अपनी सीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने स्टॉक मार्केट में अपना भविष्य आजमाया। वो दौर भी ऐसा था जिस समय भारत ग्लोबलाइजेशन और उदारीकरण की तरफ बढ़ रहा था। यह कॉर्पोरेट जगत में एक बड़ा बूम स्टार्ट होने वाला था। राकेश झुनझुवाला ने साल 1985 में महज 5000 रुपये की पूंजी के साथ शेयर बाजार में अपने सफर की शुरूआत की। सितंबर 2018 में उनकी पूंजी बढ़कर 11,000 करोड़ रुपये हो गई। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार उस समय संपत्ति के मामले में वे भारत के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में 48वें नंबर पर थे। जुलाई 2022 में उनका नेटवर्थ करीब 550 बिलियन डॉलर (भारतीय रुपयों में करीब 55000 करोड़ रुपये) है। वे देश के अमीरों की सूची में 36 वें नंबर पर थे। शेयर बाजार में झुनझुनवाला को हमेशा एक रिस्क लेने वाला ट्रेडर माना गया। बताया जाता है कि उन्होंने अपने भाई के ग्राहकों से यह कहकर पैसे लिए थे कि वे उन्हें फिक्स्ड डिपॉजिट से अधिक का रिटर्न देंगे और उन्होंने ऐसा करके दिखाया था। झुनझुनवाला ने जिस समय अपना करियर शुरू किया, उस समय उनके पास पैसे नहीं थे। अपने भाई के सहयोग से उन्हें 2 क्लाइंट मिले जिन्होंने झुनझुनवाला पर भरोसा दिखाया और 7.5 लाख का निवेश किया। यहीं से उनका करियर स्टार्ट हुआ। 1986 में सबसे पहले मुनाफा उन्होंने टाटा टी में कमाया। 43 रु. पर उन्होंने 5000 शेयर खरीदकर उसको 3 महीने में 143 में बेचा। 5 लाख का प्रॉफिट उस समय बड़ा पैसा होता था।

## तीन महीने की गिरावट के बाद बढ़ी थोक महंगाई

# जुलाई में बढ़कर -1.36प्रतिशत पर पहुंची, जून में ये 8 साल के निचले स्तर पर थी

**नई दिल्ली।**

जुलाई महीने में थोक महंगाई दर यानी होलसेल प्राइस इंडेक्स बढ़कर -1.36प्रतिशत पर पहुंच गई है। लगातार तीन महीने की गिरावट के बाद डब्लूपीआई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले जून में ये -4.12प्रतिशत पर आ गई थी। ये उसका 8 साल का निचला स्तर था। वहीं एक साल पहले यानी जुलाई 2022 में ये 13.93प्रतिशत पर थी।

**खाने-पीने की चीजें महंगी होने से बढ़ी महंगाई** - जुलाई में थोक महंगाई दर बढ़त का मुख्य कारण सब्जियों, प्याज और प्राथमिक वस्तुओं का महंगा होना है। जुलाई में प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई बढ़कर 7.57प्रतिशत पहुंच गई, जो जून में -2.87प्रतिशत पर थी। वहीं जुलाई में सब्जियों की महंगाई -21.98प्रतिशत से बढ़कर 62.12प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसके अलावा प्याज की महंगाई -4.31प्रतिशत से बढ़कर 7.13प्रतिशत हो गई है। मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्टस की थोक महंगाई -2.71प्रतिशत से बढ़कर -2.51प्रतिशत रही। हालांकि जुलाई में ईंधन और

बिजली की महंगाई दर जून के -12.63प्रतिशत से घटकर -12.79प्रतिशत पर रही है। वहीं आलू की महंगाई दर जून के -21.27प्रतिशत से घटकर -24.40प्रतिशत पर आ गई। इसी तरह अंडे, मांस और मछली की महंगाई जून के 2.74प्रतिशत से घटकर 1.79प्रतिशत पर रही है।

**डब्लूपीआई का आम आदमी पर असर** - थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्लूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

**निगेटिव मंहगाई से भी प्रभावित होती है इकोनॉमी** - महंगाई का निगेटिव में रहना भी इकोनॉमी पर प्रभाव डालता है। इसे डिफ्लेशन कहा जाता है। निगेटिव महंगाई तब होती है वस्तुओं की आपूर्ति उन वस्तुओं की मांग से ज्यादा हो जाती है। इससे दाम गिर जाते हैं और कंपनियों का प्रॉफिट घट जाता है। प्रॉफिट घटता है तो कंपनियां वर्कर्स को निकलाती हैं और अपने कुछ प्लांट या स्टोर भी बंद कर देती हैं।

**महंगाई कैसे मापी जाती है** - भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं। दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग-अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07प्रतिशत, कपड़े की 6.53प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम की भी भागीदारी होती है। भारत में डब्लूपीआई तो अमेरिका में पीपीआई से मापते हैं महंगाई डब्लूपीआई का इस्तेमाल भारत में महंगाई को मापने के लिए किया जाता है।

# स्टार कास्ट जमकर कर रही गदर 2 का प्रमोशन

## -उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर भी अहम किरदारों में

**मुंबई (ईएमएस)।** गदर 2 फिल्म की स्टार कास्ट भी फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रही है। गदर 2 फिल्म में 22 सालों बादों एक बार फिर तारा सिंह और सकीना की जोड़ी नजर आएगी। गदर 2 में उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। इस फिल्म के सिमरत कौर अपना बॉलीवुड डेब्यू भी कर रही हैं। गदर 2 को लेकर एक्ट्रेस बेहद एक्साइटेड हैं। उन्होंने अपने हालिया इंटरव्यू में फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। सिमरत कौर ने गदर 2 को लेकर अपना अनुभव साझा किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्हें फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया था तो कुछ दिनों तक उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था। सिमरत ने कहा, मेरा पहला रिएक्शन सच में में बहुत अजीब थी। जब मेरा सेलेक्शन हुआ तब मैं हैरान थी और तीन दिन तक सिर्फ मेरी मां को ये बात पता थी और किसी को नहीं। मेरे पापा और बहन को भी इसके बारे में नहीं पता था। इसलिए, 3 दिनों तक मैं बस यह साफ करना चाहती थी कि ये सच है, क्योंकि फिर कही कोई कैंसिलेशन ना हो जाए या कुछ और ना हो जाए ।उन्होंने आगे कहा, तीसरे दिन मैंने अपनी बहन को फोन किया और उससे कहा कि मुझे लगता है कि मैं गदर 2 कर रही हूं। उसने कहा कि सोच रही हूं का क्या मतलब होता है। मुझे ऐसा लगा जैसे मुझे मिठाई खिलाकर बोल दिया था कि आपका सेलेक्शन हो गया है। मेरी बहन बहुत खुश हुई और मैं यह सोचकर इमोशनल हो गई कि मैं यह फिल्म कर रही हूं।

इसलिए, यह मेरे लिए बहुत इमोशनल मोमेंट था, लेकिन मैंने इसके बारे में ज्यादा हल्ला ना मचाने की कोशिश की, क्योंकि मुझे इस पल को इस सफर को नजर नहीं लगानी थी। अभी तक मुझे नहीं लग रहा है कि मेरी फिल्म आ रही है। तो 10 अगस्त की रात सबसे मुश्किल होने वाली है।सिमरत ने अपने पहले किए प्रोजेक्ट्स से इंटीमेट सीन की क्लिप के वायरल होने पर भी बात की। उन्होंने खुद को लेकर हुई ट्रोलिंग पर रिएक्ट किया और कहा, मेरा एक्सा-इटमेंट चारों- ओर जो हो रहा है उससे कहीं ज्यादा बड़ा है। जैसा कि मैंने कहा कि मैंने अभी भी यह प्रोसेस नहीं किया है कि मैं गदर 2 कर रहा हूं, इसलिए मैं अभी भी उस पल में हूं। मैं अभी भी वहीं हूं और मैं यह पता लगाने और खुद को बताने की कोशिश कर रहा हूं कि हां, मैं गदर 2 कर रहा हूं। मेरी खुशी इतनी बड़ा है कि उसके लिए आजू बाजू क्या चल रहा है, मुझे सच में इसकी कोई परवाह नहीं है। इसलिए मेरे लिए गदर 2 का हिस्सा बनने से बड़ी कोई खबर नहीं है। बता दें कि गदर 2 को लेकर लोगों के बीच गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म की एडवांस बुकिंग इसके हिट होने की ओर इशारा कर रही है।

# पापा के स्ट्रगल को याद कर रो पड़े शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे

## -पैसे बचाने के लिए भूखे रहे, पैदल भी चले

**मुंबई (ईएमएस)।** इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा को भी स्ट्रगल करना पड़ा था। शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा ने अपने पापा के स्ट्रगल के दिनों पर बात की और उस दौर को याद कर रो भी पड़े। लव सिन्हा ने बताया कि पापा शत्रुघ्न सिन्हा आज जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्हें बहुत मुश्किल भरे दिन देखने पड़े। जल्द ही गदर 2 में नजर आने जा रहे लव सिन्हा ने फिल्म की प्रमोशन के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा के स्ट्रगल के दिनों पर बात की और कहा, कई बार ऐसा भी होता था कि जब पापा को खाने और बस में सफर करने में से कोई एक चीज चुननी पड़ती थी। या तो वह मीटिंग के लिए बस से सफर करके जाएं या फिर खाना खा लें। कई बार पैसे बचाने के लिए पापा को मीलों पैदल चलकर जाना पड़ता था। और कई बार पैसे बचाने के लिए वह भूखे रह जाते थे। यह बोलते हुए लव सिन्हा इमोशनल हो गए। लव सिन्हा ने बताया कि उनके पापा ने फिल्मों में करियर बनाने के लिए घर छोड़ दिया था और पटना से मुंबई आ गए थे। हालांकि, उन्हें हमेशा डर रहता था कि अगर वह सफल नहीं हो पाए तो क्या करेंगे। परिवार को एक्टर से काफी उम्मीदें थीं और वह उन उम्मीदों को तोड़ना नहीं चाहते थे। लव सिन्हा ने आगे कहा, जब पापा सफल हो गए, तो उन्होंने देखा कि हमारा छोटा सा घर भी लोगों से भरा रहता था और जब उनकी फिल्में चलना बंद हो गईं, तो साथ में कोई भी नहीं था। कोई भी घर पर नहीं आता था। मैंने पापा को गिरते और उठते हुए देखा है। वहीं, शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2010 में फिल्म सदियां से एक्टिंग में डेब्यू किया था। इसके बाद वह पल्टन में नजर आए।

# गन्स एंड गुलाब्स मचा रही सोशल मीडिया पर धूम

## -उनके यंग फैंस से मिला रहा काफी प्यार और स्नेह

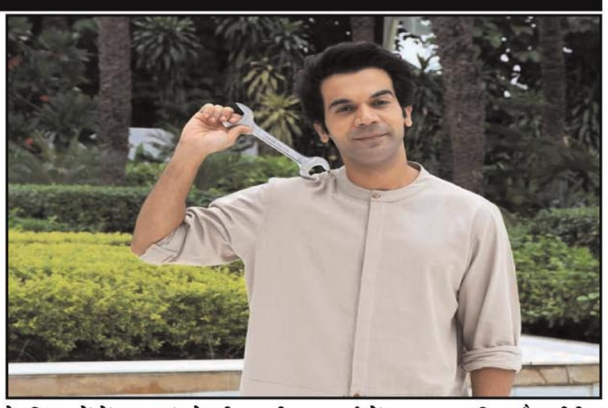

**मुंबई (ईएमएस)।** बालीवुड एक्टर राजकुमार राव इंडस्ट्री में सबसे प्रतिभाशाली और डिमांड वाले अभिनेताओं में से एक हैं। राव ने स्त्री 2, मिस्टर एंड मिसेज माही और श्री सहित कई आगामी प्रोजेक्ट्स में काम किया है। राजकुमार की आगामी सीरीज गन्स एंड गुलाब्स ने सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। सीरीज के प्रोमोशंस के दौरान राजकुमार राव को उनके यंग फैंस से काफी प्यार और स्नेह मिला रहा है। ट्रेंडिंग हैशटैग से लेकर फैन मेड मीम्स तक सोशल मीडिया टीपू के किरदार से खूब प्रभावित हो रहा है। यह राव की अपने किरदारों को भरोसेमंद और लोकप्रिय बनाने की क्षमता का प्रमाण है, जिससे दर्शकों को उनके द्वारा बनाई गई दुनिया में ले जाने का मौका मिलता है। राजकुमार राव की प्रतिभा ने उन्हें समर्पित फैंस और कई प्रशंसाएं अर्जित की हैं। अपने क्राफ्ट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और विभिन्न प्रकार के किरदारों में जान फूंकने की उनकी क्षमता ने उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक घरेलू नाम बना दिया है। परियोजनाओं की प्रभावशाली सीरीज के साथ इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके प्रशंसक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। राजकुमार राव की आगामी सीरीज गन्स एंड गुलाब्स सिर्फ एक प्रोजेक्ट से कहीं अधिक है, जिसने डिजिटल वर्ल्ड में तूफान ला दिया है। सीरीज को लेकर वायरल चर्चा उनके दिलों पर कब्जा करने और स्थायी प्रभाव पैदा करने की क्षमता के बारे में बहुत कुछ बताती है। जैसे-जैसे दर्शकों के बीच सीरीज को लेकर उत्साह बढ़ रहा है एक बात तो निश्चित है कि राजकुमार राव का दर्शकों पर आकर्षण पहले से कहीं ज्यादा अधिक मजबूत हो गया है।

# यामी गौतम बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार

बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि अक्षय कुमार स्टारर फिल्म ओएमजी 2 के साथ एक्ट्रेस यामी गौतम बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। यामी गौतम फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि महामारी के बाद उनकी यह पहली फिल्म है। यामी की अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। महामारी की चपेट में आने से पहले, एक्ट्रेस ने बाला, काबिल, उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी बड़ी हिट फिल्मों में काम किया था। एक्ट्रेस ने कहा, 3 साल के बाद थियेट्रिकल रिलीज होने पर वास्तव में खुशी महसूस हो रही है। महामारी के बाद बड़े पर्दे पर यह मेरी पहली फिल्म है, और मैं इसके लिए ज्यादा उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, बड़े पर्दे पर खुद को देखने का असली एहसास शानदार है। ओएमजी 2 की शूटिंग करना एक अद्भुत अनुभव था और मैं यह देखकर वास्तव में रोमांचित हूं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है।

# पलक का नया गाना अतरंगी हुआ रिलीज

## -पलक ने फिल्म रिची के लिए गाया है ये गाना

**मुंबई (ईएमएस)।** बालीवुड की प्लेबैक सिंगर पलक मुच्छाल का नया गाना अतरंगी 5 अगस्त को रिलीज हो गया है। फिल्म कन्नड़ में शूट की गई है जिसे हिंदी में डब किया गया है। ये गाना पलक ने फिल्म रिची के लिए गाया है, जिसे विमल कश्यप ने लिखा है। फिल्म रिची पैन इंडिया रिलीज हो रही है। पलक ने इसी पैन इंडिया फिल्म के लिए अतरंगी सॉन्ग गाया है। जिसके बोल विमल कश्यप ने लिखे हैं और संगीत अगस्त्य संतोष ने दिया है। इस गाने को मशहूर कोरियोग्राफर धनंजय और राम किरण ने कोरियोग्राफ किया है। एक्टर रिची ने इस फिल्म का निर्देशन किया है साथ ही वे इस फिल्म में बतौर एक्टर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में मशहूर कन्नड़ टेलीविजन स्टार रमोला भी अहम भूमिका निभा रही हैं। बता दें कि, रिची एक रोमांटिक, सस्पेंस थ्रिलर शैली की फिल्म है जिसमें डिफरेंट डैनी द्वारा रचित असाधारण रोमांचकारी एक्शन दृश्य हैं। रिची, जो कई वर्षों से फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं, आश्चर्यजनक लुक के साथ दर्शकों का सामना करने के लिए उत्साहित हैं। यह फिल्म रिची एंड कंपनी द्वारा निर्मित, दिल्ली पंजाब रोडलाइंस के टी वेंकटचैया और राकेश राव द्वारा निर्मित है।

# पर्पल बिकिनी में समंदर किनारे मस्ती कर रही थी चैंटेल

हॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस चैंटेल जेफ्रीज सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस को मियामी में समंदर किनारे चिलकती धूप में मस्ती करते देखा गया, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 30 की चैंटेल पर्पल बिकिनी में समंदर के पानी में आग लगाती दिखीं। टू-पीस में एक्ट्रेस का बेहद बोल्ड अंदाज देखने को मिला। चिलकती धूप में बिकिनी पहने एक्ट्रेस जमकर मस्ती करती दिखीं। बदन पर पानी और भीगे बाल देख फैंस एक्ट्रेस की हॉटनेस के खूब दीवाने हो रहे हैं। बता दें, चैटेंल जेफ्रीज सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने पोस्ट्स के जरिए फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।

# रजनीकांत की धमाकेदार एंट्री पर प्रशंसक हुए बेकाबू

फिल्म जेलर में सुपरस्टार रजनीकांत की धमाकेदार एंट्री पर उनके प्रशंसक बेकाबू हो गए। प्रशंसकों को संभालने के लिए मुंबई के एक थिएटर में फिल्म का प्रदर्शन रोकना पड़ा। मालूम हो कि फिल्म की कहानी मुथुवेल पांडियन पर आधारित है, जो एक साधारण दिखने वाला पारिवारिक व्यक्ति और पूर्व जेलर है। वह जेल में खूंखार गैंगस्टर से निपटते हैं। थिएटर में मौजूद एक प्रशंसक ने वीडियो बनाया, जिसे उसने एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट किया। इसमें दिखाया गया कि स्क्रीन पर 72 वर्षीय स्टाइलिश सुपरस्टार की एंट्री से लोग अचानक खड़े हो गए और जोर-जोर से तालियां बजाना शुरू कर दिया, जिसके बाद फिल्म अचानक रोक दी गई। दक्षिण भारतीय सिनेमा ने हाल के वर्षों में हिंदी बेल्ट में काफी लोकप्रियता हासिल की है, हालांकि मुंबई के एक थिएटर में उनके लिए ऐसा प्यार देखने लायक था। फिल्म में जैकी श्रॉफ, मोहनलाल, राम्या कृष्णन और तमन्ना भाटिया जैसे अन्य बड़े सितारे भी होने के कारण जेलर ने खूब सराहना बटोरी।

# सुष्मिता सेन डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। सुष्मिता सेन की तबीयत खराब होने की वजह से वह कॉन्वोकेशन में शामिल नहीं हो पाईं। उनके पिता सुबीर सेन ने स्टेज पर जाकर बेटी का सम्मान हासिल किया। सुष्मिता सेन ने कॉन्वोकेशन से जुड़ा एक वीडियो शेयर कर कहा कि यह हमेशा से उनके पिता का सपना था। उन्हें स्टेज पर सम्मान पाता देख सुष्मिता को बेहद खुशी हुई है। वीडियो में एक्ट्रेस कह रही हैं- नमस्कार, आप सभी से माफी मांगना चाहूंगी, क्योंकि मैं इस कॉन्वोकेशन का हिस्सा नहीं बन सकी। वाकई, मैं आप सभी से सामने से मुलाकात करना चाहती थी। वायरल के चलते डॉक्टर ने मुझे रेस्ट करने की सलाह दी थी, जिस वजह से मैं सम्मान समारोह का हिस्सा नहीं बन पाई। वीडियो सुष्मिता सेन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर खुशी जाहिर की है।

# अपूर्ण लैंगिकता का दर्द बयां कर गया ख्वाजासरा नाटक

**प्रयागराज, (हि.स.)।** उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में रविवार को नाटक ख्वाजासरा (द स्टोरी ऑफ ए ट्रांसजेंडर) के माध्यम से अपूर्ण पुरुषों (ट्रांसजेंडर) की भावनाओं और इच्छाओं को बखूबी मंचित किया गया। दर्शकों ने विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान और लेखक व निर्देशक अजय मुखर्जी को ऐसे अनछुए विषय को मंच पर लाने के लिए धन्यवाद दिया। सुधांशु गिरि का सधा हुआ अभिनय सराहनीय रहा। यह मंचन विनोद रस्तोगी के जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत किया गया। जो मशहूर नक्कारा वादक मास्टर फूल चंद की स्मृतियों को समर्पित था। दिल तो धड़कता ही है, चाहे वो किसी के भी शरीर में हो। स्त्री, पुरुष या फिर एक किन्नर के। पर ट्रांसजेंडर को क्यों हँसी का पात्र माना जाता है? इन्हीं की कथा-व्यथा को चित्रित कर गया नाटक 'ख्वाजासरा'। जिसका मंचन रविवार शाम रवींद्रालय प्रेक्षागृह में किया गया। इसमें कथा वाचन, मूक अभिनय, दृश्यांकन एवं नृत्य का एक सुंदर गुलदस्ता था ये नाटक। सुधांशु गिरि के अतिरिक्त नाटक के अन्य कलाकारों में अभिलाष नारायण, मधुरिमा बोस, प्रतिमा श्रीवास्तव, शुभम पालीवाल, हिमांशु तिवारी, प्रतीक सिंह, अभिषेक निषाद, अहोना भट्टाचार्या, शुभम वर्मा आदि रहे। मंच परे प्रकाश संयोजन एवं मंच सुजॉय घोषाल, संगीत संचालन आशीष यादव, प्रस्तुतकर्ता आलोक रस्तोगी और आलेख, संगीत परिकल्पना एवं निर्देशन अजय मुखर्जी का रहा।

# सनी देओल ने फिल्म पसंद ना करने वालों से मांगी माफी

## -ऐसे लोगों के लिए प्यार भरा मैसेज भी दिया

**मुंबई (ईएमएस)।** फिल्म गदर 2 के निमार्ता एवं एक्टर सनी देओल का एक पोस्ट वायरल हो रहा है जो उन्होंने 11 अगस्त की सुबह सोकर उठने के बाद किया था। उन्होंने इस पोस्ट में सनी देओल ने फिल्म पसंद न करने वाले लोगों से माफी मांगी है और प्यारभरा मैसेज दिया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह बोलते दिख रहे हैं, नमस्ते आप सबको। मैं बस उठा ही हूं और चाहता हूं कि आप सबसे बात करूं। क्यों इतने दिनों से मैं घूम रहा हूं चारों तरफ, आप लोगों से इंटरैक्ट कर रहा हूं। और मुझे पता है कि आप तारा सिंह और सकीना के परिवार को बहुत प्यार करते हैं। इस्-का इंतजार कर रहे थे। और आप उस परिवार को देखने जा रहे हैं। बस यही कहूंगा कि यह परिवार वैसा ही है जैसे आपने छोड़ा था। वही प्यारा सा परिवार है। आप जब देखने जाएंगे, मिलने जाएंगे उन्हें तो आप बहुत खुश होंगे। गलती से अगर किसी को यह परिवार पसंद नहीं आया तो झगड़िए मत, माफ कर दीजिए। क्योंकि दिल में सिर्फ प्यार होना चाहिए और वो सिर्फ परिवारवाले ही जानते हैं। बता दें कि गदर 2 से लोगों को काफी उम्मीदे हैं। फिल्म की तगड़ी अडवांस बुकिंग हुई और उम्मीद की जा रही है कि पहले दिन का कलेक्शन रिकॉर्ड ब्रेकिंग हो सकता है। इस बीच ट्विटर पर कुछ लोगों ने लिखा है कि फिल्म गदर एक प्रेमकथा जैसी दमदार नहीं है। वहीं कई लोग थिएटर के माहौल को एंजॉय कर रहे हैं। अब तक सामने आ रही पॉजिटिव चीजों में सनी देओल और मनीष वाधवा की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स ये भी हैं कि फर्स्ट हाफ में सनी देओल की जगह उत्कर्ष शर्मा को ज्यादा स्क्रीन टाइम दिया गया है। बता दें कि सनी देओल की मच अवेटेड फिल्म गदर 2 रिलीज हो चुकी है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह के चर्चे हैं। कुछ लोग फिल्म को ब्लॉकबस्टर लिख रहे हैं तो कुछ को गदर 2 बोरिंग लग रही है।

## सूडोकु नवताल- 6523

★★★✯☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 8 | | | | 1 | 5 | |
| 2 | | | | | 1 | 8 | | |
| 3 | | | 4 | | 6 | 7 | | 9 |
| 5 | | | | | 9 | | | |
| | 9 | | 2 | 3 | 4 | | 7 | |
| | | | 1 | | | | | 8 |
| 4 | | 7 | 6 | | 5 | | | 1 |
| | | 6 | 7 | | | | | 4 |
| | 5 | 3 | | | | 2 | | |

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

### सूडोकु नवताल -6522 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 7 | 5 | 2 | 1 | 4 | 8 | 6 |
| 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 | 1 | 3 |
| 8 | 6 | 1 | 3 | 7 | 4 | 9 | 5 | 2 |
| 2 | 8 | 9 | 1 | 5 | 3 | 6 | 4 | 7 |
| 4 | 7 | 3 | 2 | 8 | 6 | 5 | 9 | 1 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 9 | 7 | 2 | 3 | 8 |
| 9 | 3 | 4 | 7 | 1 | 2 | 8 | 6 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 8 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 1 | 2 | 8 | 6 | 4 | 5 | 3 | 7 | 9 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्दजाल - 7270

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गु | मी | रा | कु | मा | र | अ | फा | न | प | रा |
| न | ला | क | प | इं | डो | र्जु | शि | या | ड़ | म |
| अ | दा | म | ला | र | ग | न | द | द | प | वि |
| प्र | ग | ल | न | ब | दू | सिं | प | या | लि | ला |
| त | ण | अ | सौ | बी | जा | ह | कि | नि | ला | स |
| आ | इ | व | मो | व | आ | व | त | धि | लू | पा |
| ग | जी | ल | मु | व | प | जा | न | मा | प्र | स |
| र | रि | भा | र | ख | प | स | द | र | सा | वा |
| क | म | ल | ना | थ | र्जी | ज | जी | न | द | न |
| न | ट | व | र | सिं | ह | ब्रा | रु | अ | प | श |
| ब | शि | वा | जी | पा | टि | ल | त्ता | प | क | र |

*शब्द जाल में मनमोहन सरकार में शामिल मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.*

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान, गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल, नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

### शब्दजाल - 7269 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | क | मु | ग | ल | ए | अ | ला | तु | र | य |
| द | ह | ल | प्रे | व | बु | स | द | ह | कां | ड़ |
| र | स | म | म | दी | छ | ल | आ | र्म | ख | क |
| इं | स | ल | द | दि | वा | स | ढा | ल | श | क |
| डि | आ | दो | ग | न | ज | ना | प | णा | झ | ड़ |
| य | ना | द | र | दि | ग | उ | र | ण | दे | क |
| ती | व | ग | मी | या | प | र | भ | नां | व | को |
| सो | एं | ऊ | पु | द | ब | क | णी | ए | श | ल्हा |
| क | ग | ल | प | र | गी | स | री | औ | प | पु |
| क | ग | ली | प | लि | जी | त | ऐ | ओ | प | र |
| क | अ | म | रा | व | ती | स | व | र्धा | प | म |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 6223

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 1 | | 7 | | 5 | |
| | 33 | 3 | 35 | 1 | 27 | |
| 4 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 35 | 2 | 37 | 7 | 32 | |
| | 4 | | | | | 1 |
| 2 | 29 | 1 | 33 | 4 | 30 | 5 |
| 1 | | | 7 | | | 4 |

*प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.*

### अष्टयोग 6222 का हल

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 5 | 1 | 3 | 6 | 4 | 2 |
| 6 | 38 | 6 | 32 | 1 | 30 | 7 |
| 2 | 4 | 7 | 5 | 3 | 6 | 1 |
| 1 | 25 | 2 | 37 | 4 | 32 | 5 |
| 5 | 1 | 3 | 6 | 7 | 2 | 4 |
| 3 | 26 | 4 | 38 | 5 | 36 | 6 |
| 4 | 1 | 5 | 6 | 2 | 7 | 3 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# पृथ्वी शॉ ने वनडे कप में फिर लगाई सेंचुरी : 244 रन की रिकॉर्ड पारी के बाद लगातार दूसरा शतक; शॉ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर

**चेस्टर-ले-स्ट्रीट।**
भारत के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ वन-डे कप 2023 मैच के दौरान शानदार शतक लगाया। यह शतक शॉ के लगातार दूसरे गेम में आया है। इससे पहले पृथ्वी शॉ ने समरसेट के खिलाफ 244 रन की रिकॉर्ड पारी खेली थी। नॉर्थम्पटनशायर के सलामी बल्लेबाज ने 68 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और लगातार तीन गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों के साथ शानदार रूप से मैच फिनिश किया। शॉ ने 76 गेंदों में नाबाद 125 रन बनाए। शॉ की पारी की बदौलत 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नॉर्थम्पटनशायर ने 6 विकेट से मैच जीत लिया। शॉ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर है।

**पारी के दौरान 15 चौके और 7 छक्के लगाए** - शॉ ने 76 गेंदों में नाबाद 125 रन बनाए। इसमें 15 चौके और सात सिक्स शामिल थे। उन्होंने 21वें ओवर में लेग स्पिनर स्कॉट बोर्थविक की लगातार बॉल पर दो छक्के और तीन चौकों की मदद से 24 रन बनाए। इससे मैच में मोमेंटम नॉर्थम्पटनशायर की तरफ शिफ्ट हो गया।

**डरहम ने दिया था 199 का टारगेट** - डरहम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम 43.2 ओवर में 198 रन पर ऑलआउट हो गई। नॉर्थम्पटनशायर के इंग्लिश ऑलराउंडर ल्यूक प्रॉक्टर ने 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थम्पटनशायर ने 25.4 ओवर में ही 4 विकेट खो कर 204 रन बनाए।

**समरसेट के खिलाफ खेली थी 244 रन की पारी** - 23 साल के शॉ ने समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों पर 244 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 28 चौके और 11 छक्के लगाए थे। इसी के साथ शॉ 50 ओवर मैच यानी लिस्ट- मैचों में टॉप स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने थे। इस लिस्ट में पहला नाम तमिलनाडु के नारायण जगदीशन का है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन की पारी खेली थी।

**शॉ टूर्नामेंट का टॉप स्कोरर** - दाएं हाथ के बल्लेबाज शॉ वर्तमान में वन-डे कप 2023 में चार मैचों में 143 की शानदार औसत के साथ 429 रन बना कर टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर है। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर भारत के ही चेतेश्वर पुजारा हैं, जिनके नाम पांच पारियों में 329 रन हैं।

**शॉ को 2021 से टीम इंडिया में मौका नहीं मिला** - 2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शॉ ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर गेंदबाजों के सामने उनकी टेक्नीक कमजोर नजर आई। उन्होंने जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच वनडे के रूप खेला और तब से ही वह भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेल सके।

शॉ को इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड की मौजूदगी में उन्हें प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बनाया गया।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत एफआईएच हॉकी रैंकिंग में नंबर-3 पर आया: एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने का फायदा मिला; एक अंक की बढ़त से इंग्लैंड को पछाड़ा

**नई दिल्ली।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच की ताजा रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। टीम 2021 के बाद पहली बार इस पोजिशन पर आई है। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एक दिन पहले ही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल अपने नाम किया है। जारी रैंकिंग में भारत को एक पॉइंट का फायदा हुआ है। टीम इंडिया ने इंग्लिश टीम को पीछे छोड़ा है। रैंकिंग भारतीय टीम के 2771.35 अंक हो गए हैं, जबकि नंबर-2 की टीम बेल्जियम के खाते में 2917.87 अंक हैं। इस सूची के टॉप पर नीदरलैंड की टीम है। डच टीम के नाम 3095.90 अंक हैं। चेन्नई के राधाकृष्णन स्टेडियम में भारत लगातार चौथी बार चैंपियन बना। भारतीय टीम ने मलेशिया को 4-3 से हराया। टीम इंडिया 5वीं बार इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेल रही थी। टीम पिछली बार भारतीय टीम ने 2021 में टॉप-3 रैंकिंग हासिल की थी। तब टीम ने टोक्यो ओलिंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जीता था। जिसका टीम को फायदा हुआ था। ताजा रैंकिंग में डच टीम टेबल के टॉप पर है। नीदरलैंड के 3095.90 अंक हैं। जर्मनी की टीम चौथे नंबर पर है।

### पंजाब पहुंचे बॉक्सर विजेन्द्र सिंह: खन्ना के माछीवाड़ा साहिब में फार्मिंग टेक्नोलॉजी देखी, बोले- बहुत सोहणा प्रदेश, छोड़कर लोग न भागें विदेश

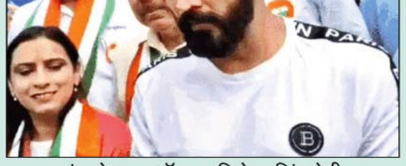

**खन्ना।** इंटरनेशनल बॉक्सर विजेन्द्र सिंह बेनीवाल पंजाब पहुंचे। यहां लुधियाना जिले के खन्ना में माछीवाड़ा साहिब में लगी हरियाणा की एक कंपनी से खेती की नई तकनीकों की जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में उन्होंने पंजाब के युवाओं को बड़ा संदेश दिया। विजेन्द्र ने कहा कि पंजाब बहुत सोहणा और प्यारा राज्य है। इसे छोड़कर विदेशों में न भागा जाए। ठीक है कि हर कोई अपना फ्यूचर बनाने के लिए ऐसा करता है, लेकिन सदा के लिए विदेश जाकर बैठ जाना अच्छी बात नहीं। विजेन्द्र ने कहा कि वहां से नई-नई चीजें सीखकर अपनी धरती मां के लिए कुछ कर दिखाना चाहिए। खेती पर विजेन्द्र ने कहा कि पंजाब के युवा इसे छोड़ रहे हैं। मजबूरी समझकर खेती की जाती है। युवा खेती को प्रोफेशन बनाकर मेहनत करें। इससे पंजाब खुशहाल होगा और युवा भी आगे बढ़ेंगे। बॉक्सर विजेन्द्र ने हरियाणा को लेकर कहा कि हरियाणवी आज भी ग्रामीण और साधारण हैं। पंजाब के मुकाबले हरियाणा के युवाओं में विदेश जाने की दिलचस्पी बहुत कम है। हरियाणा में ज्यादातर लोग अपनी मेहनत पर विश्वास करते हैं।

### विश्वकप के लिए स्टोक्स की वापसी का प्रयास कर रहे बटलर

**लंदन।** इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर 2019 एकदिवसीय विश्कप में टीम को जीत दिलाने

वाले स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी चाहते हैं। स्टोक्स ने पिछले साल ही एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में जिस प्रकार हाल ही में स्पिनर मोइन खान की एशेज के लिए वापसी हुई थी। ठीक उसी प्रकार स्टोक्स की भी विश्वकप के लिए वापसी को सकती है। टीम के कप्तान जोस बटलर स्वयं स्टोक्स को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में इंगलैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। गत 2019 क्रिकेट विश्व कप में भी टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला गया था। ऐसे में एक बार फिर से यह मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। इसी को देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन चाहता है कि स्टोक्स जैसे शानदार खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाना चाहिये। टीम के कोच मैथ्यू मॉट ने कहा कि वापसी को लेकर बटलर सहित कुछ और लोग स्टोक्स से बात करेंगे। मॉट ने कहा कि हम देखेंगे कि क्या वह खेलने के लिए उत्सुक है। वह क्या फैसला करता है ये हमें नहीं मालूम पर हमें अभी भी उम्मीद है। मॉट बोले, मैंने हमेशा कहा है कि उसकी गेंदबाजी एक बोनस होगी, बल्ले से वह अभी भी मैच पलट देता है।

# ऑस्ट्रेलिया के सामने 24 साल बाद मेजबान विश्व विजेता बनने का मौका, स्वीडन को अनुभव का लाभ

**नई दिल्ली।**
**यह तो क्वार्टर फाइनल में स्वीडन के हाथों जापान की हार के साथ ही तय हो गया था कि इस बार नया फीफा महिला विश्व चैंपियन बनने जा रहा है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के सामने एक और इतिहास बनाने का मौका है। बीते 24 सालों में कोई भी मेजबान देश अब तक विश्व चैंपियन नहीं बन सका है। यह गौरव 1999 में अमेरिका ने हासिल किया था। ऑस्ट्रेलिया के पास भी इस इतिहास को दोहराने का मौका है। हालांकि सेमीफाइनल में उसके सामने बेहद मजबूत यूरोपियन चैंपियन इंग्लैंड है। वहीं सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में से सिर्फ स्वीडन को ही फाइनल में खेलने का अनुभव है। यह टीम 2003 के विश्वकप में उपविजेता रही थी।**

### 20 साल बाद मेजबान देश सेमीफाइनल में पहुंचा

ऑस्ट्रेलिया इस विश्वकप में न्यूजीलैंड के साथ सहमेजबान है। अंतिम बार कोई मेजबान टीम फीफा महिला विश्वकप के सेमीफाइनल में 2003 में पहुंची थी। यह टीम भी अमेरिका थी। अमेरिका ने 1999 और 2003 विश्वकप की मेजबानी की। 1999 में यह टीम विजेता बनीं और 2003 में चौथे स्थान पर रही। यानि ऑस्ट्रेलिया 20 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली मेजबान टीम बनी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सबसे कम रैकिंग 12 है, लेकिन उसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस जैसी टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 7-6 से पराजित किया।

### चारों टीमों में एकमात्र महिला कोच हैं इंग्लैंड की विगमैन

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी के स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा, जिसमें 80 हजार से अधिक दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। इंग्लैंड की टीम की कोच सरीना विगमैन हैं। वह चारों टीमों में एकमात्र महिला कोच हैं। विगमैन का रिकॉर्ड शानदार हैं। उनकी कोचिंग में पिछले 37 मैचों में इंग्लैंड ने सिर्फ एक मैच हारा है, लेकिन यह हार उसे चार माह पहले ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-2 से मिली थी। विगमैन मानती हैं कि यह मुकाबला उम्मीदों से भी बड़ा होने जा रहा है। इंग्लैंड लगातार दो विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन उसे अब तक खिताब नसीब नहीं हुआ है। इंग्लैंड ने ब्रिस्बेन में 75 हजार सात सौ 84 दर्शकों के बीच कोलंबिया को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

### दो पूर्व विजेताओं को हराकर अंतिम-4 में पहुंची स्वीडन

स्वीडन सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सर्वोच्च रैंकिंग तीन की टीम है। यह टीम 2003 विश्वकप के फाइनल में पहुंची और 2011, 2019 में तीसरे स्थान पर रही। टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में उसे कनाडा के हाथों फाइनल में हार मिली। स्वीडन का सामना पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली स्पेनिश टीम से होगा। स्वीडन ने इस विश्वकप में चार बार की विश्व विजेता अमेरिका को अंतिम-16 में पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 से और क्वार्टर फाइनल में 2011 की विजेता जापान को 2-1 से पराजित किया है। यह टीम अच्छी फार्म में है। वहीं स्पेन को ग्रुप मैच में जापान के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने क्वार्टर फाइनल में गत उपविजेता नीदरलैंड को अतिरिक्त समय में किए गए गोल से पराजित किया।

# एआईएफएफ प्रमुख ने पीआईओ फुटबॉलरों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया

**नई दिल्ली।**
**अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) और विदेशी नागरिकों के तहत आने वाले फुटबॉलरों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया। टास्क फोर्स उच्च स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों की स्थिति का भी मूल्यांकन करेगी। टास्क फोर्स 31 जनवरी 2024 तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। चौबे ने घोषणा की कि टास्क फोर्स की अध्यक्षता पंजाब फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष और अनुभवी खेल प्रशासक समीर थापर करेंगे।**

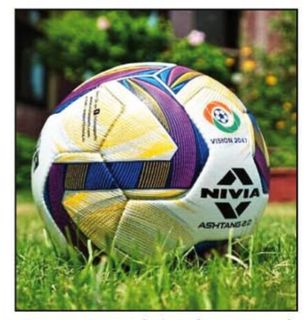

एआईएफएफ प्रमुख कार्यकारी समिति के साथ परामर्श के बाद टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों का नाम तय करेंगे।

चौबे ने कहा, टास्क फोर्स का प्राथमिक उद्देश्य उन फुटबॉलरों पर डेटा एकत्र करना होगा जो या तो भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) या भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) हैं। यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि कई ऐसे फुटबॉल खिलाड़ी अलग-अलग देशों में विशिष्टता के साथ खेल रहे हैं और पेशेवर फुटबॉल की कठिन दुनिया में अपना नाम बनाया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या डेटा का उपयोग विभिन्न स्तरों पर भारतीय राष्ट्रीय टीमों के लिए खेलने को लेकर इनमें से कुछ फुटबॉलरों से संपर्क करने के लिए किया जा सकता है। चौबे ने कहा, हम जानते हैं कि देश के मौजूदा कानून के अनुसार, ओसीआई और पीआईओ को भारत का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में जब तक कि वे भारतीय नागरिकता नहीं अपना लेते।

हालांकि, अगर हम बातचीत शुरू करना चाहते हैं और ऐसे खिलाड़ियों को भारतीय फुटबॉल टीमों का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देने के विभिन्न तरीकों पर गौर करना चाहते हैं, इसलिए हमें डेटा की आवश्यकता है, यही कारण है कि हमने इस टास्क फोर्स का गठन किया है।

# शाहीन अफरीदी ने डेजर्ट वाइपर्स के साथ 3 साल का करार किया

**दुबई।**
ऑल-फॉर्मेट पाकिस्तानी सुपरस्टार शाहीन शाह अफरीदी यूएई में खेली जाने वाली इंटरनेशल टी-20 लीग के दूसरे सीजन में खेलते हुए नजर आएंगे। बाएं हाथ के इस तेज बॉलर ने 161 टी20 में 229 विकेट से दुनियाभर में शानदार गेंदबाजी की छाप छोड़ी है। अब यह खतरनाक गेंदबाज डेजर्ट वाइपर्स के लिए खेलेगा। आईएलटी-20 सीजन 2 के लिए नए अनुबंधों की पूरी सूची अगले कुछ दिनों में जारी की जाएगी, टूर्नामेंट जनवरी-फरवरी 2024 में होने वाला है। 2018 में अपने टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू के बाद से, शाहीन ने सभी प्रारूपों में अच्छा परफॉर्म किया है। पिछले साल, उन्हें आईसीसी प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था और उन्होंने सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी अर्जित की थी।

### उनके अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 239 (105 टेस्ट, 70 वनडे और 64 टी20) है।

शाहीन के पास अपने गेंदबाजी स्पैल की शुरुआत में विकेट लेने की खतरनाक क्षमता है, 23 वर्षीय शाहीन ने अब तक टी20 प्रारूप में पहले ओवर में 42 विकेट हासिल किए हैं। शाहीन ने कहा, मैं डेजर्ट वाइपर्स में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। मुझे पता है कि यूएई में कई पाकिस्तान क्रिकेट के प्रशंसक हैं। मुझे उम्मीद है कि वे आगामी इंटरनेशल टी-20 लीग में हमारी टीम का समर्थन करेंगे। शाहीन के टीम से जुड़ने के बाद यह पहले से भी कई

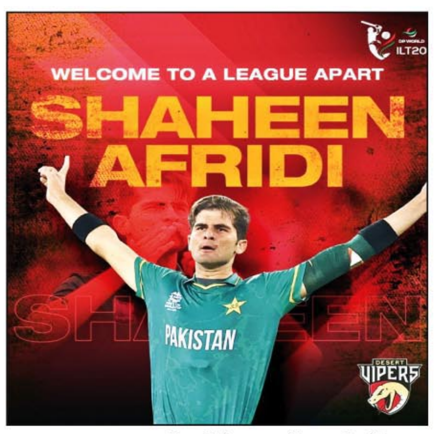


गुना ज्यादा मजबूत हो गई है। छह फ्रेंचाइजी वैश्विक टी20 सर्किट में कुछ बड़े नामों को बरकरार रखने में सफल रही हैं, जिनमें पिछले साल के शीर्ष रन बनाने वाले एलेक्स हेल्स (ग्रीन बेल्ट विजेता) और सबसे अधिक विकेट लेने वाले क्रिस जॉर्डन (व्हाइट बेल्ट विजेता) शामिल हैं।

आंद्रे रसेल, वानिंदु हसरंगा, सिकंदर रजा, क्रिस लिन, पोलार्ड और क्रिस वोक्स उन टी20 दिग्गजों में से हैं, जो डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 2 में अबू धाबी, दुबई और शारजाह में और भी बड़े नामों के साथ अपना कौशल दिखाएंगे।

# प्रोफाइल फोटो बदलने पर बीसीसीआई का ब्लू टिक हटा: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बोर्ड ने तिरंगा लगाया; इंस्टाग्राम-फेसबुक पर टिक बरकरार

**नई दिल्ली।**
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का ब्लू टिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) से हट चुका है। बोर्ड ने अपने ऑफिशियल लोगो की जगह तिरंगे की फोटो लगाई। एक्स के नए नियमों के कारण प्रोफाइल फोटो बदलने पर यूजर का ब्लू टिक हट जाता है, इस कारण बीसीसीआई का भी ब्लू टिक हट गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्लू टिक किसी संस्था या शख्स के ऑफिशियल होने का सबूत रहता है। एक्स ने पिछले दिनों अपनी पॉलिसी अपडेट की थी, जिसका खामियाजा बीसीसीआई को भुगतना पड़ा।

### बीसीसीआई विमेंस और घरेलू क्रिकेट के हैंडल से भी ब्लू टिक हटा

बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर ऑफिशियल लोगो की जगह तिरंगे का फोटो लगाया। इसी को देखते हुए बीसीसीआई ने अपने मेन हैंडल के साथ विमेंस और घरेलू क्रिकेट के ऑफिशियल हैंडल का भी प्रोफाइल फोटो बदला। तीनों ही जगह बीसीसीआई की सोशल मीडिया टीम ने तिरंगे का फोटो लगाया, जिस कारण तीनों हैंडल के ब्लू टिक हट गए।

### एक्स की नई पॉलिसी के कारण टिक हटा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ने इसी साल एक अप्रैल को अपनी पॉलिसी अपडेट की। प्लेटफॉर्म ने बाद में अपना नाम बदलकर एक्स भी कर दिया। नई पॉलिसी के कारण ही प्रोफाइल फोटो बदलने पर बीसीसीआई का ब्लू टिक हट गया।

### इंस्टाग्राम, फेसबुक पर ब्लू टिक बरकरार

एक्स की नई पॉलिसी के कारण बीसीसीआई का ब्लू टिक हटा। लेकिन इंस्टाग्राम, फेसबुक, थ्रेड्स और बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बीसीसीआई का ऑफिशियल ब्लू टिक स्टेटस अब भी बरकरार है।

### बीसीसीआई को कैसे वापस मिलेगा ब्लू टिक

बीसीसीआई सोशल मीडिया टीम को अपने हैंडल का ब्लू टिक वापस पाने के लिए एक्स हेल्पडेस्क पर कम्प्लेन करनी होगी। कम्प्लेन मिलते ही एक्स शिकायत पर काम करेगा और सब कुछ सही होने पर 3-4 दिन बाद बीसीसीआई का ब्लू टिक भी वापस आ जाएगा। यह एक तरह का वैरिफिकेशन बैज है। यह बताता है कि अकाउंट ऑफिशियल है।

क्या कोचिंग में फेल हो रहे द्रविड़

# वर्ल्ड कप और डब्लूटीसी फाइनल के बाद वेस्टइंडीज से भी हारे, 10 साल से आईसीसी खिताब का इंतजार

**नई दिल्ली।**
यह सवाल भारतीय थिंक टैंक को एक बार फिर परेशान करने लगा है, क्योंकि भारत ने टी-20 इतिहास में पहली बार 5 मैचों की बाइलैट्रल सीरीज गंवा दी है। आखिरी टी-20 में वेस्टइंडीज ने टीम इंडिया को 8 विकेट से हराया। ऐसे में वनडे वर्ल्ड कप से पहले यह सवाल उठना लाजमी भी है। फ्लोरिडा के मैदान पर मिली इस करारी हार के बाद हमने भी इस सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश की।

### 20 साल में विंडीज से 5 मैचों की 2 सीरीज हारे, द्रविड एक में कप्तान और दूसरे में कोच

20 साल में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की 2 सीरीज ही गंवाई हैं। पहली 2006 और दूसरी 2023 में। 17 साल पहले की भारतीय टीम की कप्तानी राहुल द्रविड़ कर रहे थे, जबकि 2023 में वे कोच की भूमिका में हैं।

### 3 महीने पहले हारे डब्लूटीसी फाइनल

3 महीने पहले भारतीय टीम को 7-11 जून के बीच द ओवल स्टेडियम में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रनों की करारी हार मिली थी। भारतीय टीम पिछले दस साल में एक भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। आखिरी बार टीम इंडिया ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने 10 सालों में तीनों फॉर्मेट के वर्ल्ड टाइटल जीत लिए हैं। विदेशी कोच ने भारत को 5 में से 3 आईसीसी ट्रॉफी जिताई हैं। 2013 के बाद भारत ने अनिल कुंबले, रवि शास्त्री और अब राहुल द्रविड़ को कोच बनाया, लेकिन किसी आईसीसी टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिल सकी।

### शुरुआत में कोच नहीं मैनेजर होता था

1971 में वनडे क्रिकेट की शुरुआत हुई। तब भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के साथ कोच होने की परंपरा नहीं थी। तब एक मैनेजर टीम के साथ होता

था था। केकी तारापूर भारत के पहले मैनेजर थे। 1975 का वनडे वर्ल्ड कप हमने गुलाबराय रामचंद की मैनेजरशिप में खेला। 1979 में कोई मैनेजर नहीं था। दोनों ही बार श्रीनिवास वेंकटराघवन टीम इंडिया के कप्तान थे। 1983 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने वर्ल्ड कप जीता, तब पीआर मान सिंह मैनेजर थे। दोनों ही 1987 वर्ल्ड कप में भी टीम को लीड कर रहे थे। टीम इंडिया ने 1992 और 1996 का वर्ल्ड कप अजीत वाडेकर की देखरेख में खेला। वाडेकर के बाद संदीप पाटील टीम के साथ जुड़े और तब से कोच शब्द प्रचलन में आने लगा। 1999 वर्ल्ड कप में कपिल देव भारतीय टीम के मैनेजर और कोच दोनों थे।

### 2000 में पहली बार विदेशी कोच लाए

2000 में पहली बार न्यूजीलैंड के जॉन राइट को हेड कोच बनाया गया, जो टीम इंडिया के पहले विदेशी कोच थे। उनकी कोचिंग में टीम 2000 चैंपियंस ट्रॉफी की रनर-अप रही और 2002 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। हालांकि तब भारत श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रहा था। 2003 में टीम इंडिया ने 20 साल बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला और रनर-अप रहे। 2004 की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में हम नहीं पहुंच सके। राइट के बाद ऑस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल को कोच बनाया गया। उन्होंने टीम में बहुत बदलाव किए और टीम 2007 वनडे वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। 2006 के दौरान भारत में हुई चैंपियंस ट्रॉफी भी हम जीत नहीं सके।

### गैरी कर्स्टन ने जिताया वनडे वर्ल्ड कप

2007 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के दौरान लालचंद राजपूत टीम के कोच रहे, लेकिन फुल टाइम कोच नहीं बन सके। चैपल के बाद साउथ अफ्रीका के गैरी कर्स्टन को कोच बनाया गया। उनकी कोचिंग में हम 2009 की चैंपियंस ट्रॉफी के साथ 2009 और 2010 का टी-20 वर्ल्ड कप तो नहीं जीत सके, पर 2011 में 28 साल बाद वनडे वर्ल्ड कप जीत लिया। 2011 में कर्स्टन का पीरियड खत्म हुआ। 2015 तक जिम्बाब्वे के डंकन फ्लेचर टीम इंडिया के हेड कोच रहे। उनकी कोचिंग के दौरान टीम 2012 टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में बाहर हो गई, लेकिन 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बाद 2014 के टी-20 वर्ल्ड कप में रनर-अप रही। हालांकि 2015 के वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारकर बाहर हो गई।

# स्वतंत्रता दिवस इतिहास का स्वर्णिम अध्याय

**सुनील कुमार**
पुलिस उप महानिरीक्षक
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल,
मध्य सेक्टर, लखनऊ

15 अगस्त 1947 ई0 भारतवर्ष के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद 15 अगस्त 1947 ई0 की प्रात: कालीन सूर्य की किरणें, पक्षियों का कलरव एवं अमृत रूपी नदियों की कल-कल करती प्रवाह ध्वनि देश के लिए एक नया संदेश लेकर आयी। लाल किले पर ब्रिटिश ब्लैक झण्डे के स्थान पर साहस, बलिदान, त्याग, सत्यनिष्ठा, विचारों की पवित्रता,

समृद्धि, प्रगति और गतिशीलता का प्रतीक भारत का गौरवमयी तिरंगा झण्डा लहराया। सम्पूर्ण भारतवर्ष खुशियों के प्रवाह में बह रहा था। उस दिन हम आजाद देश के आजाद नागरिक कहलाए। इस स्वतंत्रता-दिवस को चिरस्मरणीय एवं अमर बनाए रखने के लिए हम प्रतिवर्ष 15 अगस्त के इस पवित्र दिन को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाते हैं। पराधीनता एक जघन्य अभिशाप है जो किसी भी राष्ट्र के रक्त और उसकी ऊर्जा को खत्म करता है। जब हम पराधीन भारत के इतिहास के पृष्ठों को उलटते हैं तो हमारे सामने असंख्य बलिदानों की कहानिया., अमर शहीदों की वीर गाथाएं, न्यूज-रील की भा.ति नाचने लगती हैं। 1600 ई0 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी महज व्यापार करने के उद्देश्य से भारत आई। उसी समय हमारे देश का भाग्य चक्र विपरीत दिशा में चला गया। 1757 ई0का पलासी-युद्ध हमारे सौभाग्य के इतिहास का पटाक्षेप था। हमारे स्वतंत्रता का अवसान था। पलासी युद्ध में विजयी होने के बाद अंग्रेजों ने भारत पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए हर तरह का प्रयास प्रारम्भ कर दिया। ठीक 100 वर्ष बाद 1858 ई0 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी को तोड़कर ब्रिटिश सरकार ने भारत पर अपना प्रत्यक्ष शासन स्थापित कर दिया। तब से हमारे कष्टों, दु:खों और यातनाओं की कहानी दिन दूनी रात चैगुनी गति से बढ़ती गई। हम पर अनेक काले कानून लादे गए। मुट्ठी भर अंग्रेजों के लिए हमसे *कर* के रूप में प्रचुर मात्रा में धन-राशि वसूल की गई। जब हमने विरोध की आवाज उठाई तो अंग्रेजी सरकार ने बढ़ी सख्ती व क्रूरता के साथ उसका दमन कर दिया। वह स्वतंत्र होने के लिए हमारे हर प्रयास को कुलचती रही। हमारे नेता, नौजवान, नवयुतिया, बच्चे या तो मौत के घाट उतारे जाते रहे या ब्रिटिश सरकार की जेलों में बंदी बनकर अनेक प्रकार की क्रूरतम यातनाओं के शिकार होते रहे। फिर भी हमारे दीवाने स्वतंत्रय-वीर झुके नहीं। उनका सिर्फ एक ही नारा था -

*सर कटा सकते हैं लेकिन*
*सर झुका सकते नहीं,*
*हम अपनी आजादी को*
*हरगिज मिटा सकते नहीं।*

सचमुच हमारे वीरों ने सर नहीं झुकाए भले ही खुद को मिटा दिया। बाल गंगाधर तिलक, सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस, लाला लाजपत राय, सुभाष चंद्र बोस आदि शूरवीर हॅसते-हॅसते राष्ट्र की आजादी की बलिवेदि पर कुर्बान हो गए। सरदार भगत सिंह ने फांसी के तख्ते पर चढ़ते हुए कहा था:-

*सरफरोसी की तमन्ना*
*अब हमारे दिल में है।*
*देखना है जोर कितना*
*बाजुए कातिल में है।।*
*वक्त आने पर बता देंगे ऐ आसमां।*
*अभी से क्या बताएं*
*क्या हमारे दिल में है।।*

गा.धी जी का सविनय अवज्ञा-आंदोलन और असहयोग आंदोलन, तिलक का गृह-शासन आंदोलन, 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन ये सभी आंदोलन भारत से ब्रिटिश सरकार को खत्म करने के लिए किए जा रहे थे। ब्रिटिश सरकार ने इन आंदोलनों को कठोरतापूर्वक दबा देने की पूरी चेष्टा की, परन्तु स्वतंत्रता प्राप्ति के निमित्त भारतीयों की कृतसंकल्प आत्मा को कुचल नहीं सके। हमारे वीर नौजवान एवं क्रांतिकारी योद्धाओं ने अपने सर पर कफन बाधे स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए हर प्रकार की कुर्बानी देते रहे। अन्तोगत्वा, ब्रिटिश सरकार को भारतीयों की मांगो को स्वीकार करने के लिए विवश होना पड़ा। 1945 ई0 के आम-चुनाव के बाद इंग्लैण्ड के लॉर्ड एटली ने प्रधानमंत्री पद ग्रहण करने के बाद भारतवर्ष को अविलंब सत्ता हस्तांतरित करने की घोषणा की, जिसके परिणामस्वरूप 4 जुलाई 1947 ई0 को ब्रिटिश के इस शांतिपूर्ण हस्तांतरण के कारण ही स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीयों ने लॉर्ड माउण्टवेटन को ही स्वतंत्र भारत का प्रथम गर्वनर जनरल नियुक्त किया। प्रतिवर्ष 15 अगस्त को हम स्वतंत्रता दिवस एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाते हैं। स्कूलों, कॉलेजों तथा सरकारी संस्थानों/दफ्तरों में इस दिन ध्वजारोहण किया जाता है। इस दिन दिल्ली के लाल किले पर प्रधानमंत्री तथा देश के विभिन्न राज्यों की राजधानियों में राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री ध्वजारोहण करते हैं। इस अवसर पर सेना, अर्द्धसैनिक बल, पुलिस तथा एन0सी0सी0 के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा परेड की जाती है और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जाती है। स्कूलों एवं कॉलेजों में खेल-कूद, नाटक, संगीत तथा मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। छात्र-छात्राओं में मिष्ठान्न का वितरण किया जाता है तथा खेल-कूद या अन्य वाद-विवाद-प्रतियोगिताओं में विजित प्रतियोगियों को पारितोषिक क दिया जाता है। स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है और इस पर्व को हम हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।

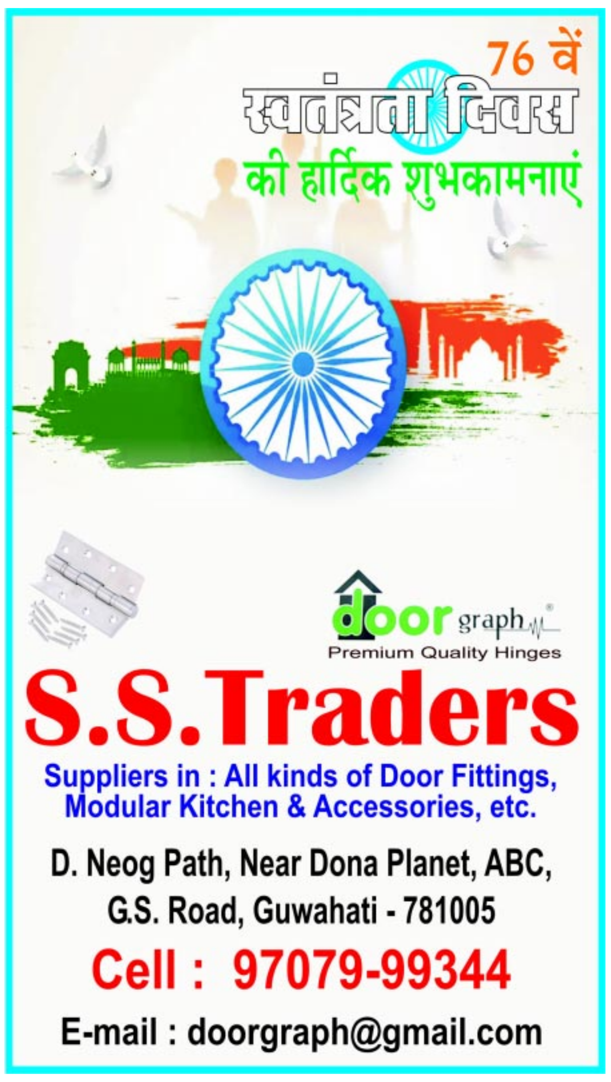

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**